



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 29] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 18, 1981 (आषाढ़ 27, 1903)

No 29] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 18, 1981 (ASADHA 27, 1903)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 1

#### [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्रम, संघ लोक सेवा आयोग, रेत विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कायलियों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

#### संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 18 जून 1981

सं० ए० 32013/3/79-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग की समसंघक अधिसूचना 26-2-81 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० स० सं० के स्थाई प्रेड-1 अधिकारी श्री बी० दास गुप्ता को राष्ट्रपति द्वारा 3-4-81 से 2-7-1981 तक तीन मास की अवधि के लिए अथवा आगामी अदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय से दूर्धा आधार पर उप सचिव के पद पर सहर्ष नियुक्त किया जाएगा है।

य० रा० गांधी

अवर सचिव

संघ लोक सेवा आयोग।

#### गृह मंत्रालय

का० एवं प्र० सु० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 23 जून, 1981

सं० ए० 19036/10/75-प्रशा०-5—महाराष्ट्र पुलिस ने केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो में प्रतिनियुक्त श्री बी० जी० देशपांडे,

1—156GI/81

पुलिस उप अधीक्षक की सेवाएं, दिनांक 1-6-1981 के पूर्वाह्न से महाराष्ट्र सरकार को वापस सौंप दी गई हैं।

सं० ए०-19036/19/80-प्रशा०-5—आन्ध्र प्रदेश पुलिस से केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो में प्रतिनियुक्त, श्री पी० जनादेन रेड्डी, पुलिस उपाधीक्षक की सेवाएं दिनांक 26-5-1981 के अप्राह्ण से आंध्र प्रदेश सरकार को वापस सौंप दी गई हैं।

दिनांक 24 जून, 1981

सं० ए०-31016/13/80-प्रशा०-I (ड०प००स००) —केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियमावली, 1965 के नियम 9 (2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, एवं इस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, दिनांक 20-9-1979 से मूलरूप में वृष्ट वैज्ञानिक महायक (फोटोग्राफी), केन्द्रीय न्याय-वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला, केन्द्रीय व्यूरो के रूप में नियुक्त करते हैं।

की० ला० ग्रोवर,  
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)  
केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

## महानिदेशक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 22 जून, 1981

सं० ई०-16013(2)/1/80-कार्मिक—प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण होने पर श्री दामोदर सारंगी भा० पु० से० (पश्चिम बंगाल-72) ने 12 मई, 1981 के पूर्वाह्न से के० औ० सु० ब० यूनिट, पारादीप पोर्ट ट्रस्ट, पारादीप के कमांडेंट के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-38013(4)/5/81-कार्मिक—पदोन्नति पर, श्री सत्यपाल किनरा ने 14-5-81 वे पूर्वाह्न से सहायक कमांडेंट के० औ० सु० ब० प्रशिक्षण रिजर्व, पूर्वी थोव कलकत्ता के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-38013(4)/5/81-कार्मिक—दुर्गापुर से स्थानांतरण होने पर, श्री सी० डी० कुकरेती ने 27 अप्रैल, 1981 के पूर्वाह्न से सहायक कमांडेंट, के० औ० सु० ब० यूनिट बी० सी० एल०, झिरिया के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-38013(4)/5/81-कार्मिक—झरिया को स्थानांतरण होने पर, श्री सी० डी० कुकरेती ने 16 अप्रैल, 1981 के अपराह्न से के० औ० सु० ब० प्रशिक्षण रिजर्व (पूर्वी थोव) के सहायक कमांडेंट के पद का, जिसका मुख्यालय के० औ० सु० ब० यूनिट ए० एम० पी० दुर्गापुर में था, कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/21/79-कार्मिक—राउरकेला में स्थानांतरण होने पर श्री य० पी० बेहरा ने 12 मई, 1981 के पूर्वाह्न से पारादीप पोर्ट ट्रस्ट, पारादीप में के० औ० सु० ब० (पूर्वी थोव) प्रशिक्षण रिजर्व के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सुरेन्द्र नाथ,  
महानिदेशक

## भारत के महापंजीयावार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 23 जून, 1981

सं० 11/72/80-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, निम्नलिखित जनगणना कार्य उप निदेशकों को उनके नामों के समक्ष दर्शित कार्यालयों में एक वर्ष के अवधि के लिए या जब तक ये पद नियमित आधार पर भरे जाएं, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर पदोन्नति द्वारा संयुक्त निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं:—

क्र०	अधिकारी का नाम	कार्यालय जिसमें कार्यरत हैं	नियुक्ति की तारीख
सं०			
1	2	3	4
1.	श्रोता अब्दुल गनी	जनगणना कार्य निदेशालय, जम्मू एवं कश्मीर, श्री- नगर	25-5-81 (पूर्वाह्न)

	1	2	3	4
2.	श्रोता एस० मिन्हा	.	जनगणना कार्य निदेशालय, पश्चिम (पूर्वाह्न) बंगाल, कलकत्ता	28-5-81
3.	श्री अर्दमान मिह	.	जनगणना कार्य निदेशालय, संघ (पूर्वाह्न) राज्य थोव, चण्डी- गढ़, चण्डीगढ़	23-5-81
4.	श्रोता ए० डब्ल्यू० महात्मे	.	जनगणना कार्य निदेशालय महा- राष्ट्र, बम्बई	22-5-81
5.	डा० एच० मजूमदार	.	भारत के महा- पंजीयावार का कार्या- लय, नई दिल्ली।	22-5-81

2. श्री अर्दमान मिह, संघ राज्य थोव, चण्डीगढ़ में पदेन निदेशक जनगणना कार्य की हैमियत में भी कार्य करते रहेंगे।

3. सर्वश्री गना०, मिन्हा०, मिह०, महात्मे और डा० मजूमदार का मुख्यालय क्रमशः श्रीनगर, कलकत्ता, चण्डीगढ़, बांगलादेश और नई दिल्ली में होगा।

दिनांक 26 जून 1981

सं० 10/11/81-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, भारतीय सांख्यिकीय सेवा के ग्रेड-I के अधिकारी और इस समय नई दिल्ली में भारत के महापंजीयावार के कार्यालय में उप महापंजीयावार (जन्म-मृत्यु सांख्यिकी) के पद पर वर्त्यरत डा० एम० होल्ला को उसी कार्यालय में तारीख 22 जून, 1981 के पूर्वाह्न से एक वर्ष से अनधिक अवधि के लिए या जब तक नियमित आधार पर भगा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर संयुक्त महापंजीयावार के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

डा० होल्ला वा मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

प्र० पदमनाभ,  
भारत के महापंजीयावार

## वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 24 जून, 1981

सं० 584/ए०—मैं, श्री एस० ए० खान नियंत्रण निरीक्षक (वर्ग-III अराजपत्रित) भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नासिक रोड, को उप नियंत्रण अधिकारी के रूप में (वर्ग-II राजपत्रित) पद पर भारत प्रतिभूति मुद्रणालय में भूधारित वेतन श्रेणी रूपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-

ई० बी०-४०-१२०० में दिनांक १७-६-१९८१ के पूर्वाह्न से तदर्थी रूप में छः महीने के लिए नियुक्त करता हूं, अथवा तब तक नियमित रूप में जब तक इसके पूर्व ही उक्त पद की पूर्ति न हो जाए।

पी० एस० शिवराम,  
महा प्रबन्धक

कार्यालय महालेखाकार-प्रथम, मध्य प्रदेश

ग्वालियर, दिनांक २५ जून, १९८१

क्र० प्रशा०-३/पी० एफ०आर० एन० डब्ल्य०/१०९—श्री आर एन० वानरे (०१/४८१) स्थानापन्न लेखा अधिकारी को अधिवार्षिकी की आयु हो जाने पर दिनांक ३०-६-८१ को अपराह्न से शासकीय सेवा से निवृत्त किया जाता है।

ह० अपठनीय,  
वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशासन

रक्षा मंत्रालय  
डी० जी० ओ० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा,  
आर्डनेस फैक्टरी बोर्ड,  
कलकत्ता-७०००६९, दिनांक २६ जून, १९८१

सं० १४/८१/ए०/ई०-१ (एन० जी०)—श्रीमान महानिदेशक आर्डनेस फैक्टरियां ने श्री देवदत्त मुखर्जी, अस्थायी सहायक स्टाफ अफसर का त्याग पत्र स्वीकार किया। इस कार्यालय की नफरी से उसका नाम दिनांक २-६-८१ (अपराह्न) से काट दिया गया है।

डी० पी० चक्रवर्ती  
ए० डी० जी० ओ० एफ०/प्रशासन,  
कृते महानिदेशक, आर्डनेस फैक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक २४ जून १९८१

सं० ३/८१/ए०/एम०—राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित सहायक चिकित्सा अधिकारियों/कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी का त्याग पत्र स्वीकार करते हैं। तदनुसार आर्डनेस फैक्टरी संघटन की नफरी से प्रत्येक के सामने लिखित तारीख से उनके नाम काट दिए गए:—

क्र०	नाम व पद	नियुक्ति स्थान	दिनांक	कैफियत
सं०				
१.	डा० (श्रीमती) एस० ए० राव, सहायक चिकित्सा अधिकारी	गन कैरिज फैक्टरी, जबलपुर	३१-५-८०	त्याग पत्र दिया (अपराह्न)
२.	डा० चन्द्र कान्त, सहायक चिकित्सा अधिकारी	आर्डनेस फैक्टरी अम्बरनाथ	५-६-८०	त्याग पत्र दिया
३.	डा० डी० एस० अनवेकर, सहायक चिकित्सा अधिकारी	अम्युनिशन फैक्टरी, किरकी	२-७-८०	त्याग पत्र दिया (अपराह्न)
४.	डा० एच० बीर भद्रप्पा, सहायक चिकित्सा अधिकारी	कार्डाइट फैक्टरी, अस्वन्कड़ु	१८-७-८०	त्याग पत्र दिया (अपराह्न)
५.	डा० ए० त्यागी, सहायक चिकित्सा अधिकारी	आर्डनेस फैक्टरी, भण्डारा	१-८-८०	त्याग पत्र दिया (अपराह्न)
६.	डा० (श्रीमती) रेणु नर्सला, कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	क्लोरिडग फैक्टरी, शाहजहांपुर	१३-८-८०	त्याग पत्र दिया (अपराह्न)
७.	डा० बी० के० चाढा, सहायक चिकित्सा अधिकारी	वही	३०-८-८०	त्याग पत्र दिया (अपराह्न)
८.	डा० जे० के० भादुरी, सहायक चिकित्सा अधिकारी	गन एण्ड शैल फैक्टरी, काशीपुर	१०-९-८०	त्याग पत्र दिया (अपराह्न)
९.	डा० आर० बी० रेडी, सहायक चिकित्सा अधिकारी	क्लोरिडग फैक्टरी, अवादी	६-११-८०	त्याग पत्र दिया (अपराह्न)

ओ० पी० बहल,  
अपर महानिदेशक आर्डनेस फैक्टरियां, सदस्य/कार्मिक

कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र महानिदेशालय, सायन

बम्बई, दिनांक २४ जून १९८१

सं० ५/२/८१-स्थापना—महानिदेशक, कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र, बम्बई निम्नलिखित अधिकारियों को अनसंधान अधिकारी (रसायन) के पद पर कारखाना सलाह

सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र, महानिदेशालय में मौलिक रूप से, उनके नाम के आगे दी गई तिथि पर नियुक्त करते हैं:—

- श्री एस० एस० गौतम २१-५-७६
- श्री जी० के० पाण्डेय १५-१२-७७
- ए० के० चक्रवर्ती, महानिदेशक

वाणिज्य मंत्रालय  
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय  
नई दिल्ली, दिनांक 25 जून, 1981  
आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 6/439/56-प्रगा० (राज०)/3791—राष्ट्रपति,  
श्री सत्येन्द्र राम, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के प्रब्रह्मण श्रेणी के  
अधिकारी और मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, के कार्यालय नई  
दिल्ली में संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात को सेवा निवृत्ति  
की आयु होने के बाद 1 जून, 1981 से 2 वर्ष के लिए  
सेवा में वृद्धि प्रदान करते हैं।

कुमारी रौमा मजूमदार,  
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय  
(श्रीद्वयिक विकास विभाग)  
विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय  
नई दिल्ली-110011, दिनांक 26 जून, 1981

सं० ए०-19018/545/81-प्रशासन (राज०)—विकास  
आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय  
के लघु उद्योग संबंधन अधिकारी (आर्थिक अन्वेषण  
एवं सांख्यिकी) श्री ए० पी० मोहन्ती को दिनांक 20  
अप्रैल, 1981 से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान  
कट्टक में सहायक निदेशक, ग्रेड-II (आर्थिक अन्वेषण एवं  
डाटा बैंक) के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सी०सी० राय,  
उप निदेशक (प्रशासन)

### विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 26 जून 1981

सं० ई०-11(7)—इस विभाग के दिनांक 11 जुलाई  
1969 के अधिसूचना सं० ई०-11(7) में वर्ग 2 नायट्रेट  
मिश्रण के अधीन “झण्डोकोल-3 प्रविटिंग” के पश्चात् झण्डोकोल  
पी०-3 विनिर्दिष्ट स्थलों में विनिर्माण एवं परीक्षण हेतु  
“सी० एम० आर० एस० धनबाद” पर्यन्त जोड़ा जाए।

चरणजीत लाल,  
मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

### इस्पात और खान मंत्रालय

#### खान विभाग

#### भारतीय खान व्यूरो

नागपुर, दिनांक 25 जून 1981

सं० क०ए०-19012(110)/70-स्था० ए०—श्री वी० ए०-  
डांगरे, उप पुस्तकाध्यक्ष, भारतीय खान व्यूरो को दिनांक  
20-4-81 से 3-6-81 तक तदर्थ आधार पर पुस्तकाध्यक्ष

के पद पर श्री डी० एन० धारे, पुस्तकाध्यक्ष की छुट्टी  
की अवधि में नियुक्ति की गई है।

एस० वी० श्रीली,  
कार्यालय अध्यक्ष

### आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 जून 1981

सं० 5(5)/68-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी,  
एतद्वारा श्री डी० लोगासिगमणी, प्रसारण निष्पादक,  
आकाशवाणी, मद्रास को आकाशवाणी तिरचिरापल्ली में  
3-6-1981 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक  
के पद पर अस्थायी रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते  
हैं।

हरीश चन्द्र जयाल,  
प्रशासन उप-निदेशक  
कृते महानिदेशक

### सूचना और प्रसारण मंत्रालय

#### फिल्म प्रभाग

बम्बई, दिनांक 24 जून 1981

सं० 6/25/54-सिब्बन्दी(I)—श्री वाय० जे० केणी स्थायी  
लेबोरेटरी अभियन्ता फिल्म प्रभाग, नई दिल्ली अस्तर्क्षय के बय  
होने के बजह से दिनांक 1-6-1981 के पूर्वाह्न से सेवा निवृत्त  
हुए

एस० एन० सिह०  
सहायक प्रशासकीय अधिकारी

### स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 जून 1981

सं० ए०-19012/4/81-स्टोर-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक  
ने श्री पी० राज० को 1 जून, 1981 पूर्वाह्न से आगामी  
आदेशों तक सरकारी चिकित्सा सामग्री भंडार, मद्रास में  
सहायक डिपो मैनेजर के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त  
किया है।

शिव दयाल,  
उप निदेशक प्रशासन (स्टोर)

नई दिल्ली, दिनांक 25 जून 1981

सं० ए० 32014/2/80(एच०क्य०) प्रशा०-१—स्वास्थ्य  
सेवा महानिदेशक ने श्री एम० ए० सहगल तथा बी० ए०-  
आहूजा को कृकमश: 6 जनवरी, 1981 (अपराह्न) तथा 24  
मार्च, 1981 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य

सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक वास्तुविद के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

टी० सी० जैन,  
उप निदेशक प्रशासन

ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय  
विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय  
फरीदाबाद, दिनांक 24 जून, 1981

सं० ए०-19023/11/81-प्र० तृ०—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री आर० पी० चतुर्वेदी सहायक विपणन अधिकारी को इस निदेशालय के अधीन फरीदाबाद में दिनांक 1 जन, 1981 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न विपणन अधिकारी (वर्ग-1) नियुक्त किया जाता है।

2. विपणन अधिकारी के पद पर नियुक्त होने के उपरान्त श्री चतुर्वेदी ने दिनांक 1-6-81 के पूर्वाह्न में फरीदाबाद में सहायक विपणन अधिकारी के घद का कार्यभार छोड़ दिया है।

बी० एल० मनिहार,  
निदेशक प्रशासन  
कृते कृषि विपणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग  
ऋग्य और भण्डार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 22 जून 1981

सं० क्र० भ० नि०/अ०/32011/3/76/स्थापना/12243—  
इस निदेशालय की तारीख 4 जन, 1981 की समसंख्यक अधिसूचना को जारी रखते हुए निदेशक, ऋग्य और भण्डार निदेशालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, इस निदेशालय के अस्थायी सहायक श्री कर्ष्णतिल रविन्द्रन को स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर रूपये 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतन क्रम में आगे 6 जून, 1981 (अपराह्न) तक इसी निदेशालय में तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

के० पी० जोसफ,  
प्रशासन अधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 23 जून 1981

सं० प०ख०प्र०-1/32/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री पी० मास्थोराम को परमाणु खनिज प्रभाग में 5 जून, 1981 के पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राव,  
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

भारी पानी परियोजना

बम्बई-400008, दिनांक 26 जून 1981

सं० 05000/आर० 4/ओ० पी०/4624—भारी पानी परियोजना के विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री ए० जोन स्टिफन अस्थायी उच्च श्रेणी लिपिक, भारी पानी संयंत्र (तृतीकोरिन) को उसी संयंत्र में, 14 अप्रैल, 1981 (पूर्वा०) से 30 मई, 1981 (अप०) तक के लिए, श्री जी० पदमनाभन, सहायक कार्मिक अधिकारी, जो स्थानापन्न प्रशासन-अधिकारी नियुक्त किए गए हैं, के स्थान पर अस्थायी रूप से, तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

र० च० कोटिअनकर,  
प्रशासन अधिकारी

### अन्तरिक्ष विभाग

अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र

अहमदाबाद-380053, दिनांक 11 जून 1981

सं० श्र० उ० के०/इस्ट०/आई० एस० सी० ई० एस०/9003/81—निदेशक श्र० उ० के० ने प्रसन्नतापूर्वक श्री राजेश एम० भालजा को इंजीनियर एस० बी० (यान्त्रिक) के पद पर अस्थायी रूप से अन्तरिक्ष विभाग के अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र में मई 15, 1981 के पूर्वाह्न से 30 नवम्बर, 1981 तक की अवधि के लिए नियुक्त किया है।

सी० आर० शाह,  
प्रशासन अधिकारी-II

इन्सैट-I अन्तरिक्ष खण्ड परियोजना कार्यालय

बंगलौर-560009, दिनांक 18 जून 1981

स० 32-1-42—परियोजना निदेशक, इन्सैट-I अन्तरिक्ष खण्ड परियोजना कार्यालय, अन्तर्राक्ष विभाग में स्थानापन्न लेखा सहायक 'ख' श्री एस० शेषाद्रि की सहायक लेखा अधिकारी के पद पर दिनांक 30-4-1981 के पूर्वाह्न से इसी कार्यालय में स्थानापन्न रूप में, आगामी आदेश तक पदोन्नति करते हैं।

आर० एस० सुब्रह्मण्यन्,  
प्रशासन अधिकारी-II

कृते परियोजना निदेशक, इन्सैट-I, एस० एस० पी० ओ०

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1981

सं० ए० 32013/8/80-ई० ए०—राष्ट्रपति ने श्री पी० सी० व्यास, वरिष्ठ विमानक्षेत्र अधिकारी की दिनांक

26-11-1980 से उपनिदेशक के ग्रेड में स्थानापन्न रूप में प्रोफार्मा पदोन्नति की मंजूरी दी है।

दिनांक 9 जून 1981

सं० ए० 31013/4/80-ई०-1—राष्ट्रपति ने श्री डी० ए० भारद्वाज को दिनांक 23 फरवरी, 1980 से नागर विमानन विभाग में, निदेशक, विमानमार्ग और विमानक्षेत्र के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 24 जून 1981

सं० ए० 32013/४८१-ई०—राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के श्री आर० बी० रणदिवे, निदेशक विनियम और सूचना को दिनांक 20-6-81 से 30-9-81 तक या पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें जो भी पहले हो, इसी विभाग में उप-महानिदेशक के पद पर, तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सुधाकर गुप्ता  
उप-निदेशक प्रशासन

### विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 24 जून 1981

सं० 1/156/81-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा मद्रास शाखा के श्री एस० पेरुमल, अधीक्षक को 16 अप्रैल, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 1/186/81-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक श्री बलविन्दर सिंह माथेरू को नियमित आधार पर 1-5-1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक स्विचन समूह, बम्बई में अस्थायी तौर पर सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/208/81-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा नई दिल्ली शाखा के तकनीकी सहायक श्री एच० एस० जौहर को नियमित आधार पर 30 मई, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक ए० एस० ई० एस०, लालीवाला, देहरादून शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/287/81-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा नई दिल्ली के तकनीकी सहायक, श्री बृ० बि० लाल को 17 मार्च, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/337/81-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा बम्बई शाखा के पर्यवेक्षक श्री जी० सी० डिलिमा को अल्पकालीन खाली जगह पर 3-2-81 से

28-2-81 तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

सं० 1/344/81-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा कलकत्ता शाखा के पर्यवेक्षक श्री ए० के० चटर्जी को अल्पकालीन खाली जगह पर 21-10-80 से 4-11-80 और 1-12-80 से 20-1-81 तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर उप परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

सं० 1/480/81-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा मद्रास शाखा के तकनीकी सहायक श्री पी० व्ही० सुब्बाराव को नियमित आधार पर 24 मार्च, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/230/81-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा ए० एस० ई० एस०, लालीवाला, देहरादून के तकनीकी सहायक श्री आर० एस० कुरील को नियमित आधार पर 4 मई, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/488/81-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा नई दिल्ली शाखा के तकनीकी सहायक श्री आर० एस० यादव को नियमित आधार पर 18 मार्च, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/493/81-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा आर्वी शाखा के तकनीकी सहायक श्री सी० एस० शास्त्री को नियमित आधार पर 3-4-81 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक मद्रास शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

दिनांक 26 जून 1981

सं० 1/299/81-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा मद्रास शाखा के सहायक प्रशासन अधिकारी, श्री टी० बी० एस० ब्रेल को 14 अप्रैल, 1981 पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक ड्रोपोस्कैटर क्षेत्र कार्यालय, श्रीनगर, में स्थानापन्न रूप से प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 1/29/81-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा स्विचन समूह, बम्बई के तकनीकी सहायक श्री अनिष्ट रे को नियमित आधार पर 19 मार्च, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी कार्यालय में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

एच० एल० मल्होत्रा,  
उप-निदेशक (प्रशा०)  
कृते महानिदेशक

## बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 26 जून 1981

सं० 16/362/77-स्थापना-I—ग्रध्यक्ष, बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, ने श्री यू० सी० इन्डियान सहायक पुस्तकाध्यक्ष, बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय को उसी कार्यालय में दिनांक 4 मई, 1981 के पूर्वाह्न में आगामी आदेशों तक तदर्थ आधार पर सहर्ष पुस्तकाध्यक्ष नियक्त किया है।

ओंकार नाथ कौल,  
कुल सचिव

## नौवहन और परिवहन मंत्रालय

## नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400038, दिनांक 24 जून 1981

सं० 1टी०आर०(5)/79—राष्ट्रपति मुगल लाइन लिमिटेड, बम्बई के अफसर श्री पर्सी गोन्सालविस को प्रतिनियुक्त पर प्र० पो० “राजेन्द्र”, बम्बई पर तारीख 10-12-1980 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक सदर्थ आधार पर इंजीयर अफसर के रूप में नियक्त करते हैं।

के० एस० सिधु,  
नौवहन उपमहानिदेशक  
कृते नौवहन महानिदेशक

## केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 23 जून 1981

सं० ए०-19012/896/81-स्था० पांच—ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री बी० के० हेजिब पर्यवेक्षक को अतिरिक्त सहायक निवेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में स्थानापन्न रूप में ₹० 650-30-740-35-810-इ० रो०-35-880-1000-द० रो०-40-1200 के बेतनमान में 13-3-81 की पूर्वाह्न से छ: महीने की प्रवधि के लिए ग्रथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया अस्थायी तथा तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

ए० भट्टाचार्य,  
अवर सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 27 जून 1981

सं० ए०-19014/5/80-प्रशा०चार०/स्थापना-I—श्री टी० ए० वांगन्, भूख्य पुस्तकालयाध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग तीन महीने की निर्धारित नोटिस प्रवधि समाप्त हो जाने पर, एफ० आर० 56(के) के अन्तर्गत 15 जून, 1981 की अपराह्न से सरकारी सेवा से स्वेच्छापूर्वक रिटायर हो गए हैं।

के० एल० भण्डुला,  
अवर सचिव।

## विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

## (कम्पनी कार्य विभाग)

## कम्पनी ला बोड०

## कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

“कम्पनी अधिनियम 1956 और शक्तिमैन फिल्मस् (पंजाब) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालंधर, दिनांक 20 जून 1981

सं० जी०/स्टेट/560/3688/765—कम्पनी, अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर शक्तिमैन फिल्मस् (पंजाब) प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

ए० ए० मौलिक,

कम्पनी रजिस्ट्रार

पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं अण्णीगढ़

कम्पनी अधिनियम 1956 और अलीगढ़ दयालबाग स्टोर्स प्राइवेट लिमिटेड (इन लिक्वी०) के विषय में

कानपुर, दिनांक 23 जून 1981

सं० 9238—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (4) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर अलीगढ़ दयालबाग स्टोर्स प्राइवेट लि० (इन लिक्वी०) का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और लखनऊ स्टाक एक्सचेंज के लिमिटेड विषय में।

कानपुर, दिनांक 24 जून 1981

सं० 4636-एलसी/9284—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर लखनऊ स्टाक एक्सचेंज लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी कृष्णनियम 1956 और हिमालयन इम्पोर्ट्स एण्ड एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लि० के विषय में

कानपुर, दिनांक 24 जून 1981

सं० 9285—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती

है कि इस तारीख से तीन माह के अवधान पर हिमालयन इम्पोर्टर्स एंड एक्सपोर्टर्स प्राइवेट लिं. का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और जुगीलाल कमलापत गैस प्लान्ट मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी (राजपुर)  
प्रा० लिमिटेड के विषय में

कानपुर, दिनांक 24 जून, 1981

सं० 757—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधान पर जुगीलाल कमलापत गैस प्लान्ट मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी (राजपुर) प्रा० लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और गंगा इलैक्ट्रिकल्स मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कानपुर, दिनांक 24 जून, 1981

सं० 758—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधान पर गंगा इलैक्ट्रिकल्स मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी प्राइवेट लिं. का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

बी० पी० कपूर,  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, उत्तर प्रदेश  
कानपुर।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मैसर्स मोरीलाल सन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 23 जून, 1981

सं० 560/421—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवधान पर मैसर्स मोरीलाल सन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

बिं० वाय० राणे,  
महायक प्रमंडल पंजीयक, गुजरात राज्य,  
अहमदाबाद

कम्पनी अधिनियम, 1956 और जास्पिन ट्रांसपोर्टर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 26 जून 1981

सं० 5075/560(5) 81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि जास्पीन ट्रांसपोर्टर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और श्री नारायण सुर्ख प्राइवेट लिं.  
के विषय में

मद्रास, दिनांक 26 जून 1981

सं० 4726/560(5) 81—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री नारायण सुर्ख प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मेजेस्टिक टैक्सटाइल्स लिमि-  
टेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 26 जून 1981

सं० 4938/560(5) 81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मेजेस्टिक टैक्सटाइल्स लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एच० अनर्जी,  
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार,  
तमில்நாடு

कम्पनी अधिनियम, 1956 और वजर देरी पारमीन्ज कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 27 जून 1981

सं० 2948/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधान पर वजर देरी पारमीन्ज कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

पी० टी० गजबानी,  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जून 1981

निर्देश नं० 554 अर्जन/फिरोजाबाद/80-81—291—

अतः मुझे, विवेक बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो अटावाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-9-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आवश्यक था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

2-156 GI/81

- (1) श्री रामबाबू पुन श्री प्यारेलाल निवासी मोहल्ला अटावाला तहसील जिला आगरा  
(अन्तरक)  
(2) श्रीमती गिरीशकुमारी पत्नी श्री गिरीश चन्द्र निवासी 218/1 जलेसर रोड फिरोजाबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मानी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाबू में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मृगसूची

गृह सम्पति स्थित मोहल्ला अटावाला तहसील फिरोजाबाद जिला आगरा

विवेक बनर्जी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 6-6-1981

मोहर :

प्रस्तुति प्राइवेटी एनो एसो —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जून 1981

निर्देश संचया राज/सहा आय अर्जन/988—यतः मुझे,  
एमो एलो चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सी-4 ए (2) है तथा जो जयपुर में स्थित  
है, (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
29-10-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का  
पन्थ है प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
कल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीभत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आव को बाबत उक्त संपत्ति के अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट भर्ही किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृतः—

(1) श्रीमति गुलाब कवर, सी०-४ ए सवाई जयसिंह  
हाईवे, जयपुर

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्ण कुमार केड़ीया, 2 गणेश कालोनी,  
जवाहरलाल नेहरू मार्ग, जयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रदूषित शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. सी० 4 ए० (2) सवाई जयसिंह हाईवे,  
मनीपार्क, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या  
2806 दिनांक 29-10-80 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और  
विस्तृत रूप से विवरणित है।

एमो एलो चौहान  
सक्षम प्रधिकारी,  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 18-6-1981

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंट टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जून 1981

निर्देश संख्या राज/सहा आ० अर्जन/988—आतः मुझे,  
एम० एल० चौहान,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संर्पाल जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी स० सी० 4 ए (1) है तथा जो जयपुर में स्थित  
है, (और इससे उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 29-10-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, ऐसे इष्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अत्तरक (अन्तरकों) और अत्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

(ए) अन्तरण से हट्टे किती आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अत्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
बी०/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अहः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, अ०, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्रीमति गुलाब कवर, सी-४ए, सवाई जयसिंह हाईवे,  
जयपुर  
(अन्तरक)  
(2) श्री बनारसी प्रसाद केशीया, 2 गणेश कालोनी, जै०  
एल० नेहरू मार्ग, जयपुर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन को सम्बन्ध में कोइं भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाल में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णता  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकते।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

सवाई जयसिंह हाईवे, बनीपाल, जयपुर जिसके नम्बर  
सी-४ ए (I) जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2807  
दिनांक 29-10-80 पर पंजिबद्ध विक्रय पक्ष में और रूप से  
विवरणित है।

एम० एल० चौहान  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 18-6-1981

मोहर :

प्रकृष्ट आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 जून 1981

आदेश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/799—यसः  
मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 7 ए है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
25-10-1980

को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भे  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरीती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यसः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ४--

(1) श्री प्रभूदयाल खण्डेलवाल, ट्रक स्टेण्ड के पास,  
आगरा रोड, जयपुर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चन्द्रकान्ता देवी पत्नि राधेश्याम जंगम,  
7 ए युधिष्ठिर मार्ग, जयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिणी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 7 ए युधिष्ठिर मार्ग, सी० स्कीम, जयपुर जो  
उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2746 दिनांक 25-10-  
1980 पर पंजिवद्ध विश्रय पत्र में और विस्तृत रूप से  
विवरणित है।

एम० एल० चौहान  
सक्षम प्रधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जयपुर

तारीखः 18-6-1981

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री एस० कुमार पुत्र श्री नवथी लाल अग्रबाल  
निवासी जयपुर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जून 1981

आदेश सं० राज०/सहा आ० अर्जन/984—अतः मुझे,  
एम० एल० चौहान,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000 / रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० ऐषि भूमि है तथा जो तहसील सागानेर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूपसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सागानेर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 24-10-1980को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उन्नदेश्य में उक्त अन्तरक (नीचे देखें) में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

## अनुसूची

कृषि भूमि 25 बीघा, पम्पसेट, कुआ, पम्पहाऊस में आधा  
हिस्सा जो उप पंजियक, सागानेर द्वारा क्रम संख्या 656  
दिनांक 23-10-80 पर पंजिकरण विक्रय पत्र में और विस्तृत  
रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 18 जून 1981

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

प्रकृष्ट प्राइंट थी। एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जून 1981

आवेदन संख्या राज०/सह० आ० अर्जन/983—यतः  
मुझे एम० एल० चौहान,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राविकारी को, मह विश्वास करने का  
कारण है कि हावड़ नंगति, चित्रका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
इ० में अधिक है

और जिसकी संख्या कुछ भूमि है तथा जो साँगानेर तहसील में  
स्थित है, (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्णरूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय साँगानेर  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 23-10-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि प्रथार्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान  
प्रतिफल में सेवे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (प्रतरकों) और अन्तरिती (पन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अस्तरण के लिए तथा याग गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
वक्त अन्तरण विभिन्न रूप में लिया नहीं किया गया

(क) अन्तरण से हुई किसी धार्य की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमो हरने या उपर से बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी धार्य या किसी धन या ग्राम्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिनने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

(1) श्री एस० कुमार पुत्र श्री नर्थी लाल जी अग्रवाल  
दिवासी जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री उदयपुर मिनरल डिलेपमेंट प्राइवेट [लिमिटेड],  
जयपुर द्वारा मैनेजिंग ऑफरेक्टर श्री राजेन्द्र  
कुमार जी गोलेठा, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए सांवित्रहिती करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजवाच में प्राप्तान की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उससंबंधी अवित्यों पर सूचना  
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, जो राजवाच पूर्वान्तर अवित्यों  
में लिया गया होता;

(ख) इस सूचना के राजवाच में प्राप्तान की तारीख से  
45 दिन के भोलेर उक्त स्थावर संपत्ति पर  
हितबद्ध किसी प्रथा अवित्यों द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क म  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुच्छेदी

कुछ भूमि 25 बीघा, कुश्चा, पम्पसेट, पम्पहाउस में आधा  
हिस्सा जो उप पंजियक, साँगानेर द्वारा क्रम संख्या 655  
दिनांक 23-10-80 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत  
रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 18-6-1981

मोहर :

प्ररूप आर्द्ध.टी.एन.एस.-----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 19 जून 1981

आदेश संख्या राज०/स हा० आ० अर्जन/979—यतः मुझे  
एम० एल० चौहान,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व(1) के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 2, 17 है तथा जो जयपुर में  
स्थित है, (और इससे उपाखड़ अनसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 8-10-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
प्रन्तरिति (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
जाया प्रतिकृत विम्बलिंगित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
ग्राहकीय रूप से नहिन तहों लिया गया है:—

(\*) अन्तरक ने हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/जा।

(\*\*) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को जिस्में भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थी अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) के प्रमुखरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) को उपधारा (1)  
अधीन, विम्बलिंगित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मैसर्स जगजीवन राह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड  
जयपुर।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स अनिल स्टील एण्ड इन्डस्ट्रीज लिमिटेड  
जयपुर द्वारा डायरेक्टर श्री गौरी शंकर खन्ना,  
जयपुर।

(अन्तरिक्त)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यालयों कारता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंसक  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**संहेदी हारण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होता है जो उस अध्याय में दिया गया है।

**मूल्यांकन**

प्लाट नं० 2, 17 सिविल लाईन्स, जयपुर जो उप पंजियक,  
जयपुर द्वारा पंजिबद्ध विक्रय पत्र संख्या 2520 दिनांक  
8-10-80 में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 19 जून 1981  
मोहर :

प्रस्तुप आई. टौ. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जून 1981

आदेश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/978—यस: मुझे  
एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विष्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 7, 17 है तथा जो जयपुर में  
स्थित है, (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 7-10-80

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विष्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पारह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरित  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(1) मैसर्स जगजीवन गृह निर्माण सहकारी समिति  
लिमिटेड, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स शालीमार इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड,  
जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूझ  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**संपर्क:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, जैसे, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपाधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जातः—

प्लाट नं० 7, 17 सिविल लाइन्स, कल्याण कुंज, जयपुर  
जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा ऋम संख्या 2518 दिनांक  
7-10-1980 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप  
से विवरणित है।

एम० एल० चौहान  
सक्षम प्रधिकारी

सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 18-6-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के प्रधोन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, पहाड़क आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जून 1981

आदेश संख्या राज/सहा० आ० अर्जन—यतः मुझे एम०  
एल० औहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सकाम प्राविकारों को, यदि विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 1 है तथा जो जयपुर में स्थित  
है, (और इससे उपाबद्ध अन्यसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यलय जयपुर में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 3-10-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फन्दह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्यरक्त (अन्यरक्तों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उत्तर से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अद्वितीय कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उसमें बचन में सुविधा के लिए;  
बौद्धि/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यथा, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनु  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3-156GI-81

(1) श्री विक्रमादित्य पुत्र श्री रघुवीर सिंह संयुक्त  
हिन्दू परिवार का कर्ता स्वयं एवं पति श्रीमति  
माया देवी, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) जगजीवन गह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड  
जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहीयाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में प्रमाण होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, उही  
पर्याय होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मान्यसूची

प्लाट नं० 1, सिविल लाइन्स, 17 कल्याण कुज,  
जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2468  
दिनांक 3-10-80 पर पंजिबद्ध विक्रम पत्र में और विस्तृत  
रूप से विवरणित है।

एम० एल० औहान  
सकाम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 18 जून 1981

मोहर :

प्रस्तुप आर्द्ध.टी.एल.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, साहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जून 1981

आदेश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/980/—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या प्लाट नं० 5 है तथा जो जयपुर में स्थित  
है, (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 3-10-80

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सभी यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथाप्रवृक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितरकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्घेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से लिखित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृद्द किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कर्त्ता करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

(1) श्री निकम्मादिल्ल चूल श्री रघुवीर सिंह 17 सिविल  
लाइन्स, जयपुर

(अन्तरक)

(2) श्री जगजीवन गृह निर्माण सहकारी समिति  
लिमिटेड, जयपुर,

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांक  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनूबूध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**प्रब्लीकरण:**—इसमें प्रयुक्त सब्बों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

मूलसूची

आकासीय प्लाट नं० 5, कल्याण कुंज, 17 सिविल लाइन्स  
जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम सं० 2469  
दिनांक 3-10-80 पर पंजियक विक्रय पत्र में और विस्तृत  
रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान  
सक्षम प्राधिकारी,  
साहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 18-6-1981  
मोहर :

बहुत बहु, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

प्रृष्ठप बाहर्. टी. एन. एस.—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर,

जयपुर, दिनांक 18 जून 1981

आदेश संख्या राज/सहा० आ० अर्जन /287/111—  
यतः मुझे एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
259-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 17 सिविल लाइन्स है तथा जो जयपुर  
में स्थित है, (और इससे उपायद्रू अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से अणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जयपुर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 7-10-1980

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
पन्नह प्रतिष्ठात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
पन्नह प्रतिष्ठात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (1) अधिनियम सरकार कंबर, कल्याण कूज, सिविल  
लाइन्स, जयपुर।  
(ग्रन्तरक)  
(2) श्री सुरेन्द्र कुमार बहल, एम० आ० रीड,  
जयपुर।  
(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तापिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्राप्त नं० १ कल्याण कूज सिविल लाइन्स, जयपुर जो  
उसप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2502 दिनांक  
7-10-1980 पर पंजियक विक्रय पत्र में श्रीरविस्तुट रूप से  
विवरणित है।

एम० एल० चौहान  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर।

असः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, सक्षम अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 18-6-1981

मोहर :

प्रूफ आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सुडकानु

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीकण)

अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 19 जून 1981

निदेश सं० सी० आर० 62/28565/80-81/एक्वी०बी०१—  
यतः मुझे आर० तोताकी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० 175 ए बी० ३ बी० है, तथा  
जो कसबा बजार गांव फोर्ट वार्ड मंगलूर में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-10-80  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कठित महीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँहूँ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
आइ/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हूँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती बाबारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-प के अनुसरण  
में, भौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के० कृष्ण राव, श्री के० सुब्बन भट के  
पुत्र और एजेन्ट हैं श्री ए० श्रीमती राव ए० लक्ष्मीनारायण राव के  
पुत्र डाइरेक्टर शंकर विठ्ठ मोटार्स कंपनी मंगलूर

(प्रत्तरक)

(2) श्री ए० राधाकृष्णन मेनेजिंग डाइरेक्टर मंगलूर  
मेटल हाउस श्री वेंकटेश्वर, विल्डगज, बंदर मंगलूर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्याद्वयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनूसूची

(दस्तावेज सं० 885/80-81 ता० 29-10-80]  
धर संपति है जिसका आर० एस० सं० 1820 और  
टी० एस० सं० 175 विल्डिंग के साथ  
कसबा बजार गांव में फोर्ट वार्ड  
मंगलूर सिटी

आर० तोताकी  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयकर (निरीकण),  
अर्जन रेंज बंगलूर

तारीख : 19-6-1981

मोहर :

प्रसूप आर्द्ध. टी. एन. एस. -----

- (1) श्री टी० एल० पदमनाभगुप्ता सं० 466/A III ब्लाक  
जयनगर, बैंगलूर-II  
(अन्तरक)  
(2) श्री शीविजी वेल्जी रूपारेल सं० 13, राम्या लेन  
सीगोवेली, बैंगलूर-52  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर वायूकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 24 जून 1981

निर्देश सं० सी० आर० 62/28892/80-87/AcqB  
यतः मुझे आर० तोतादीआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक हैऔर जिसको सं० 16 है, तथा जो कालप्य ब्लाक, रामचन्द्रपुरम  
बैंगलूर-20 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
श्रीगम्पुरम, बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन ना० 23-10-1980को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्ते) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उक्तवेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:-(क) अन्तरण से हूँड़ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1).  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-को दूसरा सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

दस्तावेज सं० 3053/80-81 23-10-80  
घर संपत्ति है जिसका सं० 16, कालप्या ब्लाक  
रामचन्द्रपुरम्, बैंगलूर-30

आर० तोतादी

सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),  
आर० रेज, बैंगलूर

तारीख : 23-10-80

मोहर :

प्राह्ण लाई. टी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 जून 1981

निवेश सं० ए० एस० आर० 81-82/85—ग्रन्ति: मुझे  
आनन्द सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० ए० एक दुकान छोटी डाक अमृतसर में है तथा  
जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के अधिकारी कार्यालय  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन प्रकल्प 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास  
करने का कारण है कि धारा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, ऐसे इष्यमान प्रतिफल का  
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एकी किसी आय के किसी भव या अन्य आविष्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री एन० नरेन जुगल किशोर, रत्न चन्द्र पुत्र  
बाल मुकन्द वासी डाक वस्तीराम अमृतसर।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती राज रानी पलनी लुशहाल चन्द्र वासी कटड़ा  
भाई सन्त सिंह गली गुसाईमा और श्रीमती  
शकुन्तला रानी पलनी प्रेम नाथ आनन्द वासी  
निमक मन्डी कुचा भट्ठी वाला अमृतसर।  
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 और कोई किराएदार  
(वह व्यक्ति जिसके अधीनोग में सम्पति  
है)

(4) और कोई  
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की सारील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संष्टीकारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित है, वही अर्थ होता जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

मनूसूची

एक दुकान नं० 21/7-1 (रकवा 51-1 वर्गमीटर) दाव-  
वस्ती राम अमृतसर में जैसा कि सेल डीड नं० 2017,  
दिनांक 1-10-80 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज  
है।

आनन्द सिंह  
लखम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज  
3, चन्द्रपुरी टेलर रोड  
अमृतसर

तारीख : 12-6-80

मोहर :

प्रकल्प मार्फ़ाटी० टी० एस० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 जून 1981

निर्देश सं० ए० एस० आर०/81-82/86—यतः मुझे  
भी आनन्द सिंह,  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के  
अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर मंपति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
इ० से अधिक है।

और जिसकी सं० जमीन 40 कनाल है तथा जो कि माना  
वाला में स्थित है (ओर इससे उपावड़ अनुसूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1980 (1908 का 16,  
के अधीन 31 अक्टूबर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यारोपण के लिए तय किया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यारोपण में वास्तविक  
कल्प से कठिन नहीं किया गया है :—

(ए) अन्तरग से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, तो धारा 269-व के अनुसार  
ले, वे, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षाद् ५—

(1) श्रीमती जबे राबी उर्फ़ सत्येश्वर कौर पुत्री अर्जीत सिंह अमरस्त्री  
कौर उर्फ़ सर्वजीत कौर पुत्री मनमोहन सिंह  
निवासी मानवाला

(अन्तरिती)

(2) श्री निवासी माना वाला प्रमिन्द्रसिंह, सुखविन्द्र सिंह,  
बलजीत सिंह, गुरिन्द्र सिंह, मुरिन्द्र सिंह पुत्रान जरनैल  
सिंह निवासी माना वाला

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में ओर कोई किरायेदार  
हो तो

(वह व्यक्ति जिसके अधिकार  
में सम्पत्ति है )

(4) यदि ओर कोई व्यक्ति इस जायदाद में हृषि रखता  
हो

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )  
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अन्तर्गत किए  
कार्यालयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बावधान में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के प्रत्याय 20-क में परिचालित है, वही प्रयं होता, जो उस प्रत्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन 40 कनाल जो कि माना वाला में स्थित है जैसा  
कि सेल ईड नं० 6180 दिनांक 31-10-80 आफ रजिस्ट्री,  
कर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

आनन्द सिंह,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज,  
3, चन्द्रपुरी, अमृतसर

तारीख 12-6-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 जून 1981

निवाश सं० /81-82/87—यतः मुझे श्री आनन्द सिंह,  
आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक कोठी नं० 106/2 पुरानी और नं०  
1585/III-21— है तथा जो कि दयानंद नगर अमृतसर  
में स्थित है (और इससे उपाबृह अनुसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय अमृतसर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन अक्तूबर 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वात्सविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी आय की वावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अतिस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) श्री करतार सिंह पुन्ह सं० तेजा सिंह निवासी इंगलैड  
द्वारा सं० सुखवंत सिंह पून्ह सं० ब्रेंट सिंह  
निवासी 64 गोल्डन एवेन्यू मुख्तार आम  
(अन्तरक)

(2) श्री दीना नाथ पुन्ह श्री मुन्दर दास, निवासी  
106/2 दयानंद नगर, लारेंस रोड अव  
नं० 1585/XIII-2 21, लारेंस रोड, दया नंद नगर अमृतसर  
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में यदि और कोई किराये-  
दार हो तो  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति  
है)।

(4) यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता  
हो  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहीहारा करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकर्षण :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्थावीकरण:-**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

### अनुसूची

एक कोठी नं० 106/2 पुराना और नं० 1585/XIII-21  
नया जो कि लारेंस रोड, दयानंद नगर, अमृतसर में  
स्थित है जैसा कि सेलडीट नं० 212 दिनांक अक्तूबर 80  
श्राफ रजिस्ट्रीकर्ता अथारिटी अमृतसर में कार्यालय में दर्ज है

आनंद सिंह  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज

3-चन्द्रपुरी टेलर रोड, अमृतसर

तारीख : 12-6-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 जून 1981

निर्देश सं० ए० एस० आर०/81-82/88—यतः मुझे,  
श्री आनंद सिंह, आई० टी० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० एक प्लाट भूमि है तथा जो कि रानी का  
बाग, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के प्रधीन अक्तूबर 1980<sup>१</sup>

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय वी बाबत, उक्त  
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के  
बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः इब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुखण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

4-156GI/81

(1) श्री मेजर मन्जीत सिंह, मेजर मरम जीन सिंह मुगान  
गुरदीप सिंह द्वारा जतिन्द्र जीत सिंह उर्फ तजिन्द्र  
सिंह आप और मुख्तार आम और रमिन्द्र जीत  
सिंह उर्फ रमिन्द्र सिंह निवासी 17 ए, रानी  
का बाग, अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरोज रानी पत्नी ओंकार नाथ 43-पहली  
मंजिल, रानी का बाग अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में यदि और कोई किराये-  
दार हो तो

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )

(4) यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि  
रखता हो

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

**अनुसूची**

एक भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 250 वर्ग गज है  
जो कि रानी का बाग, अमृतसर में स्थित है जैसा कि सेल  
डीड नं० 2091/1, अक्तूबर 1980 आफ रजिस्ट्रिंग  
प्रथारिती अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है ।

आनंद सिंह,  
सभाम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
प्रर्जन रेंज, 3-चन्द्रपुरी  
अमृतसर

तारीख 13-6-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०—————

आवकर प्रधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की घारा  
२६०-व(१) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज, जालंधर,

जालंधर, दिनांक २० जून १९८१

निर्देश सं० ए० पी० नं० २६७०—यतः मुझे प्रार०  
गिरधर,प्रायकर प्रधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उच्च प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा  
२६०-व(१) के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
२५,०००/- इ० से प्रधिक हैऔर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
अदर्श नगर, जालंधर में स्थित है (और इससे उपाख्य  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारों के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्र करण प्रधिनियम,  
१९०८ (१९०८ का १६) के प्रधीन, अक्टूबर  
१९८० कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के  
पन्हवह प्रतिशत से प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
भीर अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा यथा प्रतिभास, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त  
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्राहितियों  
को, जिसमें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, १९२२  
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम या  
प्रायकर प्रधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)  
के प्रयोगान्वय अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए वा कियाने में  
सुविधा के लिए।वापत वापत; उक्त अधिनियम की घारा २६०-व(१) के  
अनुसरण में, उक्त अधिनियम की घारा २६०-व(१) की  
उपलाय (१) के प्रधीन, निम्नलिखित अधिकारों, वर्तमान ।—(१) श्री सुबेदार साधु सिंह पुत्र सुन्दर सिंह गांव  
चकगोना, तहसील जालंधर।

(अन्तरक)

(२) श्री सतीश कुमार पुत्र काशमीरी लाल ११५, आर्दश  
नगर, जालंधर।

(अन्तरिति)

(३) जैसा कि ऊपर नं० २, में लिखा  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)(४) जो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति सिजके बारे में अधोहस्ता-  
करी जानता है कि वह सम्पत्ति में  
हितवड़ है )को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियों बताता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आझेप !—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५  
दिन की अवधि या संसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी प्रवधि वाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति होता है;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी  
अन्य व्यक्ति हारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त प्रधि-  
नियम', के अध्याय २०-व में परिचालित हैं, वही  
प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० ४६०४,  
नं० अक्टूबर १९८० को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर  
ने लिखा है।आर० गिरधर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),  
ग्रन्जन रेंज, जालंधर  
तारीख : २०-६-८१  
मोहर :

प्रकृप माई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 30 मई 1981

निर्देश सं० आर ए० सी० नं० 77/81-82—यहः

मुझे एस० गोविन्द राजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

घोर जिसकी सं० भूमि है, जो साहेबनगर, हैदराबाद में स्थित है (ग्रोर इससे उपांडि अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद पूर्व में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर 1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल ने लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तररण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नान्वित उद्देश्य में उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापर उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपकारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत—

1. (1) बी० सत्यानारायण, साहेबनगर, हैदराबाद,
- (2) मैसर्स व्ही० प्रताप रेड्डी मेनेजिंग पार्टनर श्री व्ही० प्रताप रेड्डी  
घर सं० 3-3-1002, कुतबिंगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

- (2) मैसर्स कोत्तापेट को ओपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी बाइ अध्यक्ष गणेश प्रसाद 16-2-805, सफेद बाजार, हैदराबाद।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मूलभूती

भूमि साहेबनगर, हैदराबाद, सबै नं० 201/3 के 3 एकर हृद तक रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10074/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद पूर्व।

एस० गोविन्द राजन  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखः 30-6-1981

मोहरः

प्रकरण धार्द० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, आयकर आयुक्त सहायक (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 19 जून 1981

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 98/81-82—यह मुझे  
एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० घर 19,20,20 ए 21, 22, 23, 24, जो सुमाष रोड, अनंतपुर में स्थित है (और इससे उपबन्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय अनंतपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्ष्युबर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिकृत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अनंतरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, इब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तातः—

(1) श्री सरदार राजेन्द्र पाल सिंह पिता लेट सरदार रंजोत सिंह 60 एच० सिद्धप्पा रोड, बंगलोर सिटी

(अन्तरक)

(2) श्री गूदीली नारा यणरेड्डी पिता नागीरेड्डी

(2) श्री बी० एन० राजशेखर रेड्डी पिता नारायण रेड्डी (3) श्री बीशवाणी रेड्डी पिता नारी रेड्डी (4) बी० चंद्रमोहन रेड्डी पिता नारायण रेड्डी (6) बी० विजयसिंहा रेड्डो पिता नारायण रेड्डी (7) बी० सदाशिव रेड्डी पिता नागीरेड्डी

(8) बी० श्रीनोवासरेड्डी पिता सदाशिव रेड्डी

(9) बी० एम० रवी पंकर रेड्डी पिता सदाशिव रेड्डी ऊपर वाले सभी बुद्धोंगों में, हिंदूपूर तालुक, जिन अनंतपुर के रजीवासी हैं। (10) एम० श्रीनिवासन रेड्डी पिता राजी रेड्डी अनंतपुर

(1) श्री कें० लक्ष्मीपती रेड्डो पिता पेदावेंकटा शिवा रेड्डी कागादुपल्ली एच०बी०, बुदलघी अबमारति लॉज अनंतपुर में रहते हैं। (12) श्री बी० नरसिंहा रेड्डी पिता आदी नारायण रेड्डी एडवोकेट अनंतपुर।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घरें के लिए कार्यान्वयिता लगता है।

उक्त सम्पत्ति के पर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तिः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अद्वैहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम से प्रयोग 20-क में यथा परिभ्रान्त हैं, वही वर्णन होगा, जो उस प्रयोग में विद्या गया है।

#### अनुसूची

इसठेट नं० 19-20-20 ए, 21, 22, 23, और 24 पुराना वाड० 4, नया वाड० 9 वर्तमान वाड० 13, सुमाष रोड अनंतपुर, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 6563/80, रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी अनंतपुर।

एस० गोविन्द राजन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अजन रज हैदराबाद

तारीख : 19-6-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई० बी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज कलकत्ता

दिनांक 21 मई 1981

निर्देश नं० 904/एसीब्यू भारा० III/81-8 2-यतः मुझे आई० बी० बी० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उभा० प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रधीन सञ्चाप प्राविकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिवाहा उचित बाजार मूल्य 23,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 116/1/1 है तथा जो महाराष्ट्रा गान्धी रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है। रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-10-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिगत अधिन है और अन्तरह (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पापा गया प्रतिकर, निम्नतिवित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिल में कभी भरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य सास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आदि था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) जाला चूमल बेरिटि द्रस्ता,

(अन्तरक)

(2) रवि शंकर प्रसाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायदाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोवृहताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

116/1/1, महाराष्ट्रा गान्धी रोड, कलकत्ता, 1587.360  
वर्ग मीटर जमीन पर पक्की कोठी, 1/9th undivided share

आई० बी० एस० जुनेजा

सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
54, रफी अहमद किदवाई रोड  
कलकत्ता-16

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा '1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अवकृत :—

तारीख : 21-6-1981  
मोहूर :

प्रस्तुप नाम० श्री० श्री० एस० —————

(1) लालम रघुमल चेरिटी इस्ट

(अन्तरिक्ष)

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) द्वारा की

(2) श्रीमती मीना सेठ

(अन्तरिक्ष)

269वां (1) के प्रधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

भारत सरकार

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आकोप :—

कार्यालय, सहायक आवकर प्रायुक्त (निरीकण)

अर्जन रेज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 2 मई 1981

(क) इस सूचना के द्वारपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

निर्देश पं० ए० सो० एक्सी० रेज-III/81-82—यतः मुझे आई० वो० एस० जुनेजा,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की द्वारा 269-ब्र के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 116/1/1, है तथा जो महात्मा गांधी रोड, कलकत्ता, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर, पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेक्टर अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रेक्टरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-10-1980

को पूर्वान्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फन्दह प्रतिशत अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कायित नहीं किया गया है :—

(ख) इस सूचना के द्वारपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रशोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रस्तुत शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20वा में परिचालित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के अधिकार में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या।

अनुसूची

116/1/1, महात्मा गांधी रोड, कलकत्ता, 1587. 360 जमिन पर पक्की कोठो (1/9th Share)

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रस्तियों को, जिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ब्रन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

आई० वो० एस० जुनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
अर्जन रेज-III  
54, रफो अहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

यतः अब उक्त अधिनियम की द्वारा 269-ब्र के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-ब्र की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 21-5-1981  
मोहर :

प्रकाश प्राई. बी. एस. एस. —————

(1) श्री लाला रघुमाल असरिटि ट्रस्ट

(अन्तरक)

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-व (1) के प्रतीर सूचना

(2) श्री गोपाल कृष्ण खुराना

(अन्तरिती)

### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 21 मई 1981

निर्देश सं 906/एसीक्यू आर-III/81-82—यतः, मुझे  
प्राई. बी. एस. जुनेजा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके नशवात् 'उचित प्रतिविधियम' कहा गया है), भीड़ारा 269-ब  
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं 116/1/1, है तथा जो महात्मा गांधी रोड,  
कलकत्ता स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय  
कलकत्ता, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 1-10-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित भाजार मूल्य से कम के बृद्धमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित भाजार  
मूल्य, उसके बृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे बृद्धमान प्रतिफल का  
पन्थ प्रतिक्रिया से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि वा उसमध्ये अवित्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थानीय सम्पत्ति में लिखित  
किसी अन्य अवित्त द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्तरीय हरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिक  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से नुई किसी आय की बावत उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व  
में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

### मनुसूची

116/1/1, महात्मा गांधी रोड कलकत्ता, 1587.360  
वर्ग मीटरस जमिन पर पाका कुर्डी, (1/9 भाग)

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

प्राई. बी. एस. जुनेजा  
सभी प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-III  
54, रफीअहमद किदवाई रोड  
कलकत्ता-16

अतः, अब; उक्त अधिनियम की भारा 269-व के प्रस्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उचावारा (1)  
के अन्तर्गत निम्नलिखित अवित्तियों, अवर्ततः—

तारीख : 21-5-1981

मोहर :

प्रकृष्ट प्राप्ति वार्ष. टी. एन. एस.-----

(1) श्री जगता रमेश चारिटि द्रस्ट

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

(2) श्री उच्चा कुमारी चूरामा

(अन्तरिती)

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 21 मई 1981

निर्देश सं० 907/एसीक्य० आर- /81-82—यतः मुझे  
आई० बी० एस० जुनेजा,  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ए के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है  
और जिसकी सं० 116/1/1 है तथा जो महात्मा गान्धी रोड,  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाध्य अनसूची में और,  
पर्यालय से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 1-10-1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए घास्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यद्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया जाया प्रतिफल विभालिक्षित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से लिखित नहीं  
किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्समानी अविक्तियां पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव भूमि समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अविक्तियां भूमि से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

(क) प्रास्तरण से हुई किसी आय की वादत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर होने के प्रास्तरण के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

मनुसंची

116/1/1 महात्मा गान्धी रोड, कलकत्ता, 1587.360  
बगैं मीटर जमिन पर पाका कुठी, (१ भाग)

(ब) ऐसी किसी आय या किसी छन या प्रत्यय आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, लियाने में  
सुविधा के लिए;

आई० बी० एस० जुनेजा  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज  
54; रफीग्रहमद किदवाई रोड  
कलकत्ता-16

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के, अनुसरण  
में, भूमि, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की ज्ञापनाएँ (1)  
के अधीन, विभालिक्षित अविक्तियां वर्धात् ।—

तारीख : 21-5-1981  
मोहर :

प्रस्तुत आहे. टी.एम.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 21 मई 1981

निर्देश सं. 908 /एसीक्यू. आर-III/81-82—यतः, मुझे,  
आई० बी० एस० जुनेजा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 116/1/1, है तथा जो महात्मा गांधी रोड, कलकत्ता स्थित है (और इससे उदाबन अन्तर्गत में  
और, पण्डित से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 1-10-1980।

क्वो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से की गयी नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायित्य में कमी करने या उससे बढ़ने में संविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्व आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
संविधा के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिति:—  
5-156GT/81

(1) श्री लाला रघुमाल चारिटि द्रस्ट

(अन्तरक)

(2) श्री राजेश सेठ

(अन्तरिती)

क्वो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीहूँ से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की हासिल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीहूँ से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्से-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अशेहस्रीकरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में पौराणिक  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

116/1/1, महात्मा गांधी रोड, कलकत्ता, 1587. 360  
वर्ग मीटर जमिन पर पाका कुठी (1/9 भाग )

आई० बी० एस० जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III

54, रफीअहमद किल्वाई रोड

कलकत्ता-16

तारीख : 21-5-1981

मोहर :

रूप आई. टी. एन. एस.—

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, राज्यक बायकर अधिनियम विवरीक्षण)

अर्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता. दिनांक 21 मई 1981

निर्देश सं० 909/एक्यु आर-III/81-82—यतः, मुझे  
आई० वी० एस० जुनेजा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), की धारा  
269-घ के अधीन नक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका इन्हि बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 116/1/1, है तथा जो महात्मा गान्धी रोड,  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और,  
पूर्णांशु से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 1-10-1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि वयापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे हश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तर तथ्यों) के द्वारा ऐसे अन्तरण के लिए तथ यादा यादा प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दास्ताविक  
दिया जाता है इसी दिया गया है:—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देते के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) एसी विसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भव-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अधीन अन्तरिती द्वारा प्रकट भवीं दिया गया  
था या दिया जाना चाहिए था, दिया जाना दिया जाना  
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री लाला रघुमल चरिटि ट्रस्ट

(अन्तरक)

(2) श्री कुशल कुमार कुमार

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों नहीं है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण्यः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन के भीतर उक्त स्थादर संपत्ति में हित-  
दद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टाकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वहों अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

116/1/1, महात्मागान्धी रोड, कलकत्ता, 1587.360  
Sq. Metres जमीन पर पका कोठी, (1/9th Share )

आई० वी० एस० जुनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III  
54, रफीअहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख : 21-5-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. —————

(1) श्री लाला रघुमल चारिटि ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

(2) गुलाली देवी प्रसाद

(अन्तरित)

भारत सरकार

कों यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येपः—

अर्जन रेंज कलकत्ता

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्समानी त्यन्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

कलकत्ता, दिनांक 21 मई 1981

(ख) इस मूलना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

निर्देश सं० 910/एक्यु आर-III/81-82—यतः, मुझे  
आई० बी० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-  
प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 116/1/1, है तथा जो महात्मा गान्धी  
रोड, कलकत्ता स्थित है (और इससे उपावधि अनुसूची में  
और, पुणर्निप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 1-10-1980।

को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
पञ्चवांशीत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पात्र गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
मूल्य से कमितु नहीं किया गया है:—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिच में  
कमी करने या उससे छठने में सुविधा के लिए;  
और/या

116/1/1, महात्मा गान्धी रोड, कलकत्ता, 1587.360  
Sq. Metrs जमिन पर पक्का कोठी (1/9th Share

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

आई० बी० एस० जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेंज III

54, रफीम्हमाद किलाई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख: 21-5-1981

मोहर:

अस: गब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-प के अनुसूचण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभास-

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

(1) लाला रघुमल खारिटि द्रस्ट

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) राधे कृष्ण प्रसाद

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 21 मई 1981

निर्देश सं० 911/एम्यू आर-III/81-82—यतः, मुझे,  
आई० वी० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० 116/1/1, है तथा जो महात्मा गान्धी  
रोड, कलकत्ता, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
म और, पुर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 1-10-1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
जसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण निर्णयते हैं— पास्तर्यिक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

मनुमंजी

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रशासनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, को धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (11)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

के यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और परांकों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

116/1/1, महात्मा गान्धी रोड, कलकत्ता 1587.360  
Sq. Metres जमीन पर पाका कोठी (1/9th Share)

आई० वी० एस० जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III

54, रफीझमद किंदवाई रोड

कलकत्ता-16

तारीख : 21-5-1981

मोहर :

प्ररूप भाई. टी. एन. एस. —————

(1) श्री लाला रमेश माल चारिटि ट्रस्ट।

(प्रत्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व(1) के अधीन सूचना

(2) कुमारी अरुण सेट।

(प्रत्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 21 मई 1981

निवेश मं० 912/एक्यू-ग्राह-III/81-82—यतः, मुझे,  
श्राई० वी० एस० जुनेजा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके प्रश्नात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269  
वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 116/1/1 है तथा जो महात्मा गान्धी  
रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 1-10-1980

ज्ञे पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एम्बे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा  
के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्याधिकारी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्मादधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधारोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकते।

**स्पष्टीकरण:**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वहो अर्थ ज्ञाया जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मन्त्री

116/1/1, महात्मा गान्धी रोड, कलकत्ता, 1587.360  
स्क्वेयर मीटर स जमिन पर पाका कुटी, (1/9th share)

श्राई० वी० एस० जुनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-, 54, रफी अहमद किलोवाई रोड,  
कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

तारीख: 21-5-1981  
मोहर :

प्रूफ आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री निरमलेन्दु सेनगुप्त

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्री अधिरलाल बानारजी और दूसरी

(अन्तरिती)

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 जून 1981

निर्देश मं० 921/एक्य० आर०-III/81-82—यतः मुझे  
आई० वी० एस० जुनेजा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 95, फ्लेट 9 वी है तथा जो साउदार्न  
एवेन्यु कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुमूली में  
श्री, पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के  
कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन नारीख 29-10-1980

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मर्मे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संर्पति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्त) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हूँड़े किसी आय की जावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुमूली

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित बाजार प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में  
सुविधा के लिए;

फ्लेट सं० 9 वी, 95 साउदार्न एवेन्यु कलकत्ता ।

प्राई० वी० एस० जुनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-III 54, रफी अहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अप्पातः—

तारीख : 5-6-1981

मोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री जीवन कृष्ण आचार्य चौधुरी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री बेनुबन कोपारेटिव हाउजिंग सोमाइट लि०  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 जून 1981

निर्देश सं० 922/अर्जन आर-III/81-82—यतः मुझे, आई०  
वी० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० 93/2, 93/3 वी०, है तथा जो कानकुलिया  
रोड, कलकत्ता स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय  
आलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 11-10-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दर्शमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दर्शमान प्रतिफल से, ऐसे दर्शमान प्रतिफल का  
पञ्चाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आप-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अन्तरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनपूर्ख  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमिन का ठिकाना

93/2 और 93/3 वी०, कानकुलिया रोड, कलकत्ता।  
एरिया 7 कठुा

आई० वी० एस० जुनेजा  
सक्षम प्राप्तिकारी  
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-III  
54, रफीअहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख 8-6-1981

मोहर :

प्रूप जाइ. टी. एन. एस. -----

(1) श्रीमती कमला देवी

(प्रन्तरिक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री बेनुबन कोपारेटिव हाउजिंग सोसाइटि लि०  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयदृश्य (निरीक्षण)

अर्जन रेज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 जून 1981

निर्देश सं० 923 अर्जन आर-III/81-82—यतः मुझे,  
आई० बी० एस० तनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसकी पहचान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 93/उी०, है तथा जो कानकुलिया रोड,  
कलकत्ता स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और,  
पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीगर्ता प्राधिकारी के कार्यालय  
आनिपर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 11-10-1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
प्रमाण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
करी करने या उससे बचने में सुविधाओं के लिए;  
और/वा

अनुसूची

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगमार्ग अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

जमिन का ठिकाना :

93/3 बी०, कानकुलिया रोड, कलकत्ता,  
Area 7 cottabs

आई० बी० एस० तनेजा

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज

54, रफीअहमद किदवाई रोड,

कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख 8-6-1981

मौहर :

प्रृष्ठ प बाई० टी० एम० एस० -----

(1) श्री नारायण आचार्य,

(प्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

(2) बेनुबन कोम्पारेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०

(प्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 जन 1981

निर्देश सं० 924/एक्ची० रेंज III/81-82—यतः मुझे  
आई० वी० एस० जुनेजा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 93/4, 93/3वी०, है तथा जो कनकुलिया  
रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाख्य घनूसूची में  
और, पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय आलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 11-10-1980को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का  
पन्हुङ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से है० किसी बाय की बावत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिस्त में  
कर्ता करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती बाबारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बिति के अर्जन के  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्बिति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरन्भी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाव भूमि समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर स्थावर संपत्ति में हित-  
बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के  
पास लिहित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मृत्यु

जमीन का ठिकाना :—

93/4 और 93/3वी०, कनकुलिया रोड, कलकत्ता,

आई० वी० एस० जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III

54, रफी अहमद किशवाई रोड,

कलकत्ता-16

यतः भव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, भूमि, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपचारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6—156GT/81

तारीख : 8-6-1981

मोहर :

प्रसूप आई. दी. एव. एस. -----

(1) श्री दिव्य प्रीमियू कोपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी  
लि।

(अन्तर्रक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

(2) गौतम दत्त गुप्ता,

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन्म रेंज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 जून 1981

निर्देश सं० 925/एक्वी-रेंज III / 81-82—यतः मुझे,  
आई. दी. एस० जुनेजा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 119, फ्लैट 9 एमई तथा जी डॉ मेघनाद  
साहा सरनी, कलकत्ता, में (स्थित है (और इससे उपबन्ध  
अनुसूची में और, पुर्णस्पृष्टि में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16 के अधीन तारीख 30-10-1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरदूरान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दूरदूरान प्रतिफल से, ऐसे दूरदूरान प्रतिफल का  
वन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही ही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
दूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सहिता के लिए;  
और/था(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 1-1) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहिता  
के लिए;

अनुसूची

फ्लैट सं० 9 एम० ई०,  
119 डॉ मेघनाद साहा सरनी, कलकत्ताआई. दी. एस० जुनेजा  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III  
54 रफीअहमद किल्वाई रोड,  
कलकत्ता-16यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसार  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—तारीख 8-6-1981  
मोहर :

प्रस्तुप धाई० टी० एम० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज कलकत्ता

कलकत्ता विनांक 8 जून 1981

निर्देश सं० 926/अर्जन /81-82—यसः, मुझे,  
आई० बी० एस० जुनेजा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके उच्चार उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा  
269-व के प्रधीन संक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० 119, फ्लैट नं० 14 एम० ई० है तथा जो  
डा० मेघनाद साहा सरनी, कलकत्ता स्थित है (और इससे  
उपाख्य अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण,  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख  
30-10-1981 कोपूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रतिफल दृश्यमान  
के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बाबिल्य  
में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) एसी किसी आय या किसी धन या जग्य आविष्यकों  
को, जिसमें आश्रित आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;अब अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के  
प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रतितु :—(1) श्री श्रीनाथू कोश्चापरेटिव दाउनिं हाउसिंग  
लि०

(अन्तरक)

(2) श्री सुधानन्द धीधुरी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी अवधियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो उस अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितीय  
फिल्म अवधिकृत द्वारा अधोहस्तानी के पास लिखित  
में किए जा सकें।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-व में  
परिभाषित हैं वही अर्थ लेगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट सं० 14 एम० ई०,  
119, डा० मेघनाद साहा सरनी, कलकत्ता।

आई० बी० एस० जुनेजा

संक्षम प्राप्तिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-II

54, रफी अहमद किंदवाई रोड

कलकत्ता-16

संदर्भ : 8-7-1981

मौहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री सम्भु नाथ चन्द्र

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

(2) पारती राय चौधुरी  
(2) प्रीतम, कुमार राय

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

कायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक जून 1981

निवेश सं० 575/टी० आर० 582/80-81—पतः  
मुझे, आई० बी० एस० जुनेजा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-  
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 79 है तथा जो डा० लालमोहन भट्टाचार्जी  
रोड कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में  
और, पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अंतीम तारीख 14-10-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्थ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिवित में बास्तविक  
कर से किप्त नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की वावत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आतिथियों  
को, जिन्हैं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अनुस्वरण  
में, भै, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ८—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लाई रखकर भेजे जा रखेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### बन्सूची

79 डा० लालमोहन भट्टाचार्जी रोड कलकत्ता में  
अब स्थित 4 कट्टा जमीन पर पुराना मकान जो 14-10-80  
तारीख में डीड नं० आई० 6032 अनुसार रजिस्ट्रार आफ  
एसुरिन्स (कलकत्ता) दफ्तर में रजिस्ट्री द्वारा।

आई० बी० एस० जुनेजा,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-।

54, रक्षी अहमद किल्वाई रोड

कलकत्ता-16

तारीख : जून 1981

मोहर :

प्रष्ठा नं० ३००८००६०—

भावकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की आदा  
269-व (1) के प्रधीन सूचना

(1) श्री लीलू राम सुपुत्र श्री रामपाल, ग्राम बिजवाशन,  
(अन्तरक)

(2) मै० दिल्ली टावर्स एण्ड इंस्टेट प्रा० लि० 115  
अंसल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली  
(अन्तरिती)

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 'एच' ब्लाक विकास भवन

इन्डप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली-110002  
नई दिल्ली-110002, दिनांक 24 जून 1981

संदर्भ 3 नि० स० आ०/एफबीजीयन 1/एस० आर० 3/10-  
80/1565—अतः चूंकि मैं आर० बी० एल० अग्रवाल,  
भायकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की आदा  
269-व के प्रधीन वक्तव्य प्राधिकारी को, यह विकास करने का  
कारण ते कि स्थावर संगति त्रिपक्षा उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० में अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो रीवन्यु इस्टेट  
ग्राम बिजवाशन, में हिस्त है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण  
संलग्न अनुसूची में दिया गया है, को पंजीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16वा), के प्रधीन पंजीकरण अधिकारी  
के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक अक्टूबर 1980  
को पूर्णता सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विकास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूम्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पूर्ण  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश से उक्त प्रत्यरुद्ध विवित में वास्तविक  
कृप से कठित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई पिसी आय की बचत उक्त अधिनियम, के प्रधीन करदेने के प्रत्यरुद्ध के वाविश्व में कमी  
करने या उक्त से बचने में दृष्टिका के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय भायकर परिवर्तन, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रधीनतार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की आदा 269-व के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की आदा 269-व की उपरांत  
(1) के प्रधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् ।—

को यह सूचना जारी करके पूर्णता सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कायंबाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अधिकारी पर सूचना  
की सामीक्षा में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्णता अधिकारी  
में से किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में वित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही, अर्थ दोगा, जो उम अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 18 बीघे और 19 बिश्वे रेक्ट नं० 7;  
खसरा नं० 12 माइनर (1-16) 13 (4-16), 17 (4-26  
18 (4-12), 28 (0-04), रेक्ट नं० 9, खसरा नं० 15  
(2-15), ग्राम बिजवाशन रीवन्यु इस्टेट।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

दिनांक : 24 जून 1981

मोहर :

प्रख्य प्राई० टी० एन० एस०—————

प्राप्तकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा  
269-व (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज "एच" ब्लाक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ स्टेट,  
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 24 जून 1981

संदर्भ 3 निः स० आ० आकीजीशन 1/एस० आर०-3  
10-80/1528—चूकि मैं आर० बी० एल० अग्रवाल,  
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी जो यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, वित्तका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- इयमे से अधिक है

और जिसकी संख्या सी०-21, है एवं जो चीराग इनक्सेव,  
नई दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण  
संलग्न अनूसूची में दिया गया है) को पंजीकरण प्रधिनियम  
1908 (1908 का 16वा) के अधीन पंजीकरण अधिकारी  
के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक अक्टूबर 1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ने कम के  
दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मग्ने यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, एसे  
दृष्टमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में लास्तविक रूप से कहित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-  
नियम के अधीन कर देने के प्रश्नरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्ब व्यास्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, वा  
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ प्रभतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व के अनुसरण  
में, म, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व का उपशारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधितयों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सक्षमी देवी नवा पत्नी जी० एल० नन्दा  
आहलवालिया द्वारा अटर्नी सुपुत्र सरदार प्रेम सिंह  
आहलवालिया खेहर सिंह सी०-21, चीराग इनक्सेव,  
नई दिल्ली  
(अन्तरक)

(2) श्री इन्दर पाल सिंह आनन्द और महेन्द्र पाल  
सिंह आनन्द सी०-21, चीराग इनक्सेव, नई दिल्ली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवादियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के पर्वन के संबंध में कोई भी वाक्येप है—

(क) इस धूमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सरसंबंधी अधिकारीयों पर सूचना  
की तारीफ से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारीयों  
में से किसी अधिकत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त व्यावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अम्ब अधिकत द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्वच्छीकरण:**—इसमें प्रभुक्त शब्दों प्रारंभ वादों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित  
है, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनूसूची

सी०-21, चीराग इनक्सेव नई दिल्ली

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

दिनांक : 24-6-1981

मोहर :

प्रूफ नं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I "एच" ब्लाक

नई दिल्ली-110002, दिनांक 24 जून 1981

निर्देश सं० ३ नि० स० आ० आ०/एक्षीजीशन १/एस०  
आर० ३ /१०-८०/१४२९—चूंकि मैं, आर० वी० एल०  
ग्रन्थाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सम्बन्ध प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कुप्रियभूमि है एवं जो सतवारी इलाका  
महरौली दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण  
संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 18ां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के  
नई विल्सी स्थित कार्यालय में विनांक अक्टूबर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य के विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरीतीयों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक  
क्षमता से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हूँ दिक्षी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था विपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- (1) श्री विद्या बत्ता, पत्नी श्री आर० एन० बत्ता,  
12-निजामुदीन इस्ट, नई दिल्ली  
(अन्तरक)
- (2) मै० कर्तार सिंह और आदर्श द्वारा श्री प्रीत पाल  
अनेजा, 3 अखिल मार्केट, अमृतसर,  
(अन्तरिती)

क्योंकि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का सारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :--** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### मनूसूची

कुपि भूमि खमरा नं० 465, 469/1, 469/2, 470,  
476, 477, टोटल 17 बीघे और 4 बिंबे, ग्राम सतवारी,  
इलाका, महरौली, नई दिल्ली।

आर० वी० एल० ग्रन्थाल

सम्बन्ध प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I नई दिल्ली

दिनांक : 24-6-1981

मोहर :

इकाय प्राई. टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

-I “एच” ब्लाक, विकास भवन इन्डप्रस्थस्टेट,  
नई दिल्ली-110002, दिनांक 24 जून 1981

संदर्भ 3 नि० स० आ० आ०/एक्वीजीशन 1/एस० आर०  
3/10-80/1416—चूंकि मैं, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन यक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
पर्याप्त से अधिक है।

और जिसकी संख्या कुपि भूमि एवं जो खान पुर, महरौली  
नई दिल्ली में स्थित है, जिसका अधिक विस्तार विवरण  
संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16वां), के अधीन पंजीकरण अधिकारी  
के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक 10 / 1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने  
का लाभ है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उक्तके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात्  
प्रतिशत से अधिक है और यस्तरक (अन्तरर्कों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे यस्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य । उक्त यस्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कहित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धारा की वायत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के यस्तरक के वायित्य में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी धन या अन्य घासितियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27).  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, तिनाने में सुविधा  
के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुभाष चन्द्र कपरीया ए०-४७, किर्ती नगर,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) पनमान्त कौर पत्नी एस० हरदीप सिंह आम - पाती;  
जिला अमतसर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रज्ञन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी प्राप्तिः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की प्रवधि या तस्वीरंवी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी प्रवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति हारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में  
हितवद्ध किसी प्रभ्य व्यक्ति द्वारा, प्रव्योद्दस्ताकारों  
के राम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में  
परिचालित हैं, वही पर्याप्त होगा जो उस  
प्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कुपि भूमि खसरा नं० 379, क्षेत्रफल-4 बीघे और  
16 विशेष ग्राम-गानपूर, महरौली, नई दिल्ली ।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
प्रज्ञन रेंज-I नई दिल्ली

दिनांक : 24-6-1981

मोहर :

प्रस्तुप आइ०.टी०.एन०.एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1 "एच" ब्लाक, विकास भवन इन्ड्रप्रस्थ स्टैंड

नई दिल्ली-110002, दिनांक 24 जून 1981

संदर्भ 3 नि० स० आ० आ०/एक्वीजीशन 1/एस० आर०-3/  
10-80/1417—चूंकि मैं, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कुषि भूमि है एवं जो ग्राम खानपुर महारोली  
नई दिल्ली में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण  
संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी  
के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक अक्टूबर 1980  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एन्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हॉर्ट किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूचिता  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में  
सूचिता के लिए;

अतः यद्युपि, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण  
में भूमि खसरा नं० 183 (4-16), 184/2(4-2)  
ग्राम खानपुर, महारोली, नई दिल्ली।

7-156GI/81

- (1) डा० (श्रीमती) विनोद कौशल पत्नी डा० एस०  
पी० कौशल डी०-48, होजखास, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)
- (2) विक्रम तलवार सुपुत्र श्री आर० के० तलवार  
श्रीमती उर्बेसी तलवार पत्नी श्री विक्रम तलवार  
केयर औफ बैंक आफ अमेरिका, बाराबस्मा रोड,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ० भी आशेषः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तात्पुरता से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कुषि भूमि खसरा नं० 183 (4-16), 184/2(4-2)  
ग्राम खानपुर, महारोली, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 24-6-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 जून 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० स० आ० आ०/एक्वीजीशन 1/एस०  
आर-3/10-80/1521—यतः मुझे, आर० बी० एस० अग्रबाल,

आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी०-231-डी है जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली  
में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची  
में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित  
कार्यालय में दिनांक अक्टूबर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रथमान  
प्राप्तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके रथमान प्रतिफल से, ऐसे रथमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अतिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया ग्राही-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के  
व्यक्तियों में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रथोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था जो किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभास (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(1) श्री इशर दास मेहरा सुपुत्र श्री गोपाल दास, 686  
डब्ल टोरी, राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली।

(2) श्री सत्य नारायण गुप्ता, शन चन्द गुप्ता और सतीश  
कुमार गुप्ता, एम-40, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:-**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

ममूल्या

प्रो० न० बी० 231-डी० ब्लाक, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रबाल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
ग्रजन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 24-6-1981

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 जून 1981

निर्देश सं० ३ नि० स० आ० आ०/एक्वीजीशन १/एस०  
आर०-३/१०-८०/१४९०—यतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० ३-इ/१२ है एवं जो मंडेवालन एकसटेनशन,  
नई दिल्ली, में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण  
संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16 वां) के प्रधीन पंजीकरण अधिकारी  
के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक अक्टूबर, 1980। की  
पूर्खोंक्षति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निम्निति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
प्रधीन, निम्नलिखित अन्तरिती, प्राप्ति:—

(1) श्री मदन लाल, शादी लाल, विनोद कुमार सुपुत्र  
श्री सुन्दर दास, द्वारा अट्टनि श्री के० किशर सुपुत्र  
स्वर्गीय श्री एस० एल० खरबन्दा, एफ०-३३,  
भगत सिंह मार्केट, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पूनम भासीन पत्नी श्री बलराज भासीन  
6/19, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्खोंक्षति सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आओप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्खोंक्षति  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्राप्त गढ़ों और पतों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं० ३-इ/१२, क्षेत्र 218.5 वर्ग गज, मंडेवालन  
एस० नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

दिनांक: 24-6-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 24 जून 1981

निर्वेश सं० संदर्भ 3 नि० स० आ० आ०/एकवीजीशन I/एस०  
आर०-3/10-80/1445—यतः मुझे, आर० बी० एल० प्रग्रामाल,  
श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० एस-148, है एवं जो प्रेटर कैलाश-2, नई  
दिल्ली में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न  
अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16 वा) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के  
नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक अक्टूबर 1980।  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के तिए तथ गया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
रद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
मर्ही किया गया है :—

(क) अन्तरण से मुई किसी व्याय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी व्याय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए वा छिपाने में  
सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपषारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अवैतः :—

- (1) श्रीमती सावित्री वेणी खुराना पत्नी पी० एल०  
खुराना, बी-15, कमला नगर, नई दिल्ली ।  
(अन्तरक)
- (2) श्री बालकृष्ण भासीन, अविनाश कुमार भासीन,  
विजय कुमार भासीन, सुपुत्र श्री द्वारका नाथ भासीन,  
1/7785, गौरख पार्क, बाबर पुर रोड़, सहवरा  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(न) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45  
दिन की अवधि या तरसेवांघी अवित्यों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद म  
प्राप्त होती है, 6 बीत्त 1981 अवित्यों में से  
किसी अवित्य द्वारा;

(अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य अवित्य द्वारा, अद्वैदस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रपुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के पद्धति 20-क में परिचालित है वह  
अर्थ होगा, जो उस अठवाय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० एस-148, प्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली, क्षेत्रफल-  
306, वर्गगज ।

आर० बी० एल० प्रग्रामाल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक श्रायकर श्रायकर (निरीक्षण);  
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 24-6-1981

मोहर :

प्रकृष्ट प्राप्ति ३० दी० एम० इस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 जून 1981

निर्देश सं० संदर्भ ३ नि० स० आ० आ०/एक्वीजीशन १/एस०-  
आर०-३/१०-८०/१६०१—यतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,  
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाद करने का कारण है कि  
स्थानीर प्रधान, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है।

प्रौढ़ जिसकी सं० डब्ल्यू० 100 है एवं जो ग्रेटर कैलाश-2,  
नई दिल्ली में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण  
संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16वाँ) के अधीन पंजीकरण अधिकारी  
के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक अक्टूबर, 1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथग्मान  
प्रतिफल के लिए बनाए जा गई है और मुझे इड विवाद करने का  
कारण है कि व्याप्रवृक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
इथमान प्रतिफल से ऐसे इथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (प्रतिफलों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरज के लिये तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरज किया गया  
कास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरज से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुधिक्षा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों  
को जिन्हे मास्तों आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन-  
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थे प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुधिक्षा के लिए;

(1) श्री एस० बी० कनल, सुपुत्र बी० बी० कनल ५७०-  
लबल स्टोरी, न्यू राजेश्वर नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री मंजीत सिंह ओबराय, जगपाल सिंह ओबराय,  
कुलर सिंह ओबराय, सुपुत्र श्री एस० इन्द्र सिंह  
ओबराय १-सी/१११, फरीदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
सार्वजनिकों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्तेप ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५  
दिन की प्रबंधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से ३० दिन की प्रबंधि, जो भी प्रबंधि भाव में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों वें से किसी  
व्यक्ति हारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किया गया व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित  
में किए जा सकें।

**स्वाक्षीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-  
नियम के अन्तर्गत २०-क में परिवर्तित हैं, वहीं  
अर्थ होगा, जो उस अहाय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं० डब्ल्यू०-१००, एस्या ५५० वर्ग गज, ग्रेटर  
कैलाश-2, नई दिल्ली ।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व की उपभारा (11)  
में, भैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (11)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

दिनांक : 24-6-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एम० एवं—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के पश्चात सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 जून 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० स० आ० आ०/एक्वीजीशन 1/एस०-आर०-3/10-80/1590—यतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है।

और जिसकी सं० एम-219 (फ्लैट-5) है एवं जो जी० के०-2, नई दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एन्डह प्रतिक्षेप से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यरुप से हुई किसी धारा की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी घन या शाखा प्रारिद्धियों को जिस्ते भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ प्रत्यक्षिती हारा इकट्ठ नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अस॑ प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुत्तरमें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

- (1) श्री ग्रहण मित्तल सुपुत्र श्री बी० बी० मित्तल ए-3, ग्रेटर कैलाश इन्डियन-1, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)  
(2) श्रीमती निमंला शर्मा पत्नी के० के० शर्मा 115, उदय पार्क, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के सिए कार्यवाहियों कारता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवैन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उससम्बन्धी अधिकारी पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिक द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अधिकारी द्वारा अधोहस्ताभारी के पाव निवित में किए जा सकेंगे।

उपर्योग :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिमाणित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रा० नं० एम-219, फ्लैट नं० 5, शेषफल 70 वर्गगज, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

दिनांक : 24-6-1981  
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एल० एस०-----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 जून 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० स० आ० आ०/एक्वीजीशन 1/एस-आर०-3/10-80/1480—यतः मुझे, आर० बी० एल० प्रगवाल, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 30-स्कूल लैन है एवं जो नई दिल्ली में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण प्रधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक 10 अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप पे कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें मार्कीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्तः—

(1) श्रीमती रणजीत कौर, सुरजीत कौर, तेजिन्द्र सिंह, जोगिन्द्र सिंह और हिस्सेदार भट्टर्नी श्री आर० के० गुप्ता, ह-252-प्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली ।  
(अन्तरक)

(2) परख फेमली ट्रस्ट द्वारा श्रीमती ऊषा परख 30-स्कूल लैन, नई दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख ने 30 दिन हो अवधि, जो भी प्रधिवाल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

रघुदोक्तरग :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्रो० नं० 30-स्कूल लैन, नई दिल्ली ।

आर० बी० एल० प्रगवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
॥ अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 24-6-1981

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइवेट टी. एम्. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 जून 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० स० आ० आ०/एक्सीजीशन I/एस०-  
आर०-3/10-80/1519—यतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-  
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस०-312 है एवं जो पंचशील पार्क, नई दिल्ली  
में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची  
में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16 वा) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित  
कार्यालय में दिनांक अक्टूबर, 1980

कर्तव्यांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास  
करने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अगतरण लिखित में  
वास्तविक कथित रूप से नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हरै किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कियी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीदों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ष के अन्तरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपचारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) श्री कनवार नरेन्द्र सिंह एन-69, ग्रेटर कैलाश-I,  
नई दिल्ली।

(प्रमत्रक)

(2) श्री विजय खन्ना और श्रीमती बीना खन्ना एस०-312,  
पंचशील पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत व्यक्तियों में न  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो० सं० एस-312, पंचशील पार्क, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

दिनांक: 24-6-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई, डी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-, विकास भवन, एच ब्लॉक,  
इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 जून 1981

संदर्भ 3 नि० स० आ० मा०/एक्वीजीशन I/एस० आर-  
3/10-80/1510—यतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी स० कृषि भूमि है एवं जो जबनापुर, महरौली  
में स्थित है (जिसका प्राधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची  
में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16वाँ) के अधीन पंजीकरण प्राधिकारी के नई दिल्ली स्थित  
कार्यालय में दिनांक अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्थ ह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बावत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) हेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अनुसूची

ग्राम जबनापुर, महरौली, नई दिल्ली खसरा नं० 18/1/1  
(1-2) 17/5 (1-17) : 17/4 (1-17) ।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

दिनांक : 24-6-1981  
मोहर :

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित अवधियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती श्यामा रानी कैकर परनी श्री ए० एस०  
कैकर, श्रोक कैकर सुपुत्र श्री ए० एस० कैकर, डी-122,  
डिफेन्स कालोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मै० रावल अपार्टमेंट प्रा० लि० एम-3, कनाट प्लैस,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को पह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के पर्याम के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आडोप ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या उक्त सम्बन्धी अधिकारीयों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारीयों में से  
किसी अधिकतम द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य अधिकारी द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रधायाय 20 के अन्तर्गत दिया गया है, वही  
अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में  
दिया गया है ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, विकास भवन, एच ब्लॉक,  
द्वंद्वप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 24 जून 1981

संदर्भ 3 नि० स० आ० आ०/एक्वीटीगण I/एस० आर०-  
3/10-80/1511—पतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु० से अधिक है  
और जिसकी स० कृषि भूमि है एवं जो जबनापुर, महरौली,  
नई दिल्ली में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न  
अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई  
दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक अक्टूबर, 1980

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य के यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर वनें के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1),  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ अधितः—

(1) श्रीमती श्यामा कैकर पत्नी ए० एस० कैकर, अशोक  
कैकर सुपुत्र श्री ए० एम० कैकर, डी-122, डिफेन्स  
कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० रावल अपार्टमेंट प्रा० नि० एम-3, कनाट प्लेस,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
द्वध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्रमित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

ग्राम जबनापुर, महरौली नई दिल्ली खसरा नं० 18/10/1  
(0-6), 17/4 (1-14), 17/5 (1-17), 17/6/1 (0-10)  
17/7/1 (0-9)।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सहम प्राधिकारी

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 24-6-1981

मोहरः

प्रकृष्ट प्राइंट टी० एन०, एस०—————

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, एच ब्लाक विकास भवन

इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 24 जून 1981

संदर्भ 3 नि० स० आ० आ०/एक्व०जीजीन-1/एम-आर-3/  
10-80/1512—यतः मैं, आर० बी० एल० अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन प्रश्न प्राप्तिकारी को, यहू विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसका सं० कृपि भूमि है एवं जो जबना पुर, मेहरौली,  
नई दिल्ली में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण  
संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधान, तारीख अक्टूबर 1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
प्रत्यरक (प्रत्यरकों) और प्रत्यरिती (प्रत्यरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तत्र पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
छपेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था पा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः; ग्रन्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, पर्याप्त :—

1. श्रीमती श्यामा रानी कैकर, पत्नी श्री ए० एस० कैकर, श्री अशोक कैकर सुपुत्र श्री ए० एम० कैकर, डॉ.-122 इंडियन कालोनी, नई दिल्ली। (अन्तरक)
2. मै० रावल अपार्टमेंट प्रा० लि० एम-3, कनाट प्लैम, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मद्दत्य में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवृद्धि या उत्तरांधी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवृद्धि, जो भी प्रवृद्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अविक्त द्वारा ;
- (ख) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, प्रवृद्धिसाक्षाती के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संबोधीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-6 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि अब खसरा नं० 10/24(1-00), 25 (1-00), 9/21(1-02), 17/5(0-12), 17/4(1-02) ग्राम-जवतापुर, मेहरौली, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज- , नई दिल्ली

दिनांक 24-6-1981

मोहर :

प्रसूप बाहू. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, विकास भवन, एच ब्लाक  
इन्ड्रप्रस्त स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 24 जून 1981

संदर्भ 3 नि० स० आ० आ०/एक्वीजीशन-1/एस०  
आर०-3/1513/10-80—चूंकि मैं, आर० बी० एल०  
अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।

और जिसकी स० छृषि भूमि है एवं जो जवनापुर, मेहरोली  
में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनु-  
सूची में दिया गया है), को पंजीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई  
दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक अक्टूबर, 1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इसमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदै किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिति :—

1. श्रीमती श्यामारानी कैकर पत्नी ए० एस० कैकर,  
अशोक कैकर सुपुत्र श्री ए० एस० कैकर, डी-122, डिफेंस  
कालोनी, नई दिल्ली।  
(हस्तांतरणकर्ता)

2. मै० रावल अपार्टमेंट प्रा० लि० एम-3, फौटौ प्लेस,  
नई दिल्ली।  
(हस्तांतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-  
बद्ध किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रदूषत शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

ग्राम जवनापुर मेहरोली, नई दिल्ली, झसरा स० 17/7/  
1(2-6), 17/6/1(2-7), 18/10/2 (0-3)

आर० बी० एस० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 24-6-1981

मोहर:

प्रकृष्ट प्राइंट दो० एन० एच०---

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269वाँ(1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

**कार्यालय, सहायक आयकर आयात (निरीक्षण)**

अर्जन रेज-I, नई दिल्ली-110002

नई विल्ली-110002, दिनांक 24 जून 1981

सदर्द 3 नि० स० प्रा० प्रा०/एक्सीजीशन I/एस० प्रा० 3/10-80/1473—चूंकि मैं, आर० बी० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269वाँ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, पृष्ठ विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लैट-4, सी-63, है एवं जो एन० डी० एस० ई०-2 नई दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूचों में दिया गया है), को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली दिवित कार्यालय में दिनांक अक्टूबर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अस्तरिता (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की भारा 269वाँ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269वाँ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त :—

1. मै० ग्लोब मैनेजमेंट प्रा० लि० द्वारा मैनेजिंग ऑफ़स्टर श्री के० चौपड़ा, एन-10, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।  
(हस्तांतरणकर्ता)

2. श्रीमती मंजुलीका बैहल पत्नी श्री बलदेव राज बैहल प्रौर मास्टर संवीप बैहल (मानर) सुपुत्र श्री बलदेव राज बैहल, 43, सारन पुर रोड़, देहरादून, यू० पी०।  
(हस्तांतरिती)

को यह सूचना आये हरके ग्रन्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों द्वारा है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के वंशेष में सोई भी शाक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसेवाओं व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवद्वा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवैहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**इष्टदाताकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 4, प्रथम मंजिल (पिछला भाग) सी-63, नई दिल्ली साउथ एस्टेंशन, 2, नई विल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयात (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, नई विल्ली

दिनांक : 24-6-1981

मोहर :

प्रस्तुति आर्द्ध-टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 24 जून 1981

मंदर्भ 3 निः ८० श्रा० श्रा० ग्रावत्रीजीशन-१ एम०-  
श्रा०-३/१०-८०/१५४०—चूंकि मैं, श्रा० बी० एल०  
अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम-107 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-२, नई  
दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न  
अनुसूची में दिया गया है), को पंजीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के  
नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक अक्टूबर, 1980  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चवृत्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हट्ट किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूचिता  
के लिए; और/या

(छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा श्रेणी नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिता  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसारण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अभाव है—

1. श्री अमीर बन्द जुनेजा, ए-२/१५, मफदरजंग  
इनकलेश, नई दिल्ली। (हस्तांतरणकर्ता)
2. मैं हेमन्त एक्सपोर्ट प्रा० लि०, मेघद्रुत विल्डिंग  
नेहरू प्लैस, नई दिल्ली। (हस्तांतरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यशालियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षणेः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एम-107, ग्रेटर कैलाश-२, नई दिल्ली (एरिया 300  
वर्ग गज)

श्रा० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली।

तारीख : 24-6-1981  
मोहर :

प्रारूप बाई० टी० एन० एस०—

## आयकर ग्रन्तियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

### कार्यान्वय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ਅੰਜਨ ਰੋਹ-1, ਨਵੀਂ ਦਿੱਲੀ-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 24 जून 1981

संदर्भ ३ निं० म० आ० आ०/प्रक्वीजीशन-I/१८०  
आर०-3/10-80, 1455—चंकि मैं, आर० बी० प८०  
अप्रवात,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके प्रवाना 'उत्तर प्रधिनियम' कहा गया है), की विरा 269-ख  
से अग्रेन उत्तर प्रधिनियम को, यह विवाह संकरने का कारण  
है कि स्थानीय पम्पति जिमका उचिन बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपा से अधिक है।

ओर जिमका सं. प्लैट नं. 2, सी-63, है एवं जो नई दिल्ली माउथ प्रॅमटेशन, 2, नई दिल्ली में स्थित है, (जिमका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के फ़ड्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अधिकार पर से हुई किसी ग्राम की वाचत, उक्त परिषियम के प्रतीत कर देने के शास्त्ररक्षक के वापिश में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए और/या।

(क) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसके प्रधिनियम, या बनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ पन्तरिती द्वारा प्रफृट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में विविध के लिए;

१. मैं ग्लोब मैनेजमेंट प्रा० लि०, एन-१०, कनाटक सर्कार, नई दिल्ली। (अन्तरक)

२. श्री पी० कपूर और श्रीमती अर्चना कपूर, सि-१, ५,  
मकान गंग, नई दिल्ली, विकास पारिया। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथिन के सिए कार्यवाहियाँ करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी व्याख्या :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णांकित व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(स) इस मूलना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर यम्पति में हितवद्ध किसी गम्भीर घटित द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**एवं द्वीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रारंभ से का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित  
है, वहाँ अर्थ होगा जो उक्त प्रधायाय में विद्या  
गया है।

અનુષ્ઠાન

फ्लैट नं० 2, पीछे ग्राउण्ड फ्लोर 2-1/2 मंजिली  
बिल्डिंग, सी-63, एन० ३०० एम० ६००-२, नई दिल्ली:

प्रारं शौ पलं ग्रन्थाल  
सभम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 24-6-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 24 जून 1981

संदर्भ 3 नि० म० आ० आ०/एक्वीजीशन 1 /एस०  
आर०-3/10-80/1443—चूंकि मैं, आर० बी० ए०  
अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एच-38, है एवं जो एन० डी० एस० ई-1, नई दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में विद्या गया है), को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक अक्टूबर, 1980

को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए प्रस्तुति की नहीं है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यहाँपूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तुतक (प्रस्तुतकों) और प्रस्तुतियों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तुतक के लिए तय पाया गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित उक्त से उक्त बास्तव विवरण मिलित में वास्तविक रूप से नहिं नहीं किया गया है।—

(क) प्रस्तुतक से ही किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तुतक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया बया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, आब, उक्त अधिनियम की धारा 269ब के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अथवा—

1. श्री अर्विन्द कुमार शर्मा, सुपुत्र स्वर्गीय श्री बद्री नाथ शर्मा, बी-139/2, डी० डी० ए० फ्लैट, इस्ट कैलास, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

2. श्री उधीस्तार लाल चावला सुपुत्र श्री गोविन्द राम चावला, श्रीमती शोला चावला श्रीमती श्रीमती अजीत कौर पत्नी श्री उधीस्तार लाल चावला सी-1/2, राजीरी गाड़ीन, नई दिल्ली।  
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्णकृत सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के तम्बन में कोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकृत अधिकारी में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा अध्योद्दत्तकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्र० नं० एच-38, एन० डी० एस० ई० भाग-1,  
नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 24-6-1981  
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269वं (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 24 जून 1981

संदर्भ 3 नि० स० आ० आ०/एक्चीजीशन 1/एस०  
आर०-II/10-80/1468—चंकि मैं, आर० बी० एल०  
अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269वं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, निम्नलिखित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० क्वार्टर नं० 9 ब्लॉक-IIए है एवं जो  
लाजपत नगर, नई दिल्ली में स्थित है (जिसका अधिक  
विवरण संज्ञन अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण  
अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक अक्टूबर,

1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृद्द किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहीए था, छिपाने में संविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन मिशनिक्षित व्यक्तियों वर्षा:—

9--156GI/81

1. श्री गिवराज और विजय कुमार पुत्र श्री चन्द्र  
जैठानों दोनों निवासी II-ए 19 लाजपत नगर, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

2. विमिज पद्मी वाई० धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री ईश्वर  
दास खोसला और श्री० पुत्र स्वर्गीय श्री० ईश्वर दास खोसला  
निवासी इयाम कुपान देवी दयाल रोड, मुलन्द जनरल स्टोर्स  
ग्रामांशी श्री जानक राम पंडित खिलानी मेसर्स सीता मिल्स  
782, नई सड़क, दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या  
होगा है।

अनुसूची

गोवर्नर्मेंट क्वार्टर नं० 9, ब्लॉक-II ए, लाजपत नगर,  
नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 24-6-1981

मोहर :

## प्रकाप प्राइवेटी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
26८-व (1) के प्रधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 जून 1981

निर्देश सं० 46/अक्टूबर/80—यतः मुझे, आर० रविचन्द्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26८-व के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० 67/5 (पार्ट) ब्लाक 5, एगमोर गांव है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, पेरीयमेंट, मद्रास (डाकुमेंट सं० 1243/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15 अक्टूबर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का हारण है कि मद्रासूलोंदा सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पक्का ह प्रतिशत प्राधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच वे सम्बन्ध के लिए तब पाया जाया जाया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरक सिद्धि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या दृश्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाया जाया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 26८-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 26८-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तयों, अर्थात्—

(1) श्री एम० उसमान अलिकाज

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शाना तिलचेलवम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के संबंध में कोई भी आशेष।—

(क) इस सूचना के राब्रपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या नसंबंधी अवित्तयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णसूचित अवित्तयों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राब्रपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी पन्थ अवित्त द्वारा, प्रबोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

इष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम' के प्रध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होता जो उस ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[भूमि आर० टी० एस० सं० 67/5 (पार्ट) एगमोर गांव, डाकुमेंट सं० 1241/80]

आर० रविचन्द्रन,  
मध्यम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 3-6-1981

मोहर :

प्र० र० आई० टी० एन० एस० —

आधकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के प्रधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 जून 1981

निर्देश सं० 47/अक्तूबर/1980—यतः मुझे, आर० रविचन्द्रन,  
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 67/4, (ब्लॉक 5) एगमोर गांव, मद्रास है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरीयमेंट, मद्रास (डाकुमेंट सं० 1243/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15 अक्तूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे वृद्धमान प्रतिफल का पञ्चव प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) प्रधीन, निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री इमतियास पाशा

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शाना तिरच्चेलवम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अस्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों में से किसी अस्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य अस्ति द्वारा प्रधोक्तस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(भूमि और टी० एस० सं० 67/4 (पार्ट) ब्लॉक-5,  
एगमोर गांव, मद्रास डाकुमेंट सं० 1243/80)

आर० रविचन्द्रन  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 3-6-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 जून 1981

निर्देश सं० 48/अक्तूबर/80—यतः, मुझे, आर० रविचन्द्रन,  
ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प  
के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है।

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 67/6 (पार्ट) ब्लाक 5, एगमोर  
गांव है, जो मद्रास में स्थित है और इसमें उपावड़ अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के  
कार्यालय, पेरोयमेट, मद्रास (डाकुमेट सं० 1244/80) में  
भारतीय रग्स्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 15 अक्तूबर, 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे गहर विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्तरे दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहिए; नहीं  
किए गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरह के दार्यिन  
में कमों करने या उत्तम बचन में गुविष्ठा के लिए;  
प्रौद्यगा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

गता अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा(1) के अधीन,  
निम्नलिखित अधिनियमों, अस्ति :—

(1) श्रोमतो नजमुनजिसा बेगम

(अन्तरक)

(2) श्री नरिमन मागरेलिया

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयी शुरू करता हूँ।

उक्त समाति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना  
की नामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वारा मैं  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में  
में जिसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य अविक्त द्वारा अधोकृताकारी ने पास लिखित में  
हिंगे जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, कहीं  
अर्थ दोगा, तो उस अक्षयक में दिया गया है।

अनुसूची

(भूमि आर० टी० एस० सं० 67/6 (पार्ट) ब्लाक-5 एगमोर  
गांव, मद्रास डाकुमेट सं० 1244/80)

आर० रविचन्द्रन,  
सभी प्राधिकारी,  
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-1, मद्रास

दिनांक : 3-6-1981  
मोहर :

प्रह्लप शाई० टी० एन० एस०—

(1) श्रोमता; जजमुजनिसा

(अन्तरक)

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
26८-व(1) के अधीन सूचना

(2) श्रोमता; एम० एन० मामरेलिथ

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 जून 1981

निवेदण सं० 5.3/अक्सर/80—मत: मुझे आर० रविचन्द्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इकले प्रमाणात् 'उक्त अधिनियम' कहा भावा है), की धारा 26८-व के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विवाद खरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० ब्लाक सं० 5, टी० एस० 67/6 एगमोर गांव है जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरीयमेड, मद्रास (डाकुमेंट सं० 1245/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16). के अधीन 15 अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, देसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरको) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तर से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी भाव की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव पर किसी अन्य या अन्य अस्तित्यों को जिसमें भारतीय पाल-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रविधियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अनुरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यालयीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजनय में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस पुनर्ना के राजनय में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अन्नोद्धूमाश्री के पास लिखित में किए जा पाएंगे ;

स्वप्नोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्तों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(भूमि और ब्लाक सं० 5, टी० एस० सं० 67/6, एगमोर गांव, मद्रास—डाकुमेंट सं० 1245/80)

आर० रविचन्द्रन,  
मक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 26८-व के अनुसरण में, भूमि उक्त अधिनियम की धारा 26८-व की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्ताता—

दिनांक: 3-6-1981

मोहर:

प्रकरण प्राई० शी० एम० एस०--

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के विवेत सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 जून 1981

निदश सं० 54/अक्टूबर/80—यतः मुझे, आर० रविचन्द्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की व्यारा 269-व के प्रधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसका सं० ब्लाक सं० 5,टी० एस० सं० 67/6, एगमोर गांव है जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्टा॒ प्राधिकारी के कार्यालय, पेरोयमेंट, मद्रास (डाकुमेंट सं० 1246/80) में भारतीय रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-10-1980

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूमि से कम के बृशमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृशमान प्रतिफल से, ऐसे द्रावमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और घन्तरक (घन्तरकों) और घन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरण लिखित में वास्तविक कप से उचित नहीं किया जाता है:—

(क) प्रत्यरण से हुई किसी भाय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन करने के प्रायतरक के वायित्व में कभी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसो किसी भाय या किसी बन या अन्य व्यास्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ब्रोकरायं घन्तरिती व्याया प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किसीमें सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की व्यारा 269-व के अनुसूचण में मेरे उक्त अधिनियम की व्यारा 269-व की वरदाना (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमतो नजमुजिन्सा

(प्रत्यरक)

(2) श्रीमती एम० एन० मागरेलिय

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो उक्त पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि, या उक्त सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहु किसी प्रथम व्यक्ति द्वारा घन्तोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रथ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(भूमि और ब्लाक सं० 5,टी० एस० सं० 67/6, एगमोर गांव, मद्रास-डाकुमेंट सं० 1246/80)

आर० रविचन्द्रन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 3-6-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई० दी० एव० एस०---

(1) श्री अमोरदस

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमतो ममूरा बंबी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक, 2 जून 1981

निर्देश सं० 9145—यतः, मुझे, आर० रविचंद्रन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की भारा 269-  
ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है और जिसको सं०

एम० एफ० सं० 201/7 बी०/2, है जो मेलवेलिकहम में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तनजावूर (डाकुमेंट सं०  
3654/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन अक्तूबर, 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्बत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्बत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
विद्या गया है।

(क) अन्तरण से है इसकी किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सहाय्य के लिए;  
और/या

अनुसूची

भूमि एक 201/2 बी०/2, मेलवेलिकहम (डाकुमेंट सं०  
3654/80)

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आविहए था, छिपाने में सहाय्य  
के लिए;

आर० रविचंद्रन,  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

दिनांक : 2-6-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री पलमिधम्भाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

(2) सबरा बीबी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 जून 1981

को यह सूचना बारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिकों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः--

निर्देश सं० 9145—यतः मुझे, आर० रविचन्द्रन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० एफ० सं० 201/7 है, जो मेलवेलिक्टूम  
में स्थित है (और इससे उपावह अनुसूची में और पूर्ण स्पृ  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तनजावूर  
(डाकुमेंट सं० 3653/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन अक्लूबर, 1980

के पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्शमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दर्शमान प्रतिफल से ऐसे दर्शमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया हैः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष से  
45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रमुखता सब्जेक्टों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-के नीति विवरित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय से दिया गया  
है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

भूमि एस० एफ० सं० 201/7, मेलवेलिक्टूम (डाकुमेंट  
सं० 3653/80)

आर० रविचन्द्रन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),

अर्जन रेज-II, मद्रास

दिनांक : 2-6-1981

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

प्रसूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री सद्गुर प्रब्ला सेमट और अदरस

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री वरदिवंद जेयन और अदरस

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 जून 1981

निर्देश सं० 15811—यतः, मुझे, आर० रविचन्द्रन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 3, है, जो बलेखरस रोड मद्रास 2 में स्थित  
है (और इससे उपावन्न अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ट्रूपलिवोन (डाकुमेंट  
सं० 871/80 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन अक्टूबर, 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

क्षे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होसी हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबुध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हर्द किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

भगि और निर्माण-3, बलेखरस रोड, मद्रास-2 (डाकुमेंट  
सं० 871/80)

आर० रविचन्द्रन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-II, मद्रास

दिनांक 3-6-1981  
मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  
10—156GI/81

प्रस्तुत बाइं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 जून 1981

निर्देश सं० 1/104—यतः, मुझे, आर० रविचन्द्रन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० एफ०, सं० 417/1, 417/2, 419/1,  
419/2, 419/3, 455 है, जो पेस्टरचेटीपालयम में स्थित है  
(और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयमबद्दर (डाकुमेंट  
सं० 3600/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान  
प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृद्धमान  
प्रतिफल से ऐसे वृद्धमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिक्रिया  
और अन्तरक (प्रतिक्रिया) और अन्तरिती (प्रतिक्रियाओं)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, जिन्मलिखित  
वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
गया है ।--

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे अनुसूची में सूचिता के लिये;  
और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगानार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिता  
के लिए;

(1) श्री रामस्वामी नायडू

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जयलक्ष्मी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यपे ।--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-  
ब्रूथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्थावरण :**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विभा  
गया है।

अनुसूची

भूमि एस० एफ० सं० 417/1, 417/2, 419/1, 419/2,  
419/3, 455, पेस्टरचेटीपालयम (डाकुमेंट सं० 3600/80) ।

आर० रविचन्द्रन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास,

दिनांक : 3-6-1981

मोहर :

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृतः--

प्रदूषक आई० टी० एन० एस०————

(1) श्रीमती सरोजनी अम्माल

(अन्तरक)

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

(2) मारप्प थोड़र

(अन्तरिती)

भारत सरकार

**कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 9 जून 1981

निर्देश सं० 11/74—यतः मुझे, आर० रविचन्द्रन,  
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 62 है, जो गांधीजी रोड ईरोड में स्थित है  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा प्रधिकारी के कार्यालय, ईरोड (डाकुमेंट  
सं० 4011/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन अक्तूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है,  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य पे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुरीं किसी आय की बाबत, उक्त  
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए। और/या

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्रावेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी  
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकर  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभ्राषित  
हैं, वहीं प्रथम होगा, जो उस प्रध्याय में विद्या  
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—62, गांधी जी रोड, ईरोड (डाकुमेंट  
सं० 4011/80)।

आर० रविचन्द्रन;  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण  
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

विनांक : 9-6-1981

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री सरवनं

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के पश्चीम सूचना

(ग्रन्तरक)

भारत सरकार

(2) वेलप्प थोड़र

(ग्रन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 जून 1981

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्मन के बिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) प्रसरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त सम्पत्ति के धर्मन के धर्मन कर देने के ग्रन्तरक के वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि और निर्माण-62, गांधीजी रोड़, ईरोड़ (डाकुमेंट सं. 4010/80)।

श्रार० रविचन्द्रन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः :—

दिनांक : 9-6-1981

मोहर :

प्रृष्ठ आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री नाच्चिमुतु और अदरस

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के वर्धीन सूचना

(2) श्री घहमनि

(अन्तरिती)

भारत सरकार

करें यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 जून 1981

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ के वर्धीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 317, है जो लक्षणमिनातपुरम पोल्लाञ्ची में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोल्लाञ्ची (डाकुमेंट सं० 2861/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः--**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हृदृक् किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

मृत्यु

डाकुमेंट सं० टी० एस० सं० 317, लक्षणमिनातपुरम, पोल्लाञ्ची  
(डाकुमेंट सं० 2861/80) ।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य मासितयों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तित्व द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, जिसने में सुविधा के लिए;

आर० रविचन्द्रन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

वक्तः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुत्तरण में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों व्यक्तिः--

दिनांक : 3-6-1981

मोहरः

प्रूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री लक्ष्मीचन्द्र और अदरस

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

(2) श्री मदनलाल

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
श्रज्ञन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 जून 1981

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता है।

निर्देश सं० 11090—यत., मुझे, आग० रविचन्द्रन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

और जिसकी सं० ग्रोयरम काटेज है, जो ऊटी में स्थित है  
(और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्नरी अधिकारी के कार्यालय, ऊटी (डाकुमेंट सं०  
1543/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन अक्तुबर, 1980

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्मानी व्यक्तियों पर  
सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समाप्ति था जानने का जारी  
भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्ष) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कभी करवे या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भत्ता या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

**अनुसूची**

भूमि और निर्माण—ग्रोयरस काटेज ऊटी (डाकुमेंट  
सं० 1543/80)

प्रार० रविचन्द्रन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
श्रज्ञन रेंज-II, मद्रास

**अतः** अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 3-6-1981

मोहर :

प्रारूप बाई. टी. एन. एस. ——

(1) ओ० ए० नरेन्द्रिनाथ, पावर प्रॅजेंट योफ डाक्टर  
पो० गोविन्दराजन।

(अन्तर्गत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती श्रीकला, मंत्री।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-१, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 10 जून 1981

निर्देश सं० 10/प्रकृतूबर/80—यतः मुझे, आर० रविचन्द्रन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 16, ब्लाक सं० 13 पेरियेरी  
गांव है जो सेलम में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची  
में और पृथ्वी रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-रेजन अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 15 प्रकृतूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्ता स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अनुसूची

(भूमि और निर्माण आर० टी० एस० सं० 16 (ब्लाक  
13) पेरीयेरी गांव, सेलम ट्वून डाकुमेंट सं० 5573/80)

आर० रविचन्द्रन  
संक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-१, मद्रास

अतः बड़, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

दिनांक : 10-6-1981

मोहर :

प्रह्लप बाहू.टी.एन.एस.-----

(1) श्रींवी० के० चन्द्रन@वी० के० चन्द्रसेकरन्

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 11 जून 1981

निर्देश सं० 16 अक्टूबर/1980—यतः, मुझे, आर० रविचन्द्रन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 81, तम्बूचेटी स्ट्रीट है, जो मद्रास-1  
में स्थित है (और इससे उपांडव अनुसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के वार्यालय,  
मद्रास नार्थ (डाकुमेंट सं० 4154/80) में रिरद्द दण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15 अक्टूबर,  
1980

के पूर्णोक्त संपर्क के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्षेत्र) और अंतरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हूँ अक्सर किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

(भूमि और निर्माण एट डोर सं० 81, तम्बूचेटी  
स्ट्रीट मद्रास—डाकुमेंट सं० 4154/80)

आर० रविचन्द्रन्  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

दिनांक: 11-6-1981

मोहर:

प्रस्तुप पाई० दा० एन० एव०—

(1) श्री के० विठ्ठलदास ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एम० जम्मालवार चेट्टी श्रीर अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीजन रेंज-I, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 11 जून 1981

निवेदण सं० 41/अक्तूबर/1980—यतः, मूलि, आर० रवि-  
चन्द्रनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन मकान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है।और जिसकी सं० 8, पुल्ला एवेन्यू शेनाय जगर, है, जो मद्रास-  
30 में स्थित है (और इससे उपावड्ह अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के वार्यालय,  
मद्रास नार्थ, मद्रास (डाक्युमेंट सं० 4554/80) में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 या 16) के अधीन  
31 अक्तूबर, 1980को पूर्वोक्त मालानि के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अनुमित नहीं गई है और भुजे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया  
प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हूँड़े किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;को यह सूचना जारी करके प्रवार्क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवार्क्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

(भूमि और निर्माण शृंखला सं० 8, पुल्ला एवेन्यू,  
शेनाय नगर, मद्रास-30, डाक्युमेंट सं० 4554/80)

प्रार० रविचन्द्रन

सभम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीजन रेंज-I, मद्रास

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

11-156GI/81

दिनांक : 11-6-1981

मोहर :

प्रध्या आइ. टी. एन. एस.-----

(1) श्री इमितियास पाणा।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती पी० सावित्री।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 11 जून 1981

निर्देश सं० 69/प्रक्तुवर/1980—यत्, मुझे, आर० रविचन्द्रन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की भारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० ए० सं० 67/4 (पार्ट) एगमोर गांव,  
है जो मद्रास में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा प्राधिकारी के कार्यालय,  
पेरीयमेट, मद्रास (डाकुमेंट सं० 1342/80) में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15  
अक्तूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्तरण  
में, यौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् 5—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करुता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वापेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(भूमि इलाक सं० 5, टी० ए० सं० 67/4 एगमोर  
गांव, मद्रास—डाकुमेंट सं० 1342/80)

आर० रविचन्द्रन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक: 11-6-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग(1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 15 जून 1981

निवेंग सं० 63/अस्त्रब्र/1980—प्रतः, मुझे, आर० रवीचन्द्रन, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सभी सभी आयकर आयुक्तों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगति जितका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 20 (प्लाट सं० 444) अस्त्र नगर है जो मद्रास-40 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण लिपि से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरीमेंट मद्रास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है। और अन्तरक (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रिया उद्देश्य में उक्त प्रतिशत में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त सम्पत्ति अधिनियम के प्रशीत नहीं है अन्तरक ने वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी फिसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अद्वितीय, मिम्नलिखित अविक्षियों, प्रधास :—

(1) श्री टी० बी० गनेश कुमार।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विश्वास देवी केटिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जोभी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षियों

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बदल फिसी अन्य अविक्षियों द्वारा अधिवृस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वरूपीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अड्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अड्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(भूमि और निर्माण अट प्लाट सं० 444, अन्ना नगर, मद्रास-40 (डाकुमेंट सं० 1302/80))

आर० रवीचन्द्रन्  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 15-6-1981

मोहर :

प्रूफ आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री टी० वी० गणेश कुमार

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) श्री विश्वनाथ केठिया

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 जून 1981

निर्देश सं० 64/अक्टूबर/1980—यतः मुझे, आर० रविचन्द्रन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोर मं० 18, के ब्लाक, प्लाट सं० 444 टी०  
एस० है, जो सं० 20 ए० ए० नगर, मद्रास-40 में स्थित है (और  
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरियमेंट मद्रास (डाकुमेंट  
सं० 1303/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हाई किसी आग तो दाता, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अनुसूची

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:-**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(इ) और सं० 18, टी० एस० सं० 20, ब्लाक सं० “के” ।  
ए० ए० नगर, मद्रास-40 निर्माण I फ्लोर, (डाकुमेंट सं० 1303/  
80)

आर० रविचन्द्रन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् द्वारा

दिनांक : 15-6-1981  
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————  
 प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
 269-ए (1) के प्रधीन सूचना  
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज-1, मद्रास  
 मद्रास, दिनांक 16 जून 1981

निर्देश सं० 67/अक्टूबर/1980—यतः मुझे, प्रार० रविचन्द्रन, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रधीन संशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 30 डोर सं० 18, हालस रोड़ कीलपाक है जो मद्रास-10 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरिमेट, मद्रास (डाकुमेंट सं० 1330/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन

31 अक्टूबर, 1980  
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तत्र पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से इद्दि किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपलापा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षियों, अर्जातः—

(1) श्रीमती कमला श्रीराला

(अन्तरिती)

(2) बी० ए० नन्दगोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :—

(न) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरमंबंधी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में किसी अविक्षित द्वारा;

(व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इवमें बनुक्त गव्हर्नर और उक्तों ना, जो उक्त अधिनियम के अठाय 20 फ में परिभ्रषित है, वहों वर्ष द्वारा, जो उक्त अधिवार में दिया गया है।

अनुसूची

(भूमि और निर्माण अट डोर सं० 18, हालस रोड़, कीलपाक मद्रास-10, डाकुमेंट सं० 1330/80)

प्रार० रविचन्द्रन,  
 संशम प्राधिकारी,  
 सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),  
 अर्जन रेज-1, मद्रास

दिनांक : 16-6-1981

मोहर :

प्राकृत पाई० टी० एम० एस०————

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा  
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जून 1981

निर्वेश सं० 11117—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन,  
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व  
के अधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विवाह करने का कारण  
है कि स्थानीर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
बप्पे में अधिक है।

और जिसकी सं० सर्वे सं० 575, है, जो ओठनतुरै में स्थित है :  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेट्रोपोलिटन (डाकुमेंट  
सं० 2057/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पवधु प्रतिशत से अधिक है और अन्तररक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया गतिरूप विभालिवित उद्देश्य में उत्त अन्तरक  
विभिन्न में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुर्ई किसी आय की बाबत उक्त  
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक रू  
गायित्र में कमी करने या उससे बढ़ने में सुचिष्ठ  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों  
को, त्रिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगभार्ये प्रसंस्करणी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुचिष्ठ के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व के अन्तरण  
में, मैं उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपचारा (1)  
के अधीन, निम्नान्वित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कमला

(अन्तरक)

(2) श्री राजप्पन

(अन्तरिती)

को यदृ सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के लिए  
कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवैन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की प्रवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में  
समाप्त होती है के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थानीर सम्पत्ति में हिन्दू  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, पश्चोहस्तानी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित  
हैं, वही अं दी गया, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे सं० 575, ओठनतुरै (डाकुमेंट सं० 2057/80)

राधा बालकृष्णन,  
सभाम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-II, मद्रास

दिनांक : 18-6-1981

मोहर :

प्रकल्प ग्राही ० टी० एन० एस०--  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास  
मद्रास, दिनांक 18 जून 1981

निवेश सं० 11119—यतः, मुझे राधा बालकृष्णन्,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के प्रधीन समम प्राधिकारी को, यह विषयास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है।  
और जिसकी सं० सर्वे 575, है जो ओडिन्टुरे में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेट्रोपालियम (डाकुमेंट सं० 2059/80 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन अक्तूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और पन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक विधित में वास्तविक रूप से छिपा नहीं किया गया है :—

(1) श्री गोपालकृष्ण नायडू

(अन्तरक)

(2) श्री तम्मनं

(अन्तरिती)

जो यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के दर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दू-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाही निर्णय :—इनमें रुक्त गढ़ों और तरों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ए म परिमावित हैं, उन्होंने ग्रथं दोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी धार्य की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दृश्यमान में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी धार्य या किसी धन या अन्य अस्तित्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धार्या किया जाना चाहिए था, उसपाने में सुविधा के लिए;

भूमि सर्वे 575, ओडिन्टुरे (डाकुमेंट सं० 2059/80)

राधा बालकृष्णन्,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 18-6-1981

मोहर :

प्र० अ० आ० टी. ए० ए०

(1) श्री जगदीशन्

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

(2) तम्मनं

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज- , भद्रास

मध्रास, दिनांक 18 जून 1981

निर्देश सं० 11120—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।और जिसकी सं० सर्वे 576 है जो ओठनतुरै में स्थित है (और  
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्री-  
कर्सा प्राधिकारी के कार्यालय मेट्रोपालियम (डाकुमेंट सं० 2061/  
1980) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन अकूबर, 1980।को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थिरान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके स्थिरान प्रतिफल से, ऐसे स्थिरान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरेतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा गदा गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीथित नहीं किया गया है:—को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के गजाय में 1काला तो तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास निर्दिष्ट में लिखा जा गकें।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।(क) अन्तरण से है इसी किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम को अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

अनुसूची

भूमि सर्वे 576, ओठनतुरै (डाकुमेंट सं० 2061/80)

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;राधा बालकृष्ण,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-II, मध्रासअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

दिनांक : 18-6-1981

मोहर :

प्रस्तुति आई.टी.एन.एस.-----

(1) अहमद मोहद्दीन

(अस्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्री यूसूफ अली हमीद अली

(अन्तरिती)

धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

करें यह सूचना आरी करके पूर्वोंकर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता है।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जून 1981

निर्देश सं० 9153—यतः सुने, राधा बालकृष्ण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो आवारपाखम में स्थित है।

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी के कार्यालय, आवारपाखम (डाकुमेंट  
सं० 2015/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

1908 का 16 के अधीन अक्तूबर, 1980।

को पूर्वोंकर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल का पूर्वोंकर संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पूर्वोंकर से अधिक है और अन्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उच्चवेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तव-  
किक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिँचित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दृश्यमान में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि और निर्माण—आवारपाखम (डाकुमेंट सं० 2015/  
80)

राधाबालकृष्ण,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्पितः—

12—156GI/81

वितांक : 18-6-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

(1) मानिषम

(प्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) रामन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जून 1981

निर्देश सं० 9176—यतः मझे, राधा बालकृष्ण,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की प्रारा  
269-घ के प्रधीन पक्षम अधिकारी को, यह विवरण करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सी 16, है, जो 2 मेमन रोड, रामलिंग नगर,  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्नरी अधिकारी के कार्यालय,  
दिल्ली (डाकुमेंट सं० 314/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर,  
1980।

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति  
प्रतिगत से अधिक है और भल्लरक (भल्लरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रभरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
विकित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख, से  
45 दिन की प्रतिधि या तस्वीरन्धी अधिकारी पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अधिकारी में से किसी अधिक द्वारा;

(ख) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य अधिक द्वारा, अधोहस्ताकरी के  
पात्र विवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिचालित हैं,  
वही अर्थ द्वारा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के  
वायित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घब वा अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

भूमि और निर्माण सी 16-II मेमन रोड, रामलिंग नगर,  
दिल्ली (डाकुमेंट सं० 314/80)

राधा बालकृष्ण,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अन. अन्त, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ के अनुमरण  
में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपग्राहा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

दिनांक: 18-6-1981

मोहर:

प्रकाशन साई ० टी ० एम ० पर्स ०-----

(1) श्रीमती विजयलक्ष्मी और कम्पनी

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री शिवशनमदम और अदर्स

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जून 1981

निर्देश सं० 15952—यह मुझे, राधा बालकृष्ण, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने, का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 12, सेयनट जार्ज कठीठरल रोड है, जो मद्रास 4 में स्थित है (और इससे उपावन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारीरी के कार्यालय, मैलापुर (डाकुमेंट सं० 1945/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्षयबर, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हृदृ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करु एने के अन्तरक के बावित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचिभा का निपुण और/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती व्यावारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जिपाने में सूचिभा के सिए;

अनुसूची

भूमि और निर्माण-6, सेयनट जार्ज कठीठरल रोड,  
मद्रास 4 (डाकुमेंट सं० 1945/80)

राधा बालकृष्ण,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, रूप, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अन्तरिती—

दिनांक : 18-6-1981

मोहर :

प्रखर आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) को भारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राधिकर (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जून 1981

निर्देश सं० 15713—यतः मझे, ० राधा बालकृष्ण,  
आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाद करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति द्वितीय उन्निवाजार मूल्य 25,000/-  
इ० में अधिक है।

और जिसकी सं० 128, है, जो उसमान रोड़ मद्रास 17 में  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर  
(डाकुमेंट सं० 1688/80) में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर, 1980।  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमाण  
प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया ऐसे  
प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरण से उक्त प्रस्तरक लिखित में  
आदर्शिक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कामी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
बन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनाम अन्तरिती द्वारा प्रदट्ठ नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए वा, लिपाने में  
सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-व के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अधृत—

- (1) श्री लोगमातन और अद्वैत  
(2) श्री प्रकाश नाथ और अद्वैत

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आवेदन :—

- (क) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या उत्तमवन्धी अवधियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवधियों में से  
किसी अवधि द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य अवधि द्वारा, अधीक्षित द्वारा, अधीक्षित के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अन्तर्गत 20-क में परिभाषित हैं, वहीं  
अर्थ होगा जो उस अंदराय में विद्या गया है।

अनुसूची

मूलि और निर्माण 128, उसमान रोड़ मद्रास-17 (डाकु-  
मेंट सं० 1688/80)

राधा बालकृष्ण,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
प्रर्जन रेंज-II, मद्रास

विनांक : 18-6-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री बालकृष्ण

(अन्तरक)

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) श्री कृष्णमूर्ति

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 18 जून 1981

निर्देश सं० 11121—यतः मझे, राधा बालकृष्ण,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित दाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे 575 है, जो औठनतुरी में स्थित है  
(और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेट्रोपालियम (डाकुमेंट  
सं० 2060/80) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन अवृत्तबर, 1980

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अवमान प्रतिफल से, ऐसे अवमान प्रतिफल का  
पञ्चांश प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अल्टरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
कल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से कूहे किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

भूमि सर्वे 575, औठनतुरी (डाकुमेंट सं० 2060/80)

राधा बालकृष्ण,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

असः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के, बनुसरण  
में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीक्तः:--

विनांक : 18-6-1981

मोहर :

प्ररूप आर्ट.टी.एन.एस.-----

(1) श्री रामानुजम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री कृष्णप्पा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जून 1981

निर्देश सं० 11122—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० सर्वे सं० 576 है, जो ओढ़नतुरै में स्थित है  
(और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेट्रोपालियम (डाकुमेंट  
सं० 2062/80) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
का 16) के अधीन अक्तूबर, 1980

कां पूर्वोंवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोंका संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंवत सम्पत्ति के अजंत के  
लिए नायंवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अजंत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाइ में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंवत  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:-**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

भूमि सर्वे 576, ओढ़नतुरै (डाकुमेंट सं० 9193/80)

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिहे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
तुच्छा के लिए;

राधा बालकृष्ण,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् १—

दिनांक: 18-6-1981

मोहर:

प्रदेश प्राइवी टी. एन. एस.---

(1) श्रीमती सावित्री

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्रीमती नागरत्ना यसोदा

(अन्तरिती)

269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 18 जून 1981

निर्देश सं० 11118—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-प के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है, यह स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे 576 है, जो श्रीठनतुरै में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, मेट्रोपालियम (डाकुमेंट  
सं० 2058/80) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन अक्टूबर, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यह स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पद्धति प्रतिशत से अधिक है पौर अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के प्रत्यक्ष के  
आयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आब या किसी अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आप्तिप :—

(क) इस सूचना के राजनीति में रकाशन ने तारीख से  
45 दिन की प्रतिष्ठा या अत्यन्तर्भूत अविक्षियों पर  
सूचना ने तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
उक्त बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
अविक्षियों से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजनीति में रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु  
किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अविक्षित द्वारा के पास  
निविन ये निहारा नहीं होते ।

एवंटी तर्ग—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, और उक्त  
अधिनियम के अड्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुमूल्य

भूमि सर्वे सं० 576, श्रीठनतुरै (डाकुमेंट सं० 2058/80)

राधा बालकृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

आतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के  
प्रत्यक्षण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपशारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्षियों, अर्थात्—

दिनांक : 18-6-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जून 1981

निर्देश सं० 11109—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000 / रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे 22 और 23 है, जो सती मेन रोड,  
कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 5446/80 में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर  
1980

को दूधाँकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इसमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वान्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दशमान प्रतिफल से ऐसे इसमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिक्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/था

अनुसूची

भूमि सर्वे सं० 22 और 23, सती मेन रोड, कोयम्बटूर  
(डाकुमेंट सं० 5446/80)

(ख) गोपी नियमी जाय या किसी धन या अन्य आस्ति को  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सहाय्य के लिए;

राधा बालकृष्ण,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की संधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधृत :—

(1) श्री रामस्वामी और सुब्रह्मण्यम् ।

(प्रस्तरक)

(2) श्री तिश्वेनकटस्वामी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके दूर्घात सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वावत  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे सं० 22 और 23, सती मेन रोड, कोयम्बटूर  
(डाकुमेंट सं० 5446/80)

दिनांक : 18-6-1981

मोहर :

प्रकरण नं. ३१० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

झज्जर रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जून 1981

निर्देश सं. 15718—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसी इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. 34, है जो पिनजाल सुव्यवस्था स्ट्रीट,  
मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपावश्य अनुसूची में और  
पूरी रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय,  
टी० नगर (डाकुमेंट 1637/80) में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर,  
1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृष्यमान प्रतिफल का पक्का प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) पौर भन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी प्राय की वायत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक  
में कमी करने या उक्ते बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) एसी किसी प्राय या किसी बचन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घमनाहर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रभोक्तार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
जाय वा या किसी जाति वाहिए वा छिपाने में  
सुविधा के लिए;

(1) श्री जी० शेंकटराम अग्न्यर और श्री० ।

(अन्तरक)

(2) श्री शुभप्पन ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना आरी अक्ते पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के  
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तर्सर्वती अविक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वस्तु में  
संबन्ध होती हो, के भीतर कूपौत्र अविक्तियों में से  
किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में त्रित्रद्वय निसी  
अन्व अविक्त द्वारा, अधीकृताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**लिखितात्मकः**—इसके अपूर्व अन्दों और कर्त्ता का, जो उक्त अधि-  
नियम के प्रभाव 20-ए में परिवर्तित है, वही  
पर्यं हीका, जो उस प्रभाव में दिया गया है।

प्रमुख

भूमि और निर्माण 34, पिनजाल मुद्रमनिय स्ट्रीट, मद्रास-  
17 (डाकुमेंट सं. 1637/80)

श्री बालकृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
झज्जर रेंज-एन्ड-मूज़, मद्रास

यतः, घब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, प्रमाणितः—

3-156GI/81

दिनांक: 18-6-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती वदलक्ष्मी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती जानकी और नारायण

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जून 1981

निर्देश सं. 11132—यतः, मुझे, राधा, बालकृष्ण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 270, तोठमुत्तर रोड़ है, जो पुसारीपालयम  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप,  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, कोयमबटूर  
(डाकुमेंट सं. 3739/80) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम

1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एवमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके एवमान प्रतिफल से, ऐसे एवमान प्रतिफल का  
पञ्चवार्षीय प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
अन्तरितीयों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उत्तरवेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वासितयों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किसी जाना आविष्ट था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः इब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृती के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

प्रनुसूची

भूमि और निर्माण 270, तोठमुत्तर रोड़, पुसारीपालयम  
(डाकुमेंट सं. 3739/80)

राधा बालकृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

विमान : 18-6-1981  
मोहर :

प्रूफ मार्फ़ाटी० टी० एन०एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की  
धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जून 1981

निदेश सं० 9208—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन,  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक हैऔर जिसकी सं० 68, है, जो कील अम्मा स्ट्रीट, विल्सुपुरम  
में स्थित है (और इससे उपांचाल अनुसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विल्सुपुरम  
(डाकूमेंट सं० 1647/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
अक्टूबर 1980को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और युझे यह विश्वास  
करने वा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वावर, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या ग्रन्थ आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घननकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरितो द्वारा प्राप्त नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;अतः प्रब; उक्त अधिनियम, की धारा 269-वा के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः—

1. श्री सेलवराज (अन्तरक)

2. श्री नारायणस्वामी धौंडर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु  
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोदृस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।इष्टकारण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही  
प्रथम होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—68 कील अरिजार अम्मा स्ट्रीट;  
विल्सुपुरम, (डाकूमेंट सं० 1647/80)।राधा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण);  
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 18-6-1981

मोहर:

प्रश्न नं ३० और उत्तर एवं—

बायकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की भारा  
२६९-व(१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सामाजिक आवाहन अनुबंध (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, महाराष्ट्र

महाराष्ट्र, दिनांक १८ जून १९८१

निदेश सं० १५७०७—ग्रातः मुझे, राष्ट्रीय बालकृष्णन,  
बायकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें  
इसकी 'प्रकाशित 'उपकार अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
२६९-व(१) के अधीन सामाजिक प्रतिकारी को यह किसास करने का  
अन्तरण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
२५,०००/- रु. से अधिक है।

ग्रोर जिसकी सं० ८६, अतिपट्टू, है, जो अमबद्धूर में स्थित  
है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमबद्धूर (डाकूमेंट  
सं० ४१३७/८०) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
१९०८ (१९०८ का १६) के अधीन, तारीख अक्टूबर ८०  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह किसास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके बृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पश्चह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित  
में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए 'किसी बाय की बात, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
लौट/या

बनुसूची

(ख) एती किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, १९२२  
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या  
भायकर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था तिपाने वाँ  
सुविधा के लिए;

१. श्री कश्यपन (अन्तरक)  
२. मेसां तिरुपति पोलिसेन्स (प्रा०) लिमिटेड,  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के  
लिए कार्यालयिता करका हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी जाहोपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन की अवधि प्रा तत्प्रबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों भी सेविकी व्यक्ति बुकारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बन्ध में हित-  
बहुध 'किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अन्योन्यस्ताकारी के  
पास लिखित में लिए जाएँगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय २०-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में 'दिया  
गया' है।

भूमि ग्रोर निर्माण—८६, अतिपट्टू (डाकूमेंट सं०  
४१३७/८०) ।

राष्ट्रीय बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, महाराष्ट्र

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा २६९-व(१) के अन्तरारण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा २६९-व(१) की उपचारा (१)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: १८-६-१९८१  
मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास  
मद्रास, दिनांक 18 जून 1981

निदेश सं. 9169—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. टी.एस. 878, 52 है, जो, चिवामवरम  
में स्थित है (और इससे उपायक अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
चिवामवरम (डाकूमेंट 2531/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी आप की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1) की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्री वैकुन्तम पिल्लै (अस्तरक)
2. श्री ईस्मायिल (अन्तरिती)

को यह सूचना आशी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण्यः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाव भी समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**--इसमें प्रश्नकृत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
पहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—52, टी.एस. 878 चिवामवरम  
(डाकूमेंट सं. 2531/80)।

राधा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 18-6-1981

मोहर:

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०----

अधिकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जून 1981

निवेश सं० 9170—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'अन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विवाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 11 विल कट्टी है, [जो पिल्लयार कोयिल स्ट्रीट, चिदमबरम में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुभूमि में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिदमबरम (डाकूमेंट सं० 2557/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराना प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसराना प्रतिफल से, ऐसे दूसराना प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राशि गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(१) अन्तरण से हुई किसी आप की शब्द, उक्त प्रधिनियम ह अधीन कर देने के अन्तरक दो दायित्व में कमी रहा या उसमें बचने में सुविधा के लिए;

(२)ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनामं अन्तरिती को प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती अमस्मिन्नाल (अन्तरक)
2. श्रीमती कक्षिसा दीपी (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापे:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरी व्यक्तियों द्वारा सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी प्रान्य व्यक्ति हारा, अधोकृताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुभूमि

भूमि और निर्माण—11, विला कट्टी पिल्लयार कोयिल स्ट्रीट, चिदमबरम (डाकूमेंट सं० 2557/80)।

राधा बालकृष्णन  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रजन रेज-II, मद्रास

तारीख: 18-6-1981

मोहर:

प्रस्तुप आर्द्ध.टी.एन.एस.-----

1. श्रीमती अमस्माल श्रीनिवासपत्तर (अन्तरक)

2. श्रीमती असीता बीबी (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जून 1981

निकेश सं० 9170—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 11, विल्ला कट्टी पिल्लयार कोयिल स्ट्रीट, है, जो चिदम्बरम में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिदम्बरम (डाकूमेंट सं० 2558/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं दिया गया है—

(क) अन्तरण से हृद्दे किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

अनुसूची

भूमि और निर्माण—11, विल्ला कट्टी पिल्लयार कोयिल स्ट्रीट, चिदम्बरम (डाकूमेंट सं० 2558/80)।

राधा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

यतः बत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 18-6-1981

मोहर:

प्रकल्प आई० ई० एन० एस०————  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन्त रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जून 1981

नियोग सं० 15920—अतः, मुझे, राष्ट्रा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे 268/1, 270, 281, 280/2 है, जो जेरकुनरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कीठमपाखम (डाकूमेंट सं० 4362/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चकृ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वापरक्रिक रूप से हायित नहीं किया गया है :—

(क) प्रतिफल से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगकार्य अस्तियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधित्यों, अर्थात् :—

1. मेसर्स पटेल एण्ड कम्पनी (अन्तरक)
2. मेसर्स बाम्बे अमोनिया (मद्रास) (पि०) लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन्त के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन्त के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितधार किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताकरी के पाद लिखित में किए जा सकेंगे।

**संरक्षण :**—इसमें प्रस्तुत शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में वर्णितावधि है, उन्हीं अर्थ होंगा जो उस अन्तर्गत में विद्यम होता है।

### अनुसूची

भूमि—सर्वे 268/1, 270, 281, 280/2 नोरकुनरम (डाकूमेंट सं० 4362/80)

राष्ट्रा बालकृष्णन  
एस० गोविन्द राजन  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रजन्त रेंज-II, मद्रास

तारीख: 18-6-1981

मोहर:

प्रखण्ड आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जून 1981

निवेश सं० 15979—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो तामबरम में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तामबरम (डाकमेंट सं०  
4954/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख

ये पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्ष) और अन्तरीती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हर्दौ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

1. श्री राघवन (प्रत्यक्ष)

2. श्री बालसुब्रामनियम और जयलक्ष्मी (प्रत्यक्षिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी विवाद :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :--** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मृगूल्ची

भूमि और निर्माण—तामबरम (डाकमेंट संख्या 4954/  
80)।

राधा बालकृष्ण  
सक्षम प्रशिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --  
14-156GT/81

तारीख : 18-6-1981

मोहर :

प्रस्तुति अर्थ.टी.एक्स.एस.

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जून 1981

निदेश सं० 15948—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राप्तिकारों द्वां दह विश्वाम करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 14, है जो, विश्वाम बालरस अवेन्य, मद्रास-4 में स्थित है (और इससे उपचार अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापूर (डाकूमेंट सं० 1911/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चारण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक है से कथित नहीं किया गया हैः—

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किसी जना साहित था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अप: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कुमारी मेरी चेट्टल सामुकेल

(अन्तरक)

2. श्री धेनकु रेडी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानीय सम्पत्ति में इवारा किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधीक्षताकारी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

**स्थानीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**राधा बालकृष्णन**

भूमि और निर्माण—14, विश्वाम बाललरस अवेन्य,  
मद्रास-4 (डाकूमेंट सं० 1911/80)।

राधा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीखः 18-6-1981

मोहरः

प्रस्तुत आर्ड. ट्री. एन. एस. -----

1. श्री रमेश सुदमनियम

(अन्तरक)

2. श्री बेनुषोपाल

(प्रमत्रिसी)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जून 1981

निदेश सं० 11096—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे 306, 307/1, 305/2 है, जो रा० के० पुतुर में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कनियूर (डाकूमेंट सं० 1317/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मृत्यु

भूमि सर्वे 306, 307/1, 305/2, रा० के० पुतुर  
(डाकूमेंट सं० 1317/80)।

राधा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 18-6-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जून 1981

निदेश सं० 11096—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे 305/2, 308 है, जो रा० के०  
पुतुर में स्थित है (ग्राम इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
कनियूर (डाकूमेंट सं० 1318/80) में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख अक्टूबर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरारत को गढ़ है और मूर्ख यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का  
पञ्चवृत्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या वन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगवार्ष अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री रत्नन सुन्दरनियम (अन्तरक)
2. कुमारी नीलाखेनी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षयः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की ताप्रियल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि-सर्वे 305/2, 308, रा० के० पुतुर (डाकूमेंट  
सं० 1318/80)।

राधा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीखः 18-6-1981

मोहरः

प्ररूप बाहौद.टी.एन.एस.-----

1. कुमारी मस्तिका (अन्तरक)

2. श्रीमती कोसली (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 18 जून 1981

निदेश सं० 11138—यतः, मृझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे 61713, है, जो नदुहड्डी में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोटधिरी (डाकू-मेंट सं० 1043/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1980

क्वाँ पूर्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान करने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, एंसे छयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयाँ) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदाहरण से सक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयन करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्वाँ भी आधेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनवृप्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टांकरण**:- इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में सुविधा के सिए;

भूमि-सर्वे 617/3, नदुहड्डी (डाकू-मेंट सं० 1043/80)।

राधा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

नस: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

तारीख: 18-6-1981

मोहर:

प्रस्तुप अध्यक्ष टी.एस.प्स.

१. श्रीमती इश्वरा

(अन्तरक)

२. श्रीमती कौशल्या

(अम्तरिती)

## आपकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की

धारा २६९-ग (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कानूनीय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक १८ जून १९८१

निवेश सं० १११३८—यतः सुन्दे, राज्या बालकृष्णन,

आपकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
२६९-ग के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
२५,०००/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० संबंधी ६१७/३ है, जो नदुहड्डी में स्थित  
(प्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोटविरी (डाकू-  
मेंट सं० १०४६/८०) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
१९०८ (१९०८ का १६) के अधीन, अक्टूबर १९८०को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हूँ इसे किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, १९२२  
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
जाता था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अ. सुची

भूमि संबंधी ६१७/३, नदुहड्डी (डाकूमेंट सं० १०४६/८०)।

राजा बालकृष्णन  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रासयतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अन्तरण  
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग की उपभारा (१)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख: १८-६-१९८१

मोहर:

प्रलूप आई. टो. एन. एस. —————

1. श्रीमती लक्ष्मी (अन्तरक)

2. श्रीमती नैसर्गी (अन्तरिक्षिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (मिरीक्षण)

प्रजनन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जून 1981

निदेश सं० 11/38—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उच्चत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे 617/3 है, जो नदुद्वारी में स्थित है (और इससे उपाखड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कोटविरी (डाकू-मेंट सं० 1049/80) म भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1980

को व्यावृत्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल विस्तृत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविष्टियों को, जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-काल अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आवृद्ध था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना आरी करके प्रबोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राखपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्रबोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राखपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में शूल-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरीकरण:**—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, जो धन-काल 20-क में पर्याप्तित है, वही कई होगा जो उस अधिनियम से दिया गया है।

मनुसंगी

भूमि-सर्वे 617/3, नदुद्वारी (डाकू-मेंट 1049/80)।

राधा बालकृष्णन  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (मिरीक्षण)  
प्रजनन रेज-II, मद्रास

तारीख: 18-6-1981

मोहर :

प्रस्तुप जाइँ. टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयदूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जून 1981

निवेश सं० 11/38—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-क के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे 617/3, है, जो नदुहट्टी में स्थित है  
(और इससे उपांचढ़ अनुमूल्यी में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कीटधिरी (डाकू-  
मेंट सं० 1050/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर,  
1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने  
के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ यापा गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

1. श्री जयराज (अन्तरक)
2. श्रीमती कौसलै (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव भै समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभासित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अस्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचिभा  
के लिए; और/या

वास्तवी

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अस्तरीय द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सूचिभा के लिए;

भूमि सर्वे सं० 617/3, नदुहट्टा (डाकूमेंट सं० 1050/  
80)

राधा बालकृष्णन  
सभी प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयदूक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम का भारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥—

तारीख: 18-6-1981  
मोहर:

प्रस्तुप आर्फ़.टी.एस.एस.-----

(1) श्रोमतां ईनदेश

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रों शिव कुमार

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अन्तर्कर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 जून 1981

निदेश सं० 11137—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, घृत विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० सर्वे 6/7/3 है, तथा जो नठुहट्टी में स्थित  
है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), नस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोटविर्हा (डाक्यूमेंट  
1047/80) में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन अन्तव्य, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इक्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इक्ष्यमान प्रतिफल से ऐसे इक्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारी) और अन्तरिती (अन्तरितारी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन् या अन्य आस्तीयों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यापार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

राधा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, मद्रास

भूमि सर्वे 6/7/3, नठुहट्टी (डाक्यूमेंट 1047/80)।

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की, अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकतः:—  
15—156GI/81दिनांक: 18-6-81  
मोहूर:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(1) श्रीमती वसन्ती

(अन्तरक)

(2) श्री शिवकुमार

(अन्तरिती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जून, 1981

स० 11137—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु० से अधिक है।  
और जिसकी सं० सर्वे 617/3 है तथा नठुहटी में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
फर्मा प्राधिकारी के कार्यालय कोटिघिरि (डाक्यूमेंट सं० 1085/80)  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16 के अधीन अक्टूबर, 1980  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अंतिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

क्षे यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यदाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

(म) अन्तरण से हृदय किसी आय की वापर, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्यक्तियों में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
का लिए; और/या

नठुसूची

भूमि सर्वे 617/3, नठुहटी (डाक्यूमेंट 1085/80)।

(न) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपार्ने में  
सुविधा के लिए;

राधा बालकृष्णन,  
मकाम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अस्ति:—

दिनांक: 18-6-1981

मोहर:

प्रकरण आई० ही० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-का (1) के प्रश्नों सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जून 1981

निवेश सं० 11137—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सकाम प्राप्तिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रतिक है और जिसकी सं० सरवे सं० 617/3 है, जो नठुहट्टी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोटविहारी (डाक्यू-मेंट सं० 1086/80), में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16 अक्टूबर, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल से पन्छह प्रतिशत अधिक है और अधिकरक (मन्त्ररक्तों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनामं अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती मलिका।

(अन्तरक)

(2) श्री शिव कुमार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयन करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रबंधिता तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबंधिता, जो भी प्रबंधित वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वित्तव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—सर्वे 617/3, नठुहट्टी (डाक्यूमेंट सं० 1086/80)

राधा बालकृष्ण  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

ग्रन्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-का के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-का की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथाति:—

दिनांक : 18-6-1981

मोहर:

प्रकाश संसदीय दीव एवं एवं—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

## 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जून 1981

गिदेश सं. 11137—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ब के अधीन सभी विषयों को यह विषयास्त करने का कारण है ति सरावर नम्बर तिहाई उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए रो अधिक है और जिसकी सं. सर्वे 617/3, है, जो नठुहट्टी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेक्टरी अधिकारी के कार्यालय, कोटथिरी (डाक्यूमेंट सं. 1087/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास्त करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तर से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रतिरण से तुर्हि किसी आद की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में ज्ञान करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आद या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) श्री जयराज।

(अन्तरक)

(2) श्री शिव कुमार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना, जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उक्त सम्बन्धी अधिकारी पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिक द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्थानकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**उपबोधरण :**—इसमें प्रायुक्त गवर्नर और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अनुसार 20-क में परिभासित हैं, वही गवर्नर होंगा, जो उस अधिनियम में दिया गया है।

**अनुसूची**

भूमि—सर्वे 617/3, नठुहट्टी (डाक्यूमेंट सं. 1087/80)

राधा बालकृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

दिनांक : 18-6-1981

मोहर:

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस०————

आवश्यक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(1) श्रीमती लखी।

(अन्तरक)

(2) श्री शिव कुमार।

(अन्तरित)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जून 1981

निदेश सं० 11137—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन्,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, निपक्ति उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मर्के 617 है, जो नडुहट्टी में स्थित है (और  
इसमें उगाढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय, कोटघिरी (डाक्यूमेंट  
सं० 1088/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, अवूबूर, 1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात्  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के वक्तीकार कर देने के अन्तरक के  
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में  
मेरे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित अक्षितियों, प्रथाएँ:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के इच्छने के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी अक्षितियों फर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
अक्षितियों में से किसी अक्षिति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर अन्तरित में हितवध  
किसी अन्य अक्षिति द्वारा, व्हारोहस्ताक्षरी के पास  
किसित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मनुष्यानी।

मूलि सं० 617/3; नडुहट्टी (डाक्यूमेंट सं०  
1088/80)।

राधा बालकृष्णन्  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 18-6-81  
मोहर:

प्रस्तुत वाइ. टी. एन्. एस.—

(1) श्रीमती वसन्ती।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जयलक्ष्मी।

(अन्तरितीं)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जून 1981

निदेश सं. 11136—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे 617/3 है, जो नठुहट्टी में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, कोटप्पी (डाक्यू-मेट सं. 1044/80), में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर, 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापर, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने वाली सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्ध आस्तियों को, जिस्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अस्तरीय द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिनाने में सुविधा के लिए;

भूमि सर्वे सं. 617/3, नठुहट्टी (डाक्यू-मेट सं. 1044/80)।

राधा बालकृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

बह: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधौर—

दिनांक: 18-6-1981

मोहर:

प्र० श्रीमती ईनदेवोरा।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती जयालक्ष्मी

(अन्तरिती)

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-JJ, मद्रास  
मद्रास, दिनांक 18 जून, 1981

कि यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः—** इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

निदेश सं० 11136—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन्,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सबै 617/3 है, तथा जो नठुहट्टी में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्टर्डीर्टा अधिकारी के कार्यालय, कोटघारी में (डाक्यू-  
मेंट सं० 1045/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरामात्र  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दूसरामात्र प्रतिफल से, ऐसे दूसरामात्र प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाप्तिक  
रूप से कथित नहीं किया गया हैः—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

राधा बालकृष्णन्

भूमि सबै सं० 617/3, नठुहट्टी (डाक्यूमेंट सं० 1045/  
80)

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

राधा बालकृष्णन्  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृतः—

दिनांकः 18-6-1981

मोहरः

प्रकल्प नं ३१० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती रुबा।

(प्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के प्रधीन सूचना

(2) श्रीमती जयालक्ष्मी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जून 1981

निदेश सं 11136—अतः मुझे, राष्ट्रा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-ग के प्रधीन सम्म प्राधिकारी को यह विश्वास फरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपय से अधिक है

और जिसकी सं 617/3 है, जो नठुहट्टी में स्थित है, (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, कोटधिरी (डाक्यू-मेंट सं 1048/80) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, अक्टूबर, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर्व प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आदित्यों को जिस्में भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अस्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकतयों, अधिकतः:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजनीति में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या दस्तावेजी अधिकतयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिकतयों में से किसी अधिक द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजनीति में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितेष्व जिसी अन्य अधिकती द्वारा अधोदस्तावरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त सब्जेक्टों और वदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रथं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सं 617/3, नठुहट्टी (डाक्यूमेंट सं 1048/80)

राष्ट्रा बालकृष्ण  
सम्म प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

दिनांक: 18-6-1981

मोहर:

प्रस्तुति आई. टी. एन. इच. ----

(1) श्री जयराज़ ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत  
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आमूल्य (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जून 1981

निदेश सं० 11136—यतः मूले, राष्ट्र बालकृष्णन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-प के अधीन संख्या प्राप्तिकरी को, यह विश्लेष करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

ओर फ़िरकी सं० सर्वे सं० 617/3, है, जो नटुहट्टी में स्थित है  
(ओर इससे उपावड़ अनुसूची में और पुर्ण रूप से वर्णित है),  
रफ़िस्ट्री अधिकारी के कार्यालय, कोटधिरी (डाक्यूमेंट  
सं० 1051/80) में भारत यरिज्स्ट्रेकरण अधिनियम, 1980  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर, 1980  
को प्रकौरित सम्पत्ति के उचित कानून मूल्य से कम के दद्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्लेष करने  
वा दारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दद्यमान प्रतिफल से, ऐसे दद्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरीक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अस्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(2) श्रीमती जयलक्ष्मी ।

(अन्तरक)

को यह सूचना पारी करके प्राप्तिकरी के बर्जन को लिए  
कार्यकृत हायां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षय :—

- (क) इह सूचना के उपर्यन्त में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर  
सूचना की लागीदर से 30 दिन की अवधि या भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्राप्तिकरी  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इह सूचना के राप्रकृति में फ़्लम्हान की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध  
टिक्की अथवा व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
विद्वित में किया जा सकते हैं ।

**प्राप्तिकरण :—**इसके अनुद्धरण से और इसे का, जो उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दर्ते के अन्तरक के शामिल  
में की करने या उसके अनुद्धरण में सुविधा के लिए;  
और/या

**मूल्यांकन**

(क) कन्तरण से हरू किसी आम की वस्तु, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दर्ते के अन्तरक के शामिल  
में की करने या उसके अनुद्धरण में सुविधा के लिए;

मूल्य सर्वे सं० 617/3, नटुहट्टी (डाक्यूमेंट सं० 1051/80) ।

(द) एसी किसी आम या किसी भूमि अमिल्डों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भूमि  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ।

राधा बालकृष्णन  
मध्यम प्राधिकारी  
महायक आयकर आमूल्य (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़-II, मद्रास

अह: अब, उक्त अधिनियम, को भारा 269-ग के अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिकारी की धारा 269-प की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

16—156GI/81

दिनांक: 18-6-1981

मोहर:

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-11, the 18th June 1981

No. A-32013/3/79-Admn. I.—In continuation of Union Public Service Commission's notification of even number dated 26-2-81, the President is pleased to appoint Shri B. Das Gupta, a permanent Grade I officer of the C.S.S. cadre of U.P.S.C., to officiate in the Selection Grade of the C.S.S. as Deputy Secretary in the same office on an ad-hoc basis, for a further period of 3 months w.e.f. 3-4-1981 to 2-7-1981, or until further orders whichever is earlier.

Y. R. GANDHI,  
Under Secy. (Admn.)  
Union Public Service Commission

---

MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.  
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 23rd June 1981

No. A-19036/10/75-Ad.-V.—The services of Shri V. G. Deshpande, Dy. Supdt. of Police on deputation to Central Bureau of Investigation from Maharashtra Police have been placed back at the disposal of Maharashtra Govt. with effect from 1-6-1981 Forenoon.

No. A/19036/19/80/Ad. V.—The services of Shri P. Janardhan Reddy, Dy. Supdt. of Police on deputation to Central Bureau of Investigation from Andhra Pradesh Police have been placed back at the disposal of Andhra Pradesh Govt. with effect from 26-5-81 Afternoon.

The 24th June 1981

No. A-31016/133/80-AD-I (DPC).—In exercise of the powers conferred by Rule 9(2), of the Central Civil Services (classification, Control & Appeal), Rules, 1965, the Director, CBI and Inspector General of Police, SPE, hereby appoints Shri L. N. Rajpal, as Senior Scientific Asstt. (Photography) CFSL, CBI in a substantive capacity w.e.f. 20-9-1979.

Q. L. GROVER,  
Administrative Officer (E)  
C.B.I.

---

OFFICE OF THE DIRECTOR-GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110019, the 22nd June 1981

No. E-16013(2)/1/80-Pers.—On his transfer on deputation, Shri Damodar Sarangi, JPS (WB : 72) assumed the charge of the post of Commandant, CISF Unit, Paradip Port Trust, Paradip, with effect from the forenoon of 12th May, 1981.

No. E-38013(4)/5/81-Pers.—On his promotion Shri Satya Paul Kinkra assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Training Reserve, Eastern Zone, Calcutta, w.e.f. the forenoon of 14-5-1981.

No. E-38013(4)/5/81-Pers.—On his transfer from Durgapur, Shri C. D. Kukreti assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit, BCCL Jharia, w.e.f. the forenoon of 27th April, 1981.

No. E-38013(4)/5/81-Pers.—On his transfer to Jharia, Shri C. D. Kukreti, relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Training Reserve (E/Zone) with H.Q. at C.I.S.F. Unit, ASF Durgapur, w.e.f. the afternoon of 16th April, 1981.

No. E-38013(3)/21/79-Pers.—On his transfer to Rourkela, Shri U. P. Behera, relinquished the charge of the post of Assistant Commandant, C.I.S.F. Eastern Zone Training Reserve at Paradip Port Trust, Paradip, with effect from the forenoon of 12th May, 1981.

SURENDRA NATH,  
Director Genera

## OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 23rd June 1981

No. 11/72/80-Ad. I.—The President is pleased to appoint, by promotion, the under-mentioned Deputy Directors of Census Operations to the post of Joint Director of Census Operations on a purely temporary and *ad-hoc* basis in the offices as mentioned against their names, for a period not exceeding one year with effect from the date as mentioned against their names or till the posts are filled in, on a regular basis, whichever period is shorter:

S. No.	Name of the Officer	Office in which working	Date of appointment
1	2	3	4
S/Shri			
1.	Abdul Gani . . .	DCO, Jammu & Kashmir, Srinagar	25-5-1981 (F.N.)
2.	S. Sinha . . .	DCO, West Bengal, Calcutta	28-5-1981 (F.N.)
3.	Ardaman Singh . . .	DCO, U.T. Chandigarh, Chandigarh	23-5-1981 (F.N.)
4.	A. W. Mahatme . . .	DCO, Maharashtra, Bombay	22-5-1981 (F.N.)
5.	Dr. H. Majumdar . . .	RG's Office, New Delhi.	22-5-1981 (F.N.)

2. Shri Ardaman Singh will also continue to function as Director of Census Operations, U.T. Chandigarh, in an *ex-officio* capacity.

3. The headquarters of S/Shri Gani, Sinha, Singh, Mahatme and Dr. Majumdar will be, at Srinagar, Calcutta, Chandigarh Bombay and New Delhi respectively.

The 26th June 1981

No. 10/11/81-Ad. I.—The President is pleased to appoint Dr. M. Holla, an officer belonging to Grade I of the Indian Statistical Service, and at present working as Deputy Registrar General (Vital Statistics) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Joint Registrar General, India in the same office, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, with effect from the forenoon of the 22nd June, 1981, for a period not exceeding one year or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Dr. Holla will be at New Delhi.

P. PADMANABHA,  
Registrar General, India

## MINISTRY OF FINANCE

(DEPTT. OF E. A.)

INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 24th June 1981

No. 584/A.—The undersigned hereby appoints Shri S. A. Khan, Inspector Control (Class III Non-Gazetted),

India Security Press, Nasik Road, to officiate as Deputy Control Officer (Class II Gazetted post) in India Security Press, in the revised scale of Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-E.B.-40-1200 on an adhoc basis w.e.f. 17th June, 1981 F.N. for Six months or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

P. S. SHIVARAM  
General Manager

**INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I  
MADHYA PRADESH**

Gwalior, the 23rd June 1981

No. Admn. 1/P.F.-R.N.W./109.—Shri R. N. Wanare (01/481) officiating Accounts Officer is retired from Government service w.e.f. 30-6-1981 afternoon on attaining the age of Superannuation.

Sd/- (Illegible)  
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

**MINISTRY OF DEFENCE  
DGOF HQrs. CIVIL SERVICE  
ORDNANCE FACTORY BOARD**

Calcutta-700069, the 26th June 1981

No. 14/81/A/E-1 (NG).—The Director General, Ordnance Factories has accepted the resignation tendered by Shri Deb-datta Mukherjee, Ty. A.S.O. His name is struck off the strength of this office w.e.f. 2-6-81 (A.N.).

D. P. CHAKRAVARTI  
ADGOF/Admin.  
for Director General,  
Ordnance Factories.

Calcutta, the 24th June 1981

No. 3/81/A/M.—The President is pleased to accept the resignation of the undermentioned Assistant Medical Officers/Junior Medical Officer. Accordingly, their names are struck off strength from the Ordnance Factories Organisation from the date mentioned against each :—

Sl. No.	Name and Designation	Name of the Factory where posted	Date	Remarks
1	2	3	4	5
1.	Dr. (Mrs.) S. A. Rao, A.M.O.	Gun Carriage Fy. Jabalpur	31-5-80 (A.N.)	Resigned
2.	Dr. Chander Kant, A.M.O.	Ordnance Fy. Ambarnath	5-6-80 (A.N.)	Do.
3.	Dr. D. S. Anvekar, A.M.O.	Ammunition Fy. Kirkee	2-7-80 (A.N.)	Do.
4.	Dr. H. Veer-bhadrappa, A.M.O.	Cordite Fy. Aruvankadu	18-7-80 (A.N.)	Do.
5.	Dr. A. Tyagi A.M.O.	Ordnance Fy. Bhandara	1-8-80 (A.N.)	Do.
6.	Dr. (Mrs.) Renu Narula, A.M.O.	Clothing Fy. Shahjahanpur	13-8-80 (A.N.)	Do.

1	2	3	4	5
7.	Dr. V. K. Chadha, A.M.O.	Clothing Fy. Shahjahanpur	30-8-80 (A.N.)	Resigned
8.	Dr. J. K. Bhaduri, A.M.O.	Gun & Shell Fy. Cossipore	10-9-80 (A.N.)	Do.
9.	Dr. R. V. Reddy, A.M.O.	Clothing Fy. Avadi	6-11-80 (A.N.)	Do.

O. P. BAHL  
Addl. DGOF/Member  
(Per.)

**DIRECTORATE GENERAL FACTORY ADVICE SERVICE & LABOUR INSTITUTES**

Bombay-400022, the 24th June 1981

No. 5/2/81-Estt.—The Director General, Factory Advice Service & Labour Institutes, Bombay is pleased to appoint the undermentioned officers to the post of Research Officer (Chemical) in the Directorate General Factory Advice Service & Labour Institutes Organisation in a substantive capacity with effect from the date mentioned against their names :—

Shri S. S. Gautam 21-5-1976  
Shri G. K. Pandey 15-12-1977

A. K. CHAKRABARTY  
Director General.

**MINISTRY OF COMMERCE**

**OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS**

New Delhi, the 25th June 1981

**IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)**

No. 6/439/56-Admn. (G.)/3791.—The President is pleased to grant extension of service for a period of two years to Shri Takhat Ram, an officer of the Selection Grade of the C.S.S. and Joint Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, beyond the age of his superannuation with effect from 1st June, 1981.

MISS ROMA MAZUMDAR  
Chief Controller of Imports & Exports

**MINISTRY OF INDUSTRY  
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)**

**OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER  
SMALL SCALE INDUSTRIES**

New Delhi-110011, the 26th June 1981

No. A-19018/545/81-Admn. (G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri N. P. Mohanty, Small Industry Promotion Officer (Economic Investigation & Statistics), in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi as Asstt. Director (Gr. II) (Economic Investigation/Data Bank) on ad-hoc

basis at Small Industries Service Institute, Cuttack with effect from the forenoon of 20th April, 1981, until further orders.

C. C. ROY  
Dy. Director (Admn.)

#### DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 26th June 1981

No. E. 11 (7).—In this Department's Notification No. E. 11 (7) dated the 11th July, 1969, under Class 2—**NITRATE MIXTURE**, add “INDOCOAL P-3 for carrying out trial manufacture and tests at the C.M.R.S., Dhanbad” after the entry ‘INDOCOAL-3’.

CHARANJIT LAL  
Chief Controller of Explosives

#### MINISTRY OF STEEL AND MINES

##### DEPARTMENT OF MINES

##### INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 25th June 1981

No. A. 19012 (110)/78-Estt. A.—Shri V. S. Dangre, officiating Deputy Librarian, Indian Bureau of Mines is appointed as Librarian on adhoc basis in the leave vacancy of Shri D. N. Ghare, Librarian with effect from 20-4-1981 to 3-6-1981.

S. V. ALI  
Head of Office  
Indian Bureau of Mines

#### DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 27th June 1981

No. 5 (5) 68-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri D. Logasigamani, Transmission Executive, All India Radio, Madras as Programme Executive All India Radio, Tiruchirapalli in a temporary capacity on an *ad hoc* basis with effect from 3rd June, 1981 and until further orders.

H. C. JAYAL  
Dy. Director of Administration  
for Director General

#### MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-26, the 24th June 1981

No. 6/25/54-Est. I.—On attaining the age of superannuation, Shri Y. J. Kenny, Laboratory Engineer, Films Division, New Delhi retired from service from the forenoon of the 1st June, 1981.

S. N. SINGH  
Assistant Administrative Officer

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 24th June 1981

No. A. 19012/4/81-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri P. Raju, in the post of Assistant Depot Manager, Government Medical Store Depot, Mad-

ras, with effect from the forenoon of the 1st June, 1981, on an *ad hoc* basis and until further orders.

SHIV DAYAL  
Deputy Director Administration (Stores)

New Delhi, the 25th June 1981

No. A. 32014/2/80 (H.Q.) Admn.-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint S/Shri M. S. Sehgal and B. H. Atuja to the posts of Assistant Architect in the Dte. G.H.S., New Delhi in a temporary capacity w.e.f. the 6th Jan., 1981 (A.N.) and 24th March, 1981 (F.N.) respectively until further orders.

T. C. JAIN  
Dy. Director Admn.

#### MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Fazlabad, the 24th June 1981

No. A. 19023/11/81-A. III.—On the recommendations of the Union Public Commission, Shri R. P. Chaturvedi, Assistant Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Faridabad in the forenoon of 1-6-1981, until further orders.

2. Consequent on his appointment as M.O., Shri Chaturvedi relinquished the charge of the post of A.M.O. at Faridabad in the forenoon of 1-6-81.

B. L. MANIWAR  
Director of Administration  
for Agricultural Marketing Adviser  
to the Govt. of India

#### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400001, the 22nd June 1981

No. DPS/A/32011/3/76/Est./12243.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated June, 4, 1981, the Director, Purchase & Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri Karuvathil Raveendran, a temporary Assistant of this Directorate to officiate as an Assistant Personnel Officer on an adhoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 for a further period upto June, 6, 1981 (A.N.).

K. P. JOSEPH  
Administrative Officer

#### (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 23rd June 1981

No. AMD-1/32/80-Rect.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri P. Maruthiram as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of 5th June, 1981 until further orders.

M. S. RAO  
Sr. Administrative & Accounts Officer

#### HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 26th June 1981

No. Ref. 03800/R4/OP/4624.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri A. John Stephen, a temporary Upper Division Clerk of Heavy Water Plant (Tuticorin) to

officiate as Assistant Personnel Officer, in the same office, in a temporary capacity, on ad-hoc basis w.e.f. April 14, 1981 (F.N.) to May 30, 1981 (A.N.) vice Shri G. Padmanabhan, Assistant Personnel Officer appointed to officiate as Administrative Officer.

R. C. KOTANKAR  
Administrative Officer

## DEPARTMENT OF SPACE

## SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380053, the 11th June 1981

No. S.A.C./Est./ISCES/9003/81.—The Director, SAC, is pleased to appoint Shri Rajesh M. Bhalja as Engineer SB (Mechanical) in a temporary capacity in the Space Applications Centre of Department of Space, with effect from the forenoon of May 15, 1981 for a period upto November 30, 1981.

C. R. SHAH  
Administrative Officer-II

## INSAT-I SPACE SEGMENT PROJECT OFFICE

Bangalore-560001, the 18th June 1981

No. 32-1-42.—The Project Director, INSAT-I Space Segment Project Office, Department of Space is pleased to promote Shri S. Sivabdu an officiating Accounts Assistant 'B' as an Assistant Accounts Officer with effect from the forenoon of 30-4-1981 in the same office in an officiating capacity and until further orders.

R. S. SUBRAMANIAN  
Administrative Officer-II  
for Project Director, INSAT-I,  
S.S.P.O.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF  
CIVIL AVIATION

New Delhi, the 30th May 1981

No. A. 32013/8/80-E.A.—The President has been pleased to sanction proforma promotion of Shri P. C. Vyas, Senior Aerodrome Officer, to the grade of Deputy Director in an officiating capacity with effect from 26-11-1980.

The 9th June 1981

No. A-31013/4/80-E.I.—The President has been pleased to appoint Shri D. N. Bhardwaj in the post of Director, ARA in the Civil Aviation Department in a substantive capacity with effect from the 23rd February, 1980.

The 24th June 1981

No. A-32013/2/81-E.I.—The President is pleased to appoint Shri R. V. Ranadive, Director of Regulations & Information, Civil Aviation Department to the post of Deputy Director General in the same Department on ad-hoc basis with effect from 20-6-81 and upto 30-9-81 or till the appointment is made on regular basis whichever is earlier.

S. GUPTA  
Deputy Director of Administration

## OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 24th June 1981

No. 1/156/81-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri S. Perumal, Superintendent, Madras Branch as Assistant Administrative Officer,

in an officiating capacity, in the same Branch, with effect from the forenoon of the 16th April, 1981 and until further orders.

No. 1/186/81-Est.—The Director General, Overseas Communications service, hereby appoints Shri Balvinder Singh Matheru as Assistant Engineer, in a temporary capacity in the Switching Complex, Bombay with effect from the forenoon of the 1-5-1981 and until further orders.

No. 1/208/81-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri H. S. Johar, Technical Assistant, New Delhi, as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the A.S.E.S., Lachhiwala, Dehra Dun with effect from the forenoon of the 30th May, 1981 and until further orders.

No. 1/287/81-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri B. B. Lal, Technical Assistant, New Delhi as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the same Branch, with effect from the forenoon of the 17th March, 1981 and until further orders.

No. 1/337/81-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri G. C. D'Lima, Supervisor, Bombay Branch as Dy. Traffic Manager, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 3-2-81 to 28-2-81, against short-term vacancy, purely on ad-hoc basis.

No. 1/344/81-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. K. Chatterjee, Supervisor Calcutta as Dy. Traffic Manager, in an officiating capacity in the same Branch, for the periods from 21-10-80 to 4-11-80 and 1-12-80 to 20-1-81, against short-term vacancy purely on ad-hoc basis.

No. 1/480/81-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri P. V. Subba Rao Tech. Assistant, Madras Branch as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the same Branch, with effect from the forenoon of the 24th March, 1981 and until further orders.

The 25th June 1981

No. 1/230/81-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri R. S. Kureel, Tech. Assistant, A.S.E.S., Lachhiwala, Dehra Dun as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the same Branch with effect from the forenoon of the 4th May, 1981 and until further orders.

No. 1/488/81-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri R. S. Yadav, Technical Assistant, New Delhi Branch as Assistant Engineer, in an officiating capacity in the same Branch, with effect from the forenoon of the 18th March, 1981 and until further orders.

No. 1/493/81-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri C. S. Sastry, Technical Assistant, Arvi as Assistant Engineer, in an officiating capacity in the Madras Branch with effect from the forenoon of the 3-4-81 and until further orders.

The 26th June 1981

No. 1/299/81-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri T. B. S. Velu, Assistant Administrative Officer, Madras Branch as Admin. Officer, in an officiating capacity, in the Troposcatter Field Office, Srinagar with effect from the forenoon of the 14th April, 1981 and until further orders.

No. 1/29/81-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Aniruddha Ray, Technical Assistant, SWC, Bombay as Assistant Engineer, in an

officiating capacity, in the same office, with effect from the forenoon of the 19th March, 1981 and until further orders.

H. L. MALHOTRA  
Dy. Director (Admn.)  
for Director General

#### FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 26th June 1981

No. 16/262/77-Ests.-I.—The President, FRI & Colleges, has been pleased to appoint Shri U. C. Dandriyal, Asstt. Librarian, FRI & Colleges, as Librarian in the same office on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 4th May, 1981 until further orders.

O. N. KAUL  
Registrar  
Forest Research Institute & Colleges

#### MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-38, the 24th June 1981

No. 1-TR(5)/79.—The President is pleased to appoint Shri Percy Gonsalves, an Officer on deputation from the Mogul Line Ltd., Bombay as Engineer Officer on the T. S. Rajendra, Bombay on an *ad-hoc* basis with effect from 10-12-1980 (F.N.) until further orders.

K. S. SIDHU  
Dy. Director General of Shipping  
for Director General of Shipping.

#### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 27th June 1981

No. A-19012/896/81-Estt. V.—Chairman, C.W.C. hereby appoints Shri V. K. Hejib, Supervisor to officiate in the grade of E.A.D./A.E. (Engg.) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-E.B.-40-1200 for a period of six months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 13-3-1981.

A. BHATTACHARYA  
Under Secy.  
Central Water Commission.

New Delhi, the 27th June 1981

F. No. A. 19014/5/80-Adm. IV/Estt.I.—On the expiry of the prescribed notice of period of three months, Shri T. N. Wangmo, Chief Librarian, Central Water Commission retired voluntarily from service under F.R. 56 (K) with effect from the afternoon of 15th June, 1981.

K. L. BHANDULA  
Under Secy.

#### MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) (COMPANY LAW BOARD)

#### OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES,

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Shaktiman Films (Punjab) Private Limited*

Jullundur City, the 20th June 1981

No. G/STAT/560/3688/1765.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act,

1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Shaktiman Films (Punjab) Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

N. N. MAULIK  
Registrar of Companies,  
Punjab, H.P. and Chandigarh.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of Aligarh Dayalbagh Stores Private Limited (in liquidation)*

Kanpur, the 23rd June 1981

No. 9237/938/L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (4) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Aligarh Dayalbagh Stores Private Limited (In liquidation) unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of Juggilal Kamlapat Gas Plant Mfg. Company (Rampur) Private Limited*

Kanpur, the 24th June 1981

No. 9287/1103/L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Juggilal Kamlapat Gas Plant Mfg. Co. (Rampur) Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of Himalayan Importers & Exporters (Private) Limited*

Kanpur, the 24th June 1981

No. 9286/3972/L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Himalayan Importers & Exporters Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of Ganga Electrical Manufacturing Company Private Limited.*

Kanpur, the 24th June 1981

No. 9298/3532/L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Ganga Electrical Mfg. Company Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of Lucknow Stock Exchange Limited*

Kanpur, the 24th June 1981

No. 9283/4636/L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Lucknow Stock Exchange Limited unless cause is known to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

V. P. KAPOOR  
Registrar of Companies, U.P.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s.  
Motilal Sons Private Limited*

Ahmedabad, the 23rd June 1981

No. 421/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Motilal Sons Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

V. Y. RANE  
Asstt. Registrar of Companies  
Gujarat

**CORRIGENDUM**

*In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Pandian Publications Limited*

Madras-600006, the 25th June 1981

No. 7071/560 (5)/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Pandian Publications Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

(Sd.) ILLEGIBLE  
Asstt. Registrar of Companies  
Tamil Nadu, Madras.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Jasmine Transports Private Limited*

Madras-600006, the 26th June 1981

No. 5075/560 (5)/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Jasmine Transports Private Limited has this

day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Sri Narayana Sugars Private Limited*

Madras-600006, the 26th June 1981

No. 4725/560(5)/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Sri Narayana Sugars Private Limited, has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Majestic Textiles Limited*

Madras-600006, the 26th June 1981

No. 4938/560(5)/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Majestic Textiles Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

(Sd.) ILLEGIBLE  
Asstt. Registrar of Companies  
Tamil Nadu, Madras

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Vajra Dairy Farming Company Private Limited*

Bangalore, the 27th June 1981

No. 2948/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Vajra Dairy Farming Company Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

P. T. GAJWANI  
Registrar of Companies  
Karnataka, Bangalore

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th June, 1981

Whereas I, M.J. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 29-10-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Gulab Kanwar,  
C-4-A, Sawai Jai  
Singh Highway,  
Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Krishna Kumar Kedia,  
2, Ganesh Colony,  
J.L. Nehru Marg,  
Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

**THE SCHEDULE**

Plot No. 3 C4A/2 situated at Sawai Jai Singh Highway, Bani Park, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 2806 dated 29-10-1980.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 18-6-1981  
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th June, 1981

Whereas I, M.L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 29-10-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—156GI/81

(1) Shri Gulab Kanwar, Jai Singh  
Highway Bani Park,  
Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Banarsi Pd. Kedia,  
2, Ganesh Colony  
J.L. Nehru Marg,  
Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot of land No. C4(A) (1), Sawal Jai Singh Highway, Bani Park, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2807 dt. 29-10-80.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 18-6-1981

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 18th June, 1981

Whereas I, M.L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jaipur on 25-10-80  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Prabhudayal Khandelwal,  
Near Truck Stand,  
Agra Road,  
Jaipur.

(Transferor)

(2) Smt. Chandra Kanta Devi w/o  
Radhey Shyam Jangam,  
Udhishtra Mag,  
C-Scheme,  
Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

**THE SCHEDULE**

Plot No. 7A Udhishtra Marg, C-Scheme Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2745 dt. 25-10-80.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 18-6-81  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th June, 1981

Whereas I, M.L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land situated at Sarangpura (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sanganner on 23-10-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri S. Kumar s/o Nathi Lal Aggrawal, Jaipur.

(Transferor)

(2) Vikramaditya Trust, Through Trustee Shri Harish Chandra Golecha, C-83, P.R. Marg, C-Scheme, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/2 share in 25 Bighas of agricultural land situated at Village Sarangpura, Teh. Sanganner and more fully described in registration No. 656 dt. 23-10-1980.

M.L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 18-6-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Shri S. Kumar s/o  
Nathi Lal Aggrawal,  
Jaipur.

(Transferor)

(2) M/s, Udaipur Mineral Development  
Syndicate Pvt. Ltd., Jaipur.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th June, 1981

Whereas I, M.L. CHAUHAN  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Sarangpura  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sanganer on 23-10-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/2 share in agricultural land situated at Village Sarangpur Teh. Sanganer and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Sanganer vide registration No. 655 dt. 23-10-1980.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 18-6-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Jagjivan Grah Nirman Sahkari Samiti Ltd., Jaipur.

(Transferor)

(2) M/s. Anil Steel & Industries Ltd., Jaipur.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 18th June, 1981

Ref. No. —Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 8-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Plot No. 2 Kalyan Kunj, Civil Lines, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2520 dated 8-10-80.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-6-1981  
Seal :

**FORM HTNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th June, 1981

Ref. No. .—Whereas I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 7-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) M/s. Jagjivan Grah Nirman Sahakari Samiti Ltd., Jaipur.  
(Transferor)
- (2) M/s. Shalimar Industries Pvt. Ltd., Jaipur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Plot No. 7 Kalyan Kunj, Civil Lines, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide registration No. 2519 dt. 7-10-80.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 18-6-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th June, 1981

Ref. No. . . . Whereas I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 3-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Vikramaditya  
S/o Shri Raghuvir Singh  
Karta of HUF. and  
Wife Smt. Maya Devi,  
Jaipur.

(Transferor)  
(2) M/s. Jagjiwan Grah Nirman Sahkari Samity Ltd.,  
Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Kalyan Kunj Civil Lines, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2468 dated 3-10-1980.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 18-6-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 18th June, 1981

Ref. No. .—Whereas I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 3-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Vikramaditya  
S/o Shri Raghuvir Singh  
Civil Lines,  
Jaipur.

(Transferor)

(2) M/s. Jagjivan Grah Nirman Sahakari Samiti Ltd.,  
Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

**THE SCHEDULE**

Plot of land No. 5 Kalyan Kunj Civil Lines, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No. 2469 dated 3-10-1980.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 18-6-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th June, 1981

Ref. No. .—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 7-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Sardar Kanwar,  
Kalyan Kunj,  
Civil Lines,  
Jaipur.

(2) Shri Surendra Kumar Bahal,  
M. I. Road,  
Jaipur.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot No. 1 Kalyan Kunj, Civil Lines, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vide Regn. No. 2302 dated 7-10-1980.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 18-6-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
18—156GI/81

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE**  
Bangalore-560001, the 19th June, 1981  
C. R. No. 62/28565/80-81/Acq./B.—Whereas, I, R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. T. S. No. 175-A1B3B & R. S. No. 1820-A1B3B situated at Kasaba Bazar Village, Fort Ward, Mangalore City, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mangalore under Document No. 885/80-81 on 29-10-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri K. Krishna Rao,  
S/o K. Subbanna Bhat  
Agent A. Sripathi Rao,  
S/o A. Laxminarayana Rao,  
Director,  
Shankar Vittal Motors Co.  
Mangalore.

(Transferor)

(2) Shri M. Radhakrishna,  
Managing Director,  
Mangalore Metal House,  
Sri Venkateswara Buildings,  
Bunder,  
Mangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

(Registered Document No. 885/80-81, dated 29-10-1980)

All that property bearing R. S. No. 1820-A1B3B & T. S. No. 175-A1B3B with Buildings situated at Kasaba Bazar Village, Fort Ward, Mangalore city.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

R. THOTHATHRI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 19-6-1981

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri T. L. Padavanabha Gupta,  
No. 466/A, III Block,  
Jayanagar,  
Bangalore-11.

(Transferor)

(2) Shri Shivaji Velji Ruparel,  
No. 13, H. Ramaiah Lane,  
Seebeli,  
Bangalore-52.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 24th June, 1981

C. R. No. 62/28892/80-81/Acq./B.—Whereas I, R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 16, situated at Kalappa Block, Ramachandrapuram, Bangalore-20

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sirimpuram, Bangalore under document No. 3053/80-81 on 23-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3053/80-81, dated 23-10-1980)  
All that property bearing No. 16, situated at Kalappa Block, Ramachandrapuram, Bangalore-20 Bounded by :

On North : Road  
On South : Private property  
On East : Private property  
On West : Road

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. THOTHATHRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 24-6-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th June, 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/85.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing .

No. One shop situated in Chhoti Dhab Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Narain,  
Shri Jugal Kishore and  
Shri Rattan Chand  
ss/o Shri Balmukand  
r/o Dhab Wasti Ram,  
Amritsar.

(Transferor)

(2) Shrimati Raj Rani  
w/o Shri Khushal Chand  
r/o Katra Bhai Sant Singh  
Gali Gosain and  
Shrimati Shakuntla Rani  
w/o Shri Prem Nath Anand  
r/o Nimak Mandi,  
Kucha Bhathi Wala,  
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

One shop No. 21/7/1 situated in Dhab Wasti Ram Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2017/I dated 1-10-1980 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH (IRS.)  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar,

Date : 12-6-1981  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 12th June, 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/86.—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land in village Manawala situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Km. Abe Rani alias Satinder Kaur  
d/o Ajit Singh,  
Patinder Pal Kaur  
d/o Ajit Singh,  
Amarjit Kaur alias Smt. Sarabjit Kaur  
d/o Manmohan Singh  
r/o Mana Wala,  
Amritsar.

(Transferor)

(2) S/Shri Paraminder Singh,  
Sukhwinder Singh,  
Bajit Singh,  
Gurinder Singh,  
Surinder Singh  
ss/o Shri Jarnail Singh  
r/o Mana wala,  
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.  
(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land measuring 40 Kanals situated in Manawala, Teh. Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 6180 dated 31-10-1980 of the registering authority, Amritsar.

**ANAND SINGH (IRS.)**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 12-6-1981

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th June 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/87.—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One house in Daya Nand Nagar, (Lawrance Road) situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kartar Singh  
s/o Teja Singh  
r/o England  
through S. Sukhwant Singh  
s/o Beant Singh  
r/o 64 Golden Avenue  
(Mukhtar Aam),  
Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Dina Nath  
s/o Shri Sunder Dass  
r/o 106/2 Daya Nand Nagar,  
Lawrance Road,  
Amritsar.  
New No. 1585/XIII-21, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

One house No. 106/2 & 1585/XIII-21, situated in Daya Nand Nagar, (Lawrance Road) Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2126/I dated October, 1980 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 12-6-1981

Seal :

**FORM ITN8****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 12th June, 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/88.—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot of land situated at Rani Ka Bagh, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar in October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Maj. Manjit Singh,  
Maj. Paramjit Singh  
ss/o Gurdip Singh  
through Jatinder Jit Singh  
alias Tajinder Singh  
self & mukhtar aam and  
Ruminder Jit Singh  
alias Raminder Singh  
r/o 17-A Rani Ka Bagh,  
Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Saroj Rani  
w/o Onkar Nath  
r/o 43 First Floor,  
Rani Ka Bagh,  
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

One plot of land measuring 250 sq. yds. hav8ng No. 17A, situated in Rani Ka Bagh, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2091/I dated October, 1980 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 12-6-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR  
Jullundur, the 20th June, 1981

Ref. No. A. P. No. 2670.—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Adarsh Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Subedar Sadhu Singh  
s/o Sunder Singh  
r/o V, Chak Gona,  
Tehsil Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Satish Kumar  
S/o Kashmirl Lal,  
115-Adarsh Nagar,  
Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 4604 of October, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 20-6-1981  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 30th May, 1981

Ref. No. R. A. C. No. 77/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land situated at Sahebnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad East on October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. B. Satyanarayana  
Sahebnagar,  
Hyderabad  
2. M/s. V. Pratap Reddy,  
Managing Partner  
H. No. 3-3-1002, Kutbiguda,  
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) M/s. Kothapet Co-operative Housing Society  
Rep. by President Ganesh Pershad,  
16-2-805, Sakesar Bazar,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Land at Sahebnagar Hyderabad extent 2 Acres in Survey No. 201/3 registered with Sub-Registrar Hyderabad East vide Document No. 10074/80.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 30-5-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
19—156GI/81

## FORM TNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 19th June, 1981

Ref. No. R. A. C. No. 98/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House 19, 20, 20A, 21, 22, 23, 24 situated at Subash Road, Anantapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anantapur on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sardar Rajendra Paul Singh  
S/o Late Sardar Ranjit Singh  
60, H. Siddaiah Road,  
Bangalore City.

(Transferor)

(2) 1. Sri Boodili Narayana Reddy, S/o Nagi Reddy,  
2. Shri B. N. Rajasekhara Reddy S/o Narayana Reddy,  
3. Shri B. Nagireddy S/o Narayana Reddy, 4. Sri B. Venugopal Reddy S/o Nagireddy, 5. Sri B. Chandra Mohan Reddy S/o Narayana Reddy,  
6. B. Vijayashimhareddy S/o Narayana Reddy, 7. B. Sadashiva Reddy S/o Nagireddy, 8. Sri B. Srinivasa Reddy S/o Sri Sadashiva Reddy, 9. Sri B. S. Ravisan-kara Reddy S/o Sri Sadashivareddy, all residing at Boodili, Hindupur Taluk, Anantapur District. 10. Sri M. Srinivasa Reddy S/o Sri Ramireddy Anantapur, 11. Sri K. Laxmipathi Reddy S/o Pedda Venkata Siva Reddy Kaganupalli H/o Boodili Now residing at Maruthi Lodge, Anantapur, 12. Sri B. Narasimha Reddy S/o Adi Narayana Reddy, Advocate, Ananthapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE .**

Property bearing No. 19, 20, 20A, 21, 22, 23 and 24 in old ward No. 4 New ward No. 9 present ward No. 13 situated at Subash Road, Anantapur, Registered with Sub-Registrar Anantapur vide Document No. 6563/80.

**S. GOVINDARAJAN**

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad,

Date : 19-6-1981

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 21st May, 1981

Ref. No. 904/Acq. Range-III/81-82.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 116/1/1, situated at Mahatma Gandhi Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Lala Raghuball Charity Trust.

(Transferor)

(2) Ravi Shankar Prasad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

All that undivided 1/9th share of the house property being premises No. at 116/1/1, Mahatma Gandhi Road, Calcutta, together with land measuring 1587.36. sq. meters.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, III, Calcutta.

Date : 21-5-1981  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Lala Raghunath Charity Trust.

(Transferor)

(2) Smt. Meena Seth.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA**  
Calcutta, the 21st May, 1981

Ref. No. 905/Acq. R-III/81-82—Whereas I, I. V. S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 116/1/1, situated at Mahatma Gandhi Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

All that undivided 1/9th share of the house property being premises No. at 116/1/1, Mahatma Gandhi Road, Calcutta together with land measuring 1587.360 sq. meters.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date : 21-5-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## Form I.T.N.S.—

(1) Lala Raghunath Charity Trust

(Transferor)

(2) Gopal Krishna Khurana

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 21st May 1981

Ref. No. 906/Acq. R-III/81-82.—Whereas I, I.V.S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 116/1/1, situated at Mahatma Gandhi Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

All that undivided 1/9th share of the house property being premises No. 116/1/1, at Mahatma Gandhi Road, Calcutta together with land measuring 1587.360 sq. metres.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date : 21-5-1981

Seal :

**FORM ITNB****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA**  
Calcutta, the 21st May 1981

Ref. No. 907/Acq. R-III/81-82.—Whereas I, I. V. S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 116/1, situated at Mahatma Gandhi Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Edna Ragbirfull Charity Trust

(Transferor)

(2) Smt. Usha Kumari Khurana.

(Transferee)

'Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

All that undivided 1/9th share of the house property being premises No. 116/1/1, at Mahatma Gandhi Road, Calcutta together with land measuring 1587.360 sq. metres.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Calcutta  
Date : 21-3-1981  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1), Q.E., THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri-Lala Raghumal Charity Trust.

(Transferor)

(2) Shri Rajesh Seth

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 21st May 1981

Ref. No. 908/Acq. R-III/81-82.—Whereas I, I. V. S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 116/1/1, situated at Mahatma Gandhi Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (4 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that undivided 1/9th share of the House property being Premises No. at 116/1/1, Mahatma Gandhi Road, Calcutta, together with land measuring 1587.360 sq. metres.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to following persons namely:—

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date : 21-5-1981

Seal :

## FORM ITNS

(1) Lala Raghunath Charity Trust

(Transferor)

(2) Khushal Kumar Kumar

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 21st May 1981

Ref. No. 909/Acq. R.-III/81-82.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 116/1/1, situated at Mahatma Gandhi Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that undivided 1/9th share of the house property being Premises No. at 116/1/1, Mahatma Gandhi Road, Calcutta, together with land measuring 1587.360 sq. metres.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date : 21-5-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

(1) Lala Raghunath Charity Trust

(Transferor)

(2) Smt. Gulabi Debi Prosad,

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA**

Calcutta-700 016, the 21st May, 1981

Ref. No. 910/Acq./R-III/81-82.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 116/1/1, situated at Mahatma Gandhi Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

20—156GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATIONS**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

All that undivided 1/9th share of the house property being premises No. at 116/1/1, Mahatma Gandhi Road, Calcutta, together with land measuring 1587.360 sq. meters.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Calcutta

Date : 21-5-1981  
Seal :

## FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Lala Raghunath Charity Trust

(Transferor)

(2) Radhey Krishna Prosad

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 21st May, 1981

Ref. No. 911/Acq. R-III/81-82.—Whereas, I, I.V.S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing to

No. 116/1/1, situated at Mahatma Gandhi Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

All that undivided 1/9th share of the house property being Premises No. at 116/1/1, Mahatma Gandhi Road, Calcutta together with land measuring 1587.360 sq. meters.

I. V. S. JUNEJA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-5-1981  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Lala Raghunath Charity Trust  
(Transferor)  
(2) Arun Seth  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 21st May 1981

Ref. No. 912/Acq./R-III/81-82.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 116/1/1, situated at Mahatma Gandhi Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1-10-1980

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that undivided 1/9th share of the house property being premises No. at 116/1/1, Mahatma Gandhi Road, Calcutta, together with land measuring 1587.360 sq. meters.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-5-1981  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Nirmalendu Ganguly

(Transferor)

(2) Sri Adhir Lal Banerjee &amp; others.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 5th June, 1981

Ref. No. 921/Acq.-R-III/81-82.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 95, Flat 9B, situated at Southern Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 29-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 9B, being Premises at 95, Southern Avenue, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-6-1981  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA**

Calcutta, the 5th June 1981

Ref. No. 922/Acq. R.-III/81-82.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 92/3, 93/3B situated at Kankulia Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 11-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jiban Kishan Acharya Chawdhury

(Transferor)

(2) Benuban Co-operative Housing Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

All that piece and parcel of land measuring 7 cottahs being premises at 93/2 & 93/3B, Kankulia Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date : 8-6-1981  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Kamala Dabi  
(Transferor)  
(2) Benuban Co-operative Housing Society Ltd.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th June, 1981

Ref. No. 923/Acq. R-III/81-82.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 93/3B situated at Kankulia Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 11-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

All that piece and parcel of land measuring 7 cottahs being premises No. 93/3B, Kankulia Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-6-1981  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Narayan Acharya  
(Transferor)  
(2) Benuban Co-operative Housing Society Ltd.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th June 1981

Ref. No. 924/Acq. R-III/81-82.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 93/4, 93/3B situated at Kankulia Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Alipore on 11-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDEULE

All that piece and parcel of land measuring 7 cottahs being premises No. 93/4 & 93/3B, Kankulia Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-6-1981  
Seal :

**FORM ITNS**(1) The Green View Co-operative Housing Society Ltd.  
(Transferor)(2) Gautam Dutta Gupta  
(Transferee)**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA**

Calcutta, the 8th June 1981

Ref. No. 925/Acq. R-III/81-82.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing

Flat No. 9 M.E. at 119 situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 30-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

Flat No. 9, M.E. being premises at 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-6-1981  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) The Green View Co-operative Housing Society Ltd.  
(Transferor)  
(2) Sudhansu Chowdhury  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th June 1981

Ref. No. 926/Acq. R.-III/81-82.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 14 ME at 119 situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 30-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

Flat No. 14 ME being premises at 119, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Calcutta,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
21—156GI/81

Date : 8-6-1981  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Samjhū Nath Chunder

(Transferor)

(2) 1. Smt. Parbati Roy Chowdhury

2. Sri Pritam Kr. Roy

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 18th June 1981

Ref. No. S.I. 575/T.R.-582/80-81.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 79,

situated at Dr. Lal Mohan Bhattacharjee Road, Calcutta-14. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 14-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land measuring 4, cattahs with one storied dilapidated building situated at 79, Dr. Lal Mohan Bhattacharjee Road, Calcutta-14, registered in the Office of Registrar of Assurance, Calcutta vide deed No. I-6032 dated 14-10-1980.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-6-1981  
Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI**

New Delhi, the 24th June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/1565.—Whereas I  
R. B. L. AGGARWAL,  
being the Competent Authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated in the Revenue Estate of Vill.  
Bijwasan  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(1) Shri Lilu Ram  
s/o Shri Ram Pat,  
r/o Village Bijwasan.

(Transferor)

(2) M/s. Delhi Towers & Estates (P) Ltd.,  
115 Ansal Bhawan,  
16 K. G. Marg,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957):

**THE SCHEDULE**

Agricultural land measuring 18 bigbas and 19 biswas com-  
prised in Rect. No. 7, K. Nos. 12 min (1-16), 13 (4-16), 17 (4-16),  
18 (4-12), 28 (0-04), Rect. No. 9, K. No. 15 (2-15) situated i  
the Revenue Estate of Village Bijwasan.

R. B. L. AGGARWAL

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 24-6-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI**

New Delhi, the 24th June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/1528.—Whereas I,  
**R. B. L. AGGARWAL**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-21, situated at Chirag Enclave, New Delhi (and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Mrs. Lakshmi Devi Nanda  
W/o G. L. Nanda  
through her attorney  
Sardar Prem Singh Aluwalia  
S/o Sardar Kehar Singh  
r/o C-48, Malviya Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Inder Pal Singh Anand and  
Shri Mahender Pal Singh Anand  
r/o C-21, Chirag Enclave,  
New Delhi.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

C-21, Chirag Enclave, New Delhi.

**R. B. L. AGGARWAL**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-6-1981

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 24th June, 1981

Ref. No. J. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/1429.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Satbari, Illacka Mehrauli Delhi State (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Vidya Batra  
w/o Shri R. N. Batra  
r/o 12, Nizammuddin East,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Kartar Singh & Brothers  
through Shri Prit Pal Anaja,  
3, Akhali Market,  
Amritsar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Agricultural land bearing Khasra No. 465, 469/1, 469/2, 470, 476, 477 total measuring 17 bighas 4 biswas in Village Satbari, Illacka Mehrauli Delhi State.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : —

Date : 24-6-1981  
Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI**  
New Delhi, the 24th June, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/1416.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land situated at Village Khanpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Subhash Chander Kathuria  
r/o A-47, Kirti Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Patmant Kaur  
w/o Sardar Hardip Singh  
of Patti,  
District Amritsar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land bearing Khasra No. 379 measuring 4 bighas and 16 biswas in Village Khanpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 24-6-1981  
Seal :

## FORM LTNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 24th June, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-J/S. R.-III/10-80/1417.—Whereas I,  
R. B. L. AGGARWAL  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'),  
have reason to believe that the immovable property,  
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. Agricultural land situated at Village Khanpur, New Delhi  
and more fully described in the Schedule annexed here to), has  
been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)  
in the Office of the Registering Officer  
at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid  
property, and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—

(1) Dr. (Mrs.) Vinod Kaushal  
w/o Dr. S. P. Kaushal,  
r/o D-48, Hauz Khas,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vikram Talwar  
s/o Shri R. K. Talwar  
& Mrs. Urvashi Talwar  
w/o Shri Vikram Talwar  
c/o Bank of America,  
Barakhamba Road,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land in Sanik Farm village Khanpur Teh.  
Mehrauli, New Delhi Khasra No. 183 (4-16) & Khasra No.  
184/2 (4-2).

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
H-Block, Vikas Bhawan, I.P. Estate, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Dated : 24-6-1981  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 24th June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/1521.—Whereas I,  
R. B. L. AGGARWAL  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

No. B-231-D, situated at Greater Kailash-I, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has  
been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)  
in the office of the Registering Officer  
at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(1) Shri Isher Dass Mehra  
s/o Shri Gopal Dass,  
686, Double Storey,  
Rajinder Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Satya Narain Gupta,  
Gyanchand Gupta and  
Satish Kumar Gupta,  
M-40, Greater Kailash-I,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property B-231-D Block, Greater Kailash-I, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
H-Blobk, Vikas Bhawan, I. P. Estate, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Dated : 24-6-1981  
Seal :

**FORM ITNS.****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI**

New Delhi, the 24th June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/1490.—Whereas I,  
**R. B. L. AGGARWAL**  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
 No. 3E/12, situated at Jhandewalan Extension, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of the such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
 22—156GI/81

(1) Shri Madan Lal,  
 Shri Shadl Lal and  
 Shri Vinod Kumar  
 ss/o Sunder Dass  
 through attorney K. Kishore  
 s/o Late Shri S. L. Kharbanda  
 r/o F-33, Bhagat Singh Market,  
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Poonam Bhasin  
 w/o Shri Balraj Bhasin  
 r/o 6/19, West Patel Nagar,  
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property No. 3E/12, measuring 218.5 sq. yd. Jhandewalan Extension, New Delhi.

**R. B. L. AGGARWAL**  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-I, H-Block Vikas Bhavan,  
 J.P. Estate, New Delhi.

Dated : 24-6-1981  
 Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 24th June, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/1445.—Whereas I,

R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S-148, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Savitri Devi Khurana  
w/o Shri P. N. Khurana,  
r/o D-15, Kamla Nagar,  
New Delhi-6.

(Transferor)

(2) 1. Shri Bal Krishan Bhasin  
2. Shri Avinash Kumar Bhasin  
3. Shri Vijay Kumar Bhasin  
ss/o Shri Dwarika Nath Bhasin,  
r/o 1/7785, Gorakhpur Road,  
Babarpur Road,  
Shahdara.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used hereinabove are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot No. S/148, Greater Kailash-II, New Delhi (measuring 306 sq. yds.).

W. B. L. AGGARWAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 24-6-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961),

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 24th June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/1601.—Whereas I,  
R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. W-100 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an 'apparent' consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri S. P. Kanal  
s/o. Shri P.V. Kanal  
r/o. 570, Double Storey,  
New Rajinder Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Manjeet Singh Oberoi,  
Jagpal Singh Oberoi,  
Kullur Singh Oberoi  
all sons of S. Inder Singh Oberoi,  
r/o 1-C/99, Faridabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been, or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property No. W-100, area 550 sq. yd. situated at Greater Kailash-II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, H-Block Vikas Bhawan,  
I.P. Estate, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 24-6-1981  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 24th June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/1590.—Whereas  
I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M-219 (Flat No. 5), situated at Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Oct. 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

1) Shri Arun Mittal  
s/o V. B. Mittal,  
r/o A-3, Greater Kailash Enclave-1,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmala Sharma  
w/o K. K. Sharma  
r/o 115 Udai Park,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of my income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Portion of property No. M-219, measuring 70 sq. yd. bearing flat No. 5, Greater Kailash-II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, H-Block Vikas Bhavan,  
I.P. Estate, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 24-6-1981  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 24th June, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/1480.—Whereas I,  
R. B. L. AGGARWAL  
being the Competent Authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

No. 30 School Lane, situated at New Delhi  
(and more fully, described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the office of the Registering Officer  
at New Delhi on October, 1980  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of—

(1) Smt. Ranjit Kaur,  
Surjit Kaur,  
Tejinder Singh,  
Joginder Singh and  
Others  
through their attorney Shri R. K. Gupta,  
r/o E-252, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

(2) Parekh Family Trust  
through Mrs. Usha Parekh  
30, School Lane,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property No. 30, School Lane, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 24-6-1981  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 24th June, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/1519.—Whereas I,  
**R. B. L. AGGARWAL**,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3912, situated at Panch Shiela Park, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the 'fair market' value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(1) Shri Kanwar Narinder Singh  
 r/o N-69, Greater Kailash-I,  
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Khanna and  
 Smt. Vina Khanna  
 r/o S-312, Panch Shiela Park,  
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property No. S-312, Panch Shiela Park, New Delhi.

**R. B. L. AGGARWAL**  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 24-6-1981  
 Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(4) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 24th June, 1981.

Ref. No. I. A. C/Acq.-I/S. R.-III/10-80/1510.—Whereas I,  
**R. B. L. AGGARWAL**  
 being the Competent Authority under section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
 moveable property, having a fair market value exceeding  
 Rs. 25,000/- and bearing  
 No. Agricultural land situated at Village Jauna Pur, Teh. Meh  
 rauli, New Delhi  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
 1908) in the office of the Registering Officer  
 at New Delhi on October, 1980  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as afore-  
 said exceeds the apparent consideration therefor by more  
 than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
 the consideration for such transfer as agreed to between  
 the parties has not been truly stated in the said instrument  
 of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for the  
 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (14 of  
 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
 persons, namely :—

(1) Smt. Shyama Rani Kaicker  
 w/o Shri A. S. Kaicker  
 Shri Ashok Kaicker  
 s/o Shri A. S. Kaicker  
 r/o D-122, Defence Colony,  
 New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Rawal Apartments Pvt. Ltd.,  
 M-3, Connaught Place,  
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
 45 days from the date of publication of this notice  
 in the Official Gazette or a period of 30 days from  
 the service of notice on the respective persons  
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
 property, within 45 days from the date of the  
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein  
 are defined in Chapter XXA of the said  
 Act, shall have the same meaning as given  
 in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Village Jauna Pur, Tehsil Mehrauli, New Delhi, Khasra No.  
 18/1/1 (1-2), 17/5 (1-17), 17/4 (1-17)

R. B. L. AGGARWAL  
 (Competent Authority)  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-I, New Delhi,

Date : 24-6-1981  
 Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI**

New Delhi, the 24th June, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/1511.—Whereas I,  
**R. B. L. AGGARWAL**  
 being the Competent Authority under Section 269B of  
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
 referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
 immovable property, having a fair market value exceeding  
 Rs. 25,000/- and bearing  
 No. Agricultural land situated at Village Jauna Pur, Tehsil  
 Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
 New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as  
 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
 than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
 the consideration for such transfer as agreed to between the  
 parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for the  
 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
 persons namely :—

(1) Smt. Shyama Rani Kaicker  
 w/o Shri A. S. Kaicker  
 Shri Ashok Kaicker  
 s/o Shri A. S. Kamicker  
 r/o D-122 Defence Colony,  
 New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Rawal Apartments Pvt. Ltd.  
 M-3, Connaught Place,  
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
 45 days from the date of publication of this notice  
 in the Official Gazette or a period of 30 days from  
 the service of notice on the respective persons,  
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
 property, within 45 days from the date of the  
 publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are  
 defined in Chapter XXA of the said Act,  
 shall have the same meaning as given in that  
 Chapter.

**THE SCHEDULE**

Village Jauna Pur, Tehsil Mehrauli, New Delhi, Khasra  
 No. 18/10/1 (0-6), 17/4 (1-14), 17/5 (1-17), 17/6/1 (0-10), 17/7/1  
 0-(9).

**R. B. L. AGGARWAL**  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-I, New Delhi,

Date : 24-6-1981

Seal :

**FORM ITNS—**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 24th June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S R-III/10-80/1512.—Whereas I,  
R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land situated at Village Jauna Pur, Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-sections, namely :—  
23—156GI/81

(1) Smt. Shyama Rani Kaicker  
w/o Shri A. S. Kaicker,  
Shri Ashok Kaicker  
s/o Shri A. S. Kaicker,  
r/o D-122, Defence Colony,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Rawal Apartments Pvt. Ltd.,  
M-3, Connaught Place,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Village Jauna Pur, Tehsil Mehrauli, New Delhi, Khasra No. 10/24 (1-00), 25 (1-00), 9/21 (1-02), 17/5 (0-12), 17/4 (1-02)

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 24-6-1981  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 24th June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S R-III/10-80/1513.—Whereas I,  
R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Jauna Pur, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on Oct. 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Smt. Shyama Rani Kalcker  
w/o Shri A. S. Kalcker,  
Shri Ashok Kalcker  
s/o Shri A. S. Kalcker  
t/o D-122, Defence Colony,  
New Delhi.(2) M/s. Rawal Apartments Pvt. Ltd.,  
M-3, Connaught Place,  
New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Village Jauna Pur, Tehsil Mehrauli, New Delhi, Khasra No. 17/7/1 (2-6), 17/6/1 (2-7), 18/10/2 (0-3).

R. B. L. AGGARWAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 24-6-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 24th June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S R-III/10-80/1473.—Whereas I,  
R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 4, C-63, situated at N.S.D.E.-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at \_\_\_\_\_ on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Globe Management Private Ltd.,  
through his Managing Director  
Mr. K. K. Chopra  
(N-10, Connaught Circus,  
New Delhi.)

(Transferor)

(2) Mrs. Manjulica Bahl  
w/o Shri Baldev Raj Bahl  
and Master Sandeep Bahl (Minor)  
s/o Shri Baldev Raj Bahl  
Permanent residential address, 43, Sharannpur Road,  
Dehradun, U.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 4 on first floor (back portion) of C-63, N.D.S.E.-II  
New Delhi (Area 1400 sq. ft.).

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 24-6-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 24th June, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/1540.—Whereas I,  
R. B. L. AGGARWAL  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S-107, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at —— on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Amir Chand Juneja,  
A2/15, Safdarjung Enclave,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Hemkunt Export (P) Ltd.,  
Meghdoot Building,  
Nehru Place,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

## THE SCHEDULE

S-107, Greater Kailash-II, New Delhi (Area 300 sq. yds.).

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-6-1981  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Globe Management Pvt. Ltd.,  
N-10, Connaught Circus, New Delhi-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 24th June, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/1455.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 2, C-63, situated at N.D.S.E.-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) Mr. P. Kapur and  
Mrs. Archana Kapur,  
C1/5, Safdarjung Development Area,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Flat No. 2 on the back of ground floor in 2-1/2 storeyed building C-63, N.D.S.E.-II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 24-6-1981  
S. cal :

## FORM STD. NO. 1

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 24th June, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/1443.—Whereas I,  
**R. B. L. AGGARWAL**  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H-38, situated at N.D.S.E.-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) **Shri Arvind Kumar Sharma**  
 s/o Late Shri Badri Nath Sharma  
 r/o B-139/2, D.D.A. Flats,  
 East of Kailash,  
 New Delhi.

(Transferor)

(2) **Shri Udhishtar Lal Chawla**  
 s/o Shri Govind Ram Chawla and  
 Smt. Sheila Chawla alias  
 Smt. Ajit Kaur  
 w/o Shri Udhishtar Lal Chawla  
 r/o C-1/2 Rajouri Garden,  
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective parties, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. H-38, N.D.S.E. Part-I, New Delhi.

**R. B. L. AGGARWAL**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 24-6-1981  
 Seal :

## FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 24th June, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/1468.—Whereas, I,  
R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Qr. No. 9, Block-II-A, situated at Lajpat Nagar, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or pay moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shob Raj and

Vijay Kumar

ss/o Shri Srichand Jethani  
both r/o II-A/9, Lajpat Nagar,  
New Delhi.

(Transferer)

(2) Mrs Padmi Bai

w/o Late Shri Issardas Khushalani  
and Ashoks/o Late Shri Issardas Khushalani  
r/o Shyam Kirpa Devi Dayal Road,  
Mulund through G. Attorney  
Shri Nahik Ram P. Khiliani  
M/s. Sita Prifts 782, Nat Sarak,  
Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Govt. Built Quarter No. 9, Block-II-A, Lajpat Nagar, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 24-6-1981

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I, MADRAS**

Madras, the 3rd June 1981

Ref. No. 46/Oct./80.—Whereas I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Block 5, T. S. No. 67/5 (Part) situated at Egmore Division, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet, Madras (Document No. 1241/80) on 15-10-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri S. Osman Alikhan,  
Smt. Jayher Begum  
Shri Javed Pashad  
Shri Imthiaz Pasha,  
Shri Altaf Pasha and  
Shri Salim Pasha,  
No. 102, Harrington Road,  
Chetpet,  
Madras-31.

(Transferor)

(2) Mrs. Shaana Thiruchelvam,  
No. 42, Damodara Murthy Road,  
Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

(Vacant Plot at Block No. 5, T. S. No. 67/5 (Part), Egmore Division, Madras—Document No. 1241/80)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

R. RAVICHANDRAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras.

Date : 3-6-1981  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I, MADRAS**

Madras, the 3rd June, 1981

Ref. No. 47/Oct./80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Block-5, T. S. No. 67/4 (Part) situated at Egmore Village, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Perambalur, Madras (Document No. 1243/80) on 15-10-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Imthiaz Pasha,  
S/o Mr. S. Osman Ali Khan,  
No. 13, Muktha Gardens,  
Chetpet,  
Madras-31.  
(Transferor)
- (2) Mrs. Shaana Thiruchelvam,  
No. 42, Damodara Murthy Road,  
Madras-10.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

(Vacant Plot of Block 5, T. S. No. 67/4 (Part), Egmore Village, Madras—Document No. 1243/80).

R. RAVICHANDRAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
24--156GI/81

Date : 3-6-1981  
Seal :  
S

## FORM I.T.N.S.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 3rd June 1981

Ref. No. 48/Oct./80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. Block-5, T.S. No. 67/6 (Part) situated at Egmore Village Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Periamet, Madras (Document No. 1244/80) on 15-10-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Naimanisa Begum,  
No. 18, Harlings Road,  
Madras-10.

(Transferor)

(2) Shri Nariman Mogrelia,  
No. 4, Mandapam Road,  
Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Vacant Plot in Block 5, T. S. No. 67/6 (Part), Egmore Village, Madras—Document No. 1244/80).

R. RAVICHANDRAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras.

Date : 3-6-1981  
S/o : \_\_\_\_\_

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 3rd June, 1981

Ref. No. 53/Oct./80—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Block-5, T.S. No. 67/6, situated at Egmore Village Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Periamet Madras (Document No. 1245/80) on 15-10-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Najmunnisa Begum,  
No. 18, Harlings Road,  
Madras-10.

(Transferor)

(2) Smt. M. N. Mogrelia,  
No. 4, Mandapam Road,  
Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot in Block No. 5, T. S. No. 67/6 Part of Egmore Village, Madras— Document No. 1245/80.

R. RAVICHANDRAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-6-1981  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 3rd June, 1981

Ref. No. 54/Oct./80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Block 5, T. S. No. 67/6, situated at Egmore Village, Madras (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet Madras (Document No. 1246/80) on 15-10-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Najmunnisa Begum,  
18, Harlings Road,  
Madras-10.

(Transferor)

(2) Smt. M. N. Mogrelia,  
No. 4, Mandapam Road,  
Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

(Plot in Block No. 5, T. S. No. 67/6 of Egmore Village Madras Document No. 1246/80.

R. RAVICHANDRAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I Madras.

Date : 3-6-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM LT.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 2nd June 1981

Ref. No. 9145.—Whereas I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. F. 201/7B/2 situated at Melvelivattam (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tanjore (Document No. 3654/80) on October 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Amirdham  
W/o Deivasikamani  
Rajappa Nagar  
4th Street  
Tanjore.

(Transferor)

(2) Smt. Saboora Bivi  
W/o Shahul Hamid  
Kazhalvasal  
Pervurani Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land at S. F. 201/2B/2 Melvalivattam.  
(Document No. 3654/80)

R. RAVICHANDRAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II Madras.

Date : 2-6-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM IINB

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 2nd June 1981

Ref. No. 9145.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding No. S. F. 201/7 situated at Melavellvattam

(and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tanjore (Document No. 3653/80) on October 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration

for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Palaniammal  
W/o M. Vaidyalingam  
Kumaranpet  
Idambadi Salem  
(Transferor)
- (2) Saboora Bivi  
W/o Shahul Hamid  
Kazhanivasa  
Peravurani Tk.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax (1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land no. S. F. 201/7, Melavellvattam (Document No. 3653/80).

R. RAVICHANDRAN  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II Madras.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-6-1981

Seal :

## FORM NO. LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras the 3rd June 1981

Ref. No. 15811.—Whereas I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3, Blackers Road, situated at Mount Road, Madras-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane (Document No. 871/80) on October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) A. Saitar Abba Sait,  
Rep. by A. Malick Sait  
A. Subban Sait  
for Hajee Sir Ismail Sait  
Wakf Estate,  
37, Stephens Road,  
Civil Station,  
Bangalore.

(Transferor)

(2) Vardichand Jain,  
Harshed Doshi  
Sri Shanthi Construction & Co.,  
28, Kasi Chetty Street,  
Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at 3, Blackers Road, Mount Road, Madras-2.—(Document N. 871/80).

R. RAVICHANDRAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 3-6-1981

Seal :

## FORM ITNS

(1) K. Ramasamy Naidu  
S/o Krishnaswamy Naidu,  
Red Fields,  
74, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Jayalakshmi  
14/21, Aiyama Naicker Lane,  
Coimbatore.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 3rd June, 1981

Ref. No. 11104.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. F. 517/1, 417/2, 419/1, 419/2, 419/3, 455 situated at Peruchettipalayam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Document No. 3600/80) on October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair reason market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land at S. F. 417/1, 417/2, 419/1, 419/2, 419/3, 455 Peruchettipalayam.

(Document No. 3600/80).

R. RAVICHANDRAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras.

Now, therefore In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Date : 3-6-1981  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 9th June, 1981

Ref. No. 11174.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

62, Gandhiji Road, situated at Erode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Erode (Document No. 4011/80) on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
25—156GT/81

(1) Sarojini Ammal  
W/o C. Arumuga Gounder  
Pasur,  
Rakkiagoundanpudur,  
Erode.

(2) P. V. Marappa Gounder  
Puluvapatti,  
Kavundampadi,  
Bhavani Taluk.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and building at 62, Gandhiji Road, Erode.  
(Document No. 4011/80)

R. RAVICHANDRAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras.

Date: 9-6-1981  
Seal:

## FORM ITNS

(1) C. Arumugha Gounder  
for Minor Saravanan,  
Pasur,  
Rakkigoundanpudur,  
Erode.

(Transferor)

(2) P. N. Velappa Gounder Puluvapatti  
Kavundapadi Village,  
Bhavani Taluk.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 9th June, 1981

Ref. No. 11173.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 62, Gandhiji Road, situated at Erode (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Erode (Document No. 4010/80) on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Land and building at 62, Gandhiji Road, Erode.  
(Document No. 4010/80)

R. RAVICHANDRAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Madras.

Date : 9-6-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, MADRAS**

Madras, the 3rd June, 1981

Ref. No. 11124.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding, Rs. 25,000/- and bearing

No. T. S. No. 317, Lakshminathapuram, situated at Pollachi (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pollachi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Nachimuthu,  
A. K. Kasturi,  
P. Rangaswamy  
Serangapani,  
Marimuthu,  
15A, Muthuswamy Pillai Street,  
Pollachi

(Transferor)

(2) V. Guhamani  
W/o P. V. Vijayaraghavan  
Old Thottam  
Velappanaickenpalayam  
Palladam Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land at T. S. No. 317, Lakshminathapuram, Pollachi.  
(Document No. 2861/80)

R. RAVICHANDRAN  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 3-6-1981  
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II, MADRAS**

Madras-600006, the 3rd June 1981

Ref. No. 11090.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Growers Cottage, Ooty, situated at Ooty

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ooty (Doc. 1543/80) on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) G. Lakshmidhand,  
Madan Kawar,  
Suraj Kawar,  
8, Niray Chokshi Apartments,  
Ambavadi,  
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) G. Madanlal,  
G. Prakashchand  
S/o M. C. Gaverchand  
Main Bazaar,  
Ootacamund

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and building at Growers Cottage Ooty.  
(Doc. 1543/80)

R. RAVICHANDRAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 3-6-1981

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri S. Narasimhan,  
Power Agent of Dr. P. Govindarajan  
who is now at America,  
Salem.

(Transferor)

(2) Smt. R. Srikala,  
W/o Ravisankar Babu,  
No. 269-A, Athvaidha Ashramam,  
Salem-4.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 10th June 1981

Ref. No. 10/Oct./80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. T. S. No. 16, Block 13 (Ward C) situated at Periyeri Village, Salem Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

J. S. R. I, Salem (Document No. 5573/80) on 15-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land and building at T. S. No. 16 (Block 13), Periyeri Village, Salem Town—Document No. 5573/80.

R. RAVICHANDRAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-6-1981  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-500006, the 11th June 1981

Ref. No. 16/Oct./80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 81 (Old No. 256), situated at Thambu Chetty Street, Madras-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. II, Madras North, Madras (Document No. 4154/80) on 15-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri V. K. Chandran alias V. K. Chandrasekaran  
No. 82, Thambu Chetty Street,  
Madras-1.

(Transferor)

(2) 1. Munira Esmail Jariwala,  
2. Tasneem Esmail Jariwala,  
3. Hussainy Esmail Dubai,  
No. 115, Linghi Chetty Street,  
Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

(Land and building at Dr. No. 81 (Old No. 256), Thambu Chetty Street, Madras-1—Document No. 4154/80).

R. RAVICHANDRAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-6-1981  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS**

Madras-600006, the 11th June, 1981

Ref. No. 41/Oct./80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Dr. No. 8 (Old No. 52) situated at Pulla Avenue, Shenoy Nagar, Madras-30  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J. S. R. Madras North, Madras (Document No. 4554/80) on 31-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri K. Vittaldas Pai,  
No. 8, Pulla Avenue,  
Shenoy Nagar,  
Madras-30.

(Transferor)

(2) 1. M. Nammalwar Chetty,  
2. M. V. Cunniah Chetty,  
3. M. Venkatesaperumal  
4. M. Bashyakarlu and  
5. M. Srirama Prasad  
No. 20, Kasi Chetty Street,  
Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

(Land and building at Door No. 8, Pulla Avenue, Shenoy Nagar, Madras-30—Document No. 4554/80.)

R. RAVICHANDRAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras.

Date : 11-6-1981

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 11th June 1981

Ref. No. 69/Oct./80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Block 5, T. S. No. 67/4 (Part) situated at Egmore Village Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet, Madras (Document No. 1342/80) on 15-10-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Mr. Imthiaz Pasha,  
13, Muktha Gardens,  
Madras-31.

(Transferor)

(2) Smt. P. Savithri,  
Mother and Guardian of  
Minor K. C. Ramkumar,  
5/4, Pilkington Road, Madras-23.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Vacant Plot in Block No. 5, T. S. No. 67/4(Part), Egmore Village, Madras—Document No. 1342/80.

R. RAVICHANDRAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-6-1981  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 15th June 1981

Ref. No. 63/Oct./80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T. S. No. 20, (Plot No. 444), situated at Block No. 4, Anna Nagar, Madras-40 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Periamet, Madras (Document No. 1302/80) on 13-10-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri T. V. Ganesh Kumar,  
Plot No. 1838, Anna Nagar,  
Madras-40.

(Transferor)

(2) Smt. Bhagwati Devi Kedia,  
No. 19, Sembudoss Street,  
Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Plot No. 444, Anna Nagar, Madras-40 (Document No. 1302/80).

R. RAVICHANDRAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras,

Date : 15-6-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
26—156GT/81

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 15th June 1981

Ref. No. 64/Oct./80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 444 (T. S. No. 20—Block No. 4) situated at Dr. No. 18, 'K' Block, A. A. Nagar, Madras-40 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908). in the office of the Registering Officer at Periamet, Madras (Document No. 1303/80) on 31-10-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri T. V. Ganesh Kumar,  
No. 1838, A. A. Nagar,  
Madras-40.

(Transferor)

(2) Shri Viswanath Kedia,  
No. 19, Sembudoss Street,  
Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Door No. 18, Plot No. 444 in T. S. No. 20 (Block 'K'), A. A. Nagar, Madras-40—Document No. 1303/80. First Floor of the above premises.

R. RAVICHANDRAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras.

Date : 15-6-1981

Seal ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Mrs. Kamala Shirali,  
Dr. No. 18 (Old No. 4-E),  
Halls Road,  
Kilpauk,  
Madras-10.

(Transferor)

(2) Shri B. A. Nandagopaul,  
4039, Fourth Main Road,  
Block V,  
Door No. 11,  
Anna Nagar,  
Madras-40.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 16th June 1981

Ref. No. ct./80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Dr. No. 18 (Old No. 4-E), situated at Halls Road, Kilpauk, Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet, Madras (Document No. 1330/80) on 31-10-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and building at Dr. No. 18 (Old No. 4-E), Halls Road, Kilpauk, Madras-10—Document No. 1330/80.

R. RAVICHANDRAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-6-1981  
Seal :

**FORM IIIS****NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS**

Madras, the 18th June 1981

Ref. No. 11117.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 575, situated at Odanthurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer

at Mettupalayam (Document 2057/80) on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

(1) G. Kamala,  
1, Black Stone Road,  
Coimbatore.

(Transferor)

(2) N. Rajappan,  
S/o Nanjundiah Gowder  
Kulisholai,  
Ootacamund

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land at S. No. 575, Odanthurai.—Document No. 2057/80.

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras.

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 18-6-1981

Seal :

## FORM ITNS

(1) V. B. Jagadeesan,  
1, Black Stone Road,  
Coimbatore.

(Transferor)

(2) N. Thammannan,  
S/o Muthuappa Gowder  
Grassmere House,  
Coonoor Road,  
Ooty.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 18th June, 1981

Ref. No. 11120.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 576, situated at Odanthurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mettupalayam (Document No. 2061/80) on October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land at S. No. 576 Odanthurai (Document No. 2061/80)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-6-1981  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 18th June, 1981

Ref. No. 11119.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 575, Odanthurai, situated at Odanthurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mettupalayam (Document No. 2059/80) on October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) V. B. Gopalakriuhna Naidu  
No. 1, Black Stone Road,  
Race Course,  
Coimbatore.

(Transferor)

(2) N. Thammannan,  
S/o Nanjundiah Gowder,  
Kulisholai,  
Ootacamund.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957) :—

### THE SCHEDULE

Land at S. No. 575, Odanthurai.—Document No. 2059/80.

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-6-1981  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-JI, MADRAS**

Madras, the 18th June 1981

Ref. No. 9153.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Avarapakkam, situated at Avarapakkam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Avarapakkam (Doc. No. 2015/80) on October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri V. P. Ahmed Mohideen  
S/o Batcha Sahib  
Chenji Road,  
Dindivanam.

(Transferor)

(2) A. Yusuf Ali,  
A. Hamid Ali  
S/o V. P. Ahmed Mohideen  
Chenji Road,  
Dindivanam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land and building at Avarapakkam—Doc. No. 2015/80.

Now, therefore, In pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

**RADHA BALAKRISHNAN**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras  
Date : 18-6-1981  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras, the 18th June 1981

Ref. No. 9176.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-16, II Main Road, situated at Ramalinga Nagar, Trichy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichy (Doc. 314/80) in October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) K. Manickam  
C-16, II Main Road,  
Ramalinga Nagar,  
Trichy

(2) M. Raman,  
4, Vivekananda Nagar,  
Woraiyur,  
Trichy

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### TIME SCHEDULE

Land and building at C-16, II Main Road, Ramalinga Nagar, Trichy.—Document No. 314/80.

RADHA BALAKRISHNA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 18-6-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras, the 11th June 1981

Ref. No. 15952.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12, situated at St. George Cathedral Road, Madras-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Mylapore (Document No. 1945/80) in October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Vijayalakshmi & Co.  
57, Mannappa Mudali Street,  
Madras-21.  
(Transferor)
- (2) M. Sivashanmugham  
Plot No. 3859, E Block Madras-40  
S. Nazeeruddin  
N. Aiesha Bee,  
18, Second Cross T.,  
Kodambakkam,  
Madras-24.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at No. 6, St. George Cathedral Road, Madras-4.—Document No. 1945/80).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
27 —156GI/81

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date\*: 18-6-1981  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,****ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006**

Madras, the 18th June 1981

Ref. No. 15713.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 128, situated at Usman Road, Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Document No. 1688/80) in October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) A. T. Loganathan,  
A. T. Jagannathan,  
A. T. Venkatesan,  
A. T. Jayavelu,  
Renuka,  
Sarala,  
Chitra,  
Kalaivani  
Rep. Rajeswari Ammal  
128, Usman Road,  
Madras-17.

(Transferor)

(2) Prakash Bai,  
Kiran and  
Chandrakala  
129, Usman Road,  
Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have in the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land and building at 128, Usman Road, Madras-17.  
(Document No. 1688/80.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 18-6-1981

Seal :

## FORM LT.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras, the 18th June, 1981

Ref. No. 11121.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. F. 575, situated at Odanthurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mettupalayam (Document No. 2060/80) in October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) G. Balakrishnan,  
1, Black Stone Road,  
Race Course,  
Coimbatore.

(Transferor)

(2) N. Krishnamurthy,  
S/o Nanjundiah Gowder,  
P. Aravind  
S/o N. Puttuswamy,  
Kulishola,  
Ootacamund.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land at S. F. 575, Odanthurai.—(Document No. 2060/80.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 18-6-1981

Seal :

## FORM NO. LT.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS 600006.

Madras, the 10th June 1981

Ref. No. 11122.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. S. No. 576, situated at Odanthurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mettupalayam (Document No. 2062/80) in October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) J. Ramanujam (A) Ramesh,  
1, Black Stone Road,  
Coimbatore.

(2) M. Krishnappa  
S/o Muthappa Gowder,  
Grassmere House,  
Coonoor Road,  
Ootacamund

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Land at S. F. 576, Odanthurai—(Document No. 9193/80.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.  
Date : 18-6-1981  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras 600006, the 18th June 1981

Ref. No. 11118.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 576, Odanthurai, situated at Odanthurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mettupalayam (Document No. 2058/80) on October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) J. Savithri,  
No. 1, Black Stone Road.  
Coimbatore:

(Transferor)

(2) Nagarathna,  
Yesoda,  
Grassmere House,  
Ootacamund

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at S. No. 576, Odanthurai —Document No. 2058/80.

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 18-6-1981

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER**  
**OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-II, MADRAS**

Madras 600006, the 18th June 1981

Ref. No. 11109.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. 22 and 23, situated at Sathy Main Road, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Document No. 5446/80) on October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri P. Ramaswamy and  
 P. Subramanian  
 S/o A. Palaniswamy Gounder,  
 216, Dr. Nanjappa Road,  
 Coimbatore.

(Transferor)

(2) G. Thiruvenkataswamy  
 105, V. K. K. Menon Road,  
 New Siddapudur, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land at S. No. 22 and 23, Sathy Main Road, Coimbatore. (Document No. 5446/80)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**RADHA BALAKRISHNAN**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-II, Madras.

Date : 18-6-1981

Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) **G. Venkatrama Iyer & others,  
34, Pinjala Subramania Street,  
Madras-17.**

(Transferor)

2 **S. M. S.Muthappan,  
13, Rajaji Street,  
Madras-600045.**

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-II, MADRAS**

Madras-600006, the 18th June 1981

Ref. No. 15718.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 34, Pinjala Subramania Street, situated at Madras-600017 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at T. Nagar (Document No. 1637/80) on October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land and building at 34, Pinjala Subramania Street, Madras-17. (Document No. 1637/80)

**RADHA BALAKRISHNAN**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-6-1981  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 18th June 1981

Ref. No. 11132.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

270, Thondamuthur Road, situated at Poosaripalayam, Telungupalayam, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Document No. 3739/80) on October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) K. Varadhalakshmi  
W/o Krishnaswamy,  
Poosaripalayam,  
Telungupalayam,  
Coimbatore.

(Transferor)

(2) Janaki,  
A. R. Narayanan,  
30, Robertson Road,  
R. S. Puram,  
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land and building at 270, Thondamuthur Road, Poosaripalayam.  
(Document No. 3739/80)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 18-6-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras 600006, the 18th June 1981

Ref. No. 9208.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 68, Keel Anna Street, situated at Villupuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Villupuram (Document No. 1647/80) on October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Selvaraj,  
Arignar Anna Mela St.,  
Villupuram.

(2) M. Narayanaswamy Gounder  
Chinthamani Ayyoor Agaram  
Villupuram Taluk.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**SCHEDULE**

Land and building at 68, Keel Arignar Anna Street, Villupuram.  
(Document No. 1647/80)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

28—156 GI/81

Date : 18-6-1981  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 18th June, 1981

Ref. No. 15707.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 86, Athipattu, Ambattur, situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambattur (Document No. 4137/80) on October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(1) S. Kannappan  
M/s. Balaji Industries Corp.,  
74, New Avadi Road,  
Madras-10.  
(Transferor)

(2) M/s. Thirupati Polysacks (P) Ltd.,  
P-38, India Exchange Palace,  
Calcutta.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Land and building at 86, Athipattu, Ambattur, Madras.  
(Document No. 4137/80)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-6-1981  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 18th June, 1981

Ref. No. 9169.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T. S. 878, 52, Chidambaram, situated at Chidambaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chidambaram (Document No. 2531/80) on October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Vaikunthan Pillai,  
17, Kamaleeswaran Koil Street,  
Chidambaram

(Transferor)

(2) M. Ismail,  
30, Chetti Street,  
Udayarkudi  
Kattumannarkudi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at 52, T. S. 878, Chidambaram.  
(Document No. 2531/80).

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-6-1981

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS**

Madras, the 18th June, 1981

Ref. No. 9170.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11, Vilalkatti Pillaya, situated at Koil Street, Chidambaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chidambaram (Document No. 2557/80) on October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Amsammal  
E. Srinivasa Pathar,  
155, Bazaar Street,  
Chidambaram.

(Transferor)

(2) Kavusunnisa Bivi  
29, Kariyarst.  
Parangipet,  
Chidambaram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land and building at 11, Vizhal Katti, Pillayar Koil Street, Chidambaram.

(Document No. 2557/80)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**RADHA BALAKRISHNAN**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 18-6-1981  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 18th June, 1981

Ref. No. 9170.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 23,000/- and bearing

No. 11, Vizhal Katti Pillayar, situated at Koil Street, Chidambaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chidambaram (Document No. 2558/80) on October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Amsammal,  
E. Srinivapathar  
155, Bazaar Street,  
Chidambaram.

(Transferor)

(2) Azeedhabivi  
23, Main Street,  
Parangipet,  
Chidambaram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and building at 11, Vizhal Katti Pillayar Koil Street, Chidambaram.  
(Document No. 2558/80).

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras

Date : 18-6-1981  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS**

Madras, the 18th June, 1981

Ref. No. 15920.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 268/1, 270, 281, 280/2, situated at Nerkundram, Saidapet

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kolambakkam (Document No. 4362/80) on October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) N. T. Patel & Co.,  
by Partners  
J. N. Patel,  
N. D. Patel  
Rep. by Mintler Raj,  
4, Sambandam Road,  
Madras-17.

(Transferor)

(2) Bombay Amonia (Madras) (P) Ltd.,  
4, Sambandam Road,  
Madras-17.

(Transeree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land at S. No. 268/1, 270, 281, 280/2, Nerkundram Village.  
(Document No. 4362/80)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 11-6-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

**FORM ITNS.****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II, MADRAS**

Madras, the 8th June, 1981

Ref. No. 15979.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Tambaran, situated at Tambaran (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tambaran (Document No. 4954/80) on October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S. Raghavan,  
66, Dr. C. P. Ramaswamy Iyer Road,  
Madras-47.

(Transferor)

(2) Shri G. M. V. Balasubramaniam,  
M. B. Jayalakshmi,  
No. 66, Dr. C. P. Ramaswamy Iyer Road,  
Madras-47.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land and building at Tambaran.  
(Document No. 4954/80)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-6-1981  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II, MADRAS  
Madras, the 18th June, 1981

Ref. No. 15948.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 14, Bishop Waller Avenue, situated at Madras-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Document No. 1911/80) on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mrs. Mary Getrude Samuel,  
14, Bishop Waller Avenue East,  
Madras-600004.

(2) K. Venku Reddy,  
253, Mowbrays Road,  
Madras-600018.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at 14, Bishop Waller Avenue, Madras-4.  
(Document No. 1911/80)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-6-1981  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) K. V. Rathna Subramaniam,  
39, Sarkar Street,  
Udumalpet.

(Transferor)

(2) Venugopal  
S/o Ramaswamy  
Pothanaickanur,  
A. K. Puthur,

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 11th June, 1981

Ref. No. 11096.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 306, 307/1, 305/2, situated at A. K. Puthur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kaniyur (Document No' 1317/80) on October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

29—156GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at S. No. 306, 307/1, 305/2, Udumalpet Taluk, A. R. Puthur.

(Document No. 1317/80)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 11-6-1981  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS**

Madras, the 11th June 1981

Ref. No. 11096.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 305/2, 308, situated at A. K. Puthur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kaniyur (Document No. 1318/80) on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) K. V. Rathinasubramaniam,  
39, Sardar Street,  
Udumalpet,

(Transferor)

(2) Neelaveni  
w/o Kandaswamy  
Pothanaickanur,  
A. K. Puthur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land at S. No. 305/2, 308, A. K. Puthur.  
(Document No. 1318/80)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 11-6-1981  
Seal :

## FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 11th June 1981

Ref. No. 11138.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 617/3, Naduhatty, situated at Kotagiri (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kotagiri (Doc. No. 1043/80) on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) R. Mallika  
D/o M. Raman  
Jackanarai,  
Aravenu (P. O.),  
Nilgiris.

(Transferor)

(2) Mrs. Kowsalai Shanmugham  
W/o M. Shanmugham,  
Kanramanickam,  
Tiruppattur, Ramnad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at S. No. 617/3, Naduhatty, Kotagiri  
(Doc. No. 1043/80)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras

Date : 11-6-1981

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, MADRAS**

Madras, the 11th June, 1981

Ref. No. 11138.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 617/3, Kotagiri, situated at Naduhatty (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kotagiri (Doc. No. 1046/80) on October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) R. Indira  
D/o M. Raman,  
Jackanarai,  
Aravenu.

(Transferor)

(2) Mrs. Kousalai Shanmugham,  
W/o M. Shanmugham,  
Kanramanickam,  
Tirupattur, Ramnad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land at S. No. 617/3, Naduhatty, Kotagiri.  
(Doc. No. 1046/80)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-6-1981

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 11th June, 1981

Ref. No. 11138.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 617/3, Naduhatty, situated at Kotagiri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kotagiri (Doc. No. 1049/80) on October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considered therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M. S. Ruckle  
W/o M. Raman  
Jackanarai,  
Aravonu,  
Nilgiris.

(2) Mrs. Kowsalai Shanmugham  
W/o M. Shanmugham,  
Kanramanickam,  
Tirupattur,  
Ramanad.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at S. No. 617/3, Naduhatty, Kotagiri.  
(Doc. No. 1049/80)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.  
Acquisition Range-II, Madras

Date : 11-6-1981  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 11th June, 1981

Ref. No. 11138.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 617/3, Naduhatty, situated at Kotagiri (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kotagiri (Doc. No. 1050/80) on October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) R. Jayaraj  
S/o M. Raman,  
Jackanarai,  
Aravenu,  
Nilgiris.

(Transferor)

(2) Mrs. Kowsalai Shanmugham,  
W/o M. Shanmugham,  
Kanramanickam,  
Tirupattur,  
Ramnad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Land at S. No. 617/3, Naduhatty, Katagiri.  
(Doc. No. 1050/80)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras

Date : 11-6-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) R. Indira  
D/o R. Raman,  
Jackanarai,  
Aravenu,  
Nilgiris.

(2) S. Sivakumar,  
Thamblpatti,  
Tirupattur,  
Ramnad.

(Transferor)

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 11th June 1981

Ref. No. 11137.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 617/3, Naduhatty, Kotagiri, situated at Kotagiri (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kotagiri (Document No. 1047/80) on October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

## THE SCHEDULE

Land at S. No. 617/3, Naduhatty, Kotagiri.  
(Document No. 1047/80)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-6-1981  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
 OF INCOME TAX,  
 ACQUISITION RANGE-II, MADRAS  
 Madras-600006, the 11th June 1981

Ref. No. 11137.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 617/3, Naduhatty, situated at Kotagiri (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kotagiri (Document No. 1085/80) on October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) R. Vasanth  
 D/o M. Raman,  
 Jackanarai,  
 Aravenu,  
 Nilgiris.

(Transferor)

(2) S. Sivakumar,  
 S/o N. Sellaiah Servai  
 Thamblipatti,  
 Tirupattur,  
 Ramnad District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

**THE SCHEDULE**

Land at S. No. 617/3, Naduhatty, Kotagiri  
 (Document No. 1085/80)

RADHA BALAKRISHNAN  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-II, Madras.

Date : 11-6-1981  
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

(1) R. Mallika,  
D/o M. Raman,  
Jackanarai,  
Aravenee,  
Nilgiris.

(Transferor)

(2) S. Sivakumar,  
S/o N. Sellaiah Serval  
Thambipatti,  
Thrupattur,  
Ramanad.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS**

Madras-600006, the 11th June, 1981

Ref. No. 11137.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 617/3, Naduhatty situated at Kotagiri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kotagiri (Document No. 1086/80) on October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land at S. No. 617/3, Naduhatty, Kotagiri.  
(Document No. 1086/80)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-6-1981  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, 600006, the 11th June 1981

Ref. No. 11137.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 617/3, situated at Naduhatty, Kotagiri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kotagiri (Document No. 1087/80) on October, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) R. Jayaraj,  
S/o M. Raman  
Jackanarai Aravenu, Nilgiris

(Transferor)

(2) S. Sivakumar,  
S/o N. Sellaiah Serval  
Thambipathi,  
Tirupattur,  
Ramanad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land at S. No. 617/3, Naduhatty, Kotagiri (Document No. 1087/80)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-6-1981

Seal :

**FORM ITNS**

(1) M. S. Ruckie,  
W/o M. Raman,  
Jackanarai,  
Aravenu (P. O.),  
Nilgiris.

(Transferor)

(2) S. Sivakumar,  
S/o N. Sellaiah Servai  
Thambipatti,  
Tirupattur,  
Rammad.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land at S. No. 617/3, Naduhatty, Kotagiri  
(Document No. 1088/80)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

**RADHA BALAKRISHNAN**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 11-6-1981

Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS**

Madras, the 11th June, 1981

Ref. No. 11138.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 617/3, situated at Kotagiri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kotagiri (Document No. 1044/80) on October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) R. Vasanthi  
D/o M. Raman Jackanarai  
Aravenu (P. O.),  
Nilgiris.

(2) Mrs. Jayalakshmi Rajasekaran,  
10, Sarojini Street,  
Thallikulam,  
Madurai.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land at S. No. 617/3, Kotagiri.  
(Document No. 1044/80)

**RADHA BALAKRISHNAN**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-6-1981  
Seal :

**FORM FINE****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT**

**COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS**

Madras, the 11th June 1981

Ref. No. 11136.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 617/3, Naduhatty, situated at Kotagiri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kotagiri (Document No. 1045/80) on October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) R. Indira,  
Jackanarai Aravenu (P. O.),  
Nilgiris.

(Transferor)

(2) Mrs. Jayalakshmi Rajasekaran,  
10, Sarojini Street,  
Thallakulam, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land at S. No. 617/3, Naduhatty, Kotagiri.  
(Document No. 1045/80)

**RADHA BALAKRISHNAN**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 11-6-1981  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 11th June, 1981

Ref. No. 11136.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 617/3, Naduatty, situated at Kotagiri and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kotagiri (Document No. 1048/80) on October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M. S. R. R. R.  
W/o M. Raman  
Jackanarai,  
Aravenu (P. O.),  
Nilgiris.

(Transferor)

(2) Mrs. Jayalakshmi Rajasekaran,  
10, Sarojini Street,  
Thallakulam,  
Madurai.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Ladd at S. No. 617/3, Naduatty, Kotagiri.  
(Document No. 1048/80)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 11-6-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 11th June 1981

Ref. No. 11136.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 617/3, Naduhatty, situated at Kotagiri (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kotagiri (Document No. 1051/80) on October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) R. Jayaraj  
S/o M. Raman Jackanarai  
Aravenu,  
Nilgiris.

(Transferor)

(2) Mrs. Jayalakshmi Rajasekaran,  
10, Sarojini Street,  
Thallakulam, Madurai,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used here are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at S. No. 617/3, Naduhatty, Kotagiri.  
(Document No. 1051/80).

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 11-6-1981  
Seal :

**FORM ITNS—**

(1) Shri Ram Babu s/o Shri Pyarelal  
r/o Mohalla : Atawala.  
Firozabad.

(Transferor)

(2) Smt. Girish Kumari,  
w/o Shri Girish Chand,  
r/o 218/1, alesar Road,  
Firozabad.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE KANPUR**

Kanpur, the 6th June, 1981

Ref. No. Acq./554/Firozabad/81-82/291—Whereas I,  
**BIBEK BANERJI**  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No as per schedule situated as per schedule

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has  
been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)  
in the office of the Registering Officer  
at Firozabad on 15-9-80

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income  
or any moneys or other assets which have  
not been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian Income-  
tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the  
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House property situated at Mohalla : Atawala, Tehsil :  
Firozabad, Distt. Agra having covered area of 500 sq. ft.  
and open area of 4500 sq. ft.

**BIBEK BANERJI**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

Date : 6-6-1981

Seal :